{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
गुरुवार 15 जनवरी 2026
माघ कृष्ण 13 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 114
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	–	83,382.71
निफ्टी	–	25,665.60
सोना	–	1,44,000
चांदी	–	2,90,000
डॉलर	–	90.28

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

अगली सुनवाई कल

ट्रम्प के टैरिफ पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का फैसला टला

ट्रम्प ने कहा था- अगर हारे तो देश बर्बाद हो जाएगा

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रम्प के टैरिफ लगाने के अधिकार पर अपना फैसला फिलहाल टाल दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस मामले की अगली सुनवाई कल होगी। इससे पहले 9 जनवरी को फैसला आने की उम्मीद जताई जा रही थी, लेकिन उस दिन भी कोई फैसला नहीं हुआ था।

इससे पहले ट्रम्प ने कहा था कि अगर सुप्रीम कोर्ट ने उनके लगाए गए ग्लोबल टैरिफ को रद्द किया, तो अमेरिका के लिए हालात पूरी तरह बिगड़ सकते हैं। इससे देश को टैरिफ से आए अरबों डॉलर लौटाने पड़ सकते हैं।

ट्रम्प ने राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर टैरिफ लगाया

दरअसल, अप्रैल 2025 में ट्रम्प ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए दुनिया के कई देशों से आने वाले सामान पर भारी टैरिफ यानी आयात शुल्क लगा दिए थे। टैरिफ का मतलब होता है कि किसी देश से आने वाले सामान पर ज्यादा टैक्स लगाया जाए, ताकि वह महंगा हो जाए और घरेलू कंपनियों को फायदा मिले।

ट्रम्प का दावा है कि इन टैरिफ्स से अमेरिका को 600 अरब डॉलर से ज्यादा राजस्व मिला है। ट्रम्प के मुताबिक, यह पैसा अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है और देश को विदेशी निर्भरता से बचाता है, इसलिए इसे राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़कर देखना सही है।

अब इसी फैसले को चुनौती दी गई है और इस पर सुप्रीम कोर्ट फैसला सुनाने वाली है। अदालत यह तय करेगी कि राष्ट्रपति ने जो टैरिफ लगाए, क्या उनके पास ऐसा करने का कानूनी अधिकार था या नहीं।

अगर सुप्रीम कोर्ट का फैसला ट्रम्प के खिलाफ आएगा

- ट्रम्प के लगाए गए टैरिफ हट जाएंगे।
- अमेरिका को कंपनियों को पैसा वापस करना पड़ सकता है।
- दुनिया के देशों को अमेरिका में सामान बेचने में राहत मिलेगी।
- भारत, चीन और यूरोप के निर्यातकों को फायदा होगा।
- कई चीजें सस्ती हो सकती हैं।
- शेयर बाजारों में तेजी आ सकती है।
- दुनिया का व्यापार ज्यादा स्थिर हो सकता है।

अगर सुप्रीम कोर्ट का फैसला ट्रम्प के पक्ष में आएगा

- ट्रम्प के टैरिफ जारी रहेंगे।
- अमेरिका दूसरे देशों पर दबाव बना पाएगा।
- दूसरे देश भी अमेरिका पर जवाबी टैक्स लगा सकते हैं।
- दुनिया में व्यापार को लेकर तनाव बढ़ेगा।
- कई चीजें महंगी हो सकती हैं।
- शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव रहेगा।

ईरान में कयासों, अफवाहों और हिंसा का दौर...

अबतक 2500 मौतें, ईरान गरजा, मुल्क में मौतों के लिए ट्रंप और नेतन्याहू किलर

नई दिल्ली। ईरान की सड़कों पर हंगामा जारी है. कई शहरों में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच भिड़ंत हो रही है. इस बीच ईरान में चल रहे प्रदर्शनों और टकराव की वजह से मरने वालों की संख्या 2500 को पार कर गई है. कई दिनों के बाद ईरान के लोग दूसरे देशों में अपने रिश्तेदारों को फोन कर पाने में सक्षम हो पा रहे हैं. इसके साथ ही वहीं की खौफनाक हकीकत सामने आ रही है.

ईरान में अबतक मरने वालों की संख्या 2571 हो गई है. अमेरिका की मानवाधिकार संस्था ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार बुधवार सुबह तक मरने वालों की संख्या कम से कम 2,571 हो गई थी. यह आंकड़ा कई दशकों में ईरान में किसी भी दूसरे विरोध प्रदर्शन या अशांति में हुई मौतों की संख्या से कहीं ज्यादा है. और देश की 1979 की इस्लामिक क्रांति के दौरान फैली अराजकता की याद दिलाता है.

पहला हत्यारा ट्रंप है...

हालांकि ईरान का प्रशासन किसी भी कीमत पर झुकने को तैयार नहीं दिखता है. ईरानी अधिकारियों ने एक बार फिर से अमेरिकी ट्रंप को कार्रवाई न करने की चेतावनी दी है. ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सेक्रेटरी अली लारीजानी ने अमेरिकी रवैये पर जवाब देते हुए, लिखा, हम ईरान के लोगों के मुख्य हत्यारों के नाम बताते हैं- 1- ट्रंप 2- इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू. ईरान के सरकारी टेलीविजन ने पहली बार आधिकारिक तौर पर मौतों की पुष्टि की. एक अधिकारी के हवाले से सरकारी टीवी ने कहा कि मुल्क में बहुत सारे लोग शहीद हुए हैं.

विद्रोहियों ने खामेनेई के लिए मौत की सजा मांगी

ये प्रदर्शन दिसंबर के आखिर में ईरान की खराब अर्थव्यवस्था के गुस्से में शुरू हुए और जल्द ही यहां की मजहबी शासन प्रणाली इसके निशाने पर आ गई. राजधानी में लोग सर्वोच्च धार्मिक नेता खामेनेई की मौत की मांग करने नारे लगा रहे हैं और तस्वीरें बना रहे हैं. ईरान में इस कथित अपराध के लिए मौत की सजा मुकर्रर की जाती है. इस बीच अमेरिका लगातार प्रदर्शनकारियों के साथ अपना सपोर्ट जता रहा है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा, ईरानी देशभक्तों, विरोध करते रहो- अपनी संस्थाओं पर कब्जा करो. ट्रंप ने कहा कि था कि उन्होंने सभी ईरानी अधिकारियों के साथ तब्तक के लिए बातचीत रोक दी है जबतक इन हत्याओं को रोका नहीं जाता है. उन्होंने कहा कि ईरान को जल्द मदद मिलने वाली है. हालांकि घंटों बाद ट्रंप ने रिपोर्टर्स से कहा कि उनकी सरकार उसी हिसाब से कार्रवाई करने से पहले मारे गए प्रदर्शनकारियों की संख्या पर एक सही रिपोर्ट का इंतजार कर रही है.

ट्रंप की मदद आ रही है

ट्रंप ने ईरानी सुरक्षा बलों के बारे में कहा कि मुझे लगता है कि वे बहुत बुरा बर्ताव कर रहे हैं, लेकिन यह कन्फर्म नहीं है. इस बीच ईरानी सत्ता के रुख में कोई नरमी नहीं दिख रही है. ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सेक्रेटरी अली लारीजानी ने अमेरिका के रवैये पर जवाब देते हुए लिखा कि हम ईरान के लोगों के मुख्य हत्यारों के नाम बताते हैं- 1- ट्रंप 2- इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू. ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल देश की सबसे शक्तिशाली और महत्वपूर्ण संस्था है जो राष्ट्रीय सुरक्षा एवं रक्षा नीतियों का निर्धारण करती है. यह 1989 में संविधान के अनुच्छेद 176 के तहत स्थापित हुई. इसके अध्यक्ष ईरान के राष्ट्रपति होते हैं, लेकिन इसके सभी निर्णय सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई लेते हैं।

खास खबर

डॉ. शाहीन समेत 5 आरोपी एनआईए रिमांड पर

नई दिल्ली। दिल्ली बम धमाका मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को बड़ी राहत मिली है। पटियाला हाउस कोर्ट ने डॉ. शाहीन सईद को 3 दिन की कस्टडी एनआईए को मंजूर कर दी है। इससे पहले उन्हें पिछले महीने न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। अदालत ने मुफ्ती इरफान अहमद, जासिर बिलाल वानी, डॉ. आदिल अहमद और डॉ. मुजम्मिल शकील की भी तीन दिन की कस्टडी एनआईए को दी है। सभी आरोपियों को 16 जनवरी को कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया गया है।

राहुल गांधी के खिलाफ दायर याचिका खारिज

नई दिल्ली। जयपुर की एक अदालत ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बड़ी राहत दी है। यह मामला राहुल गांधी के द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई जाति आधारित टिप्पणी का है। अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने इस मामले में दायर याचिका को खारिज कर दिया। अदालत में दायर याचिका में शिकायतकर्ता ने कहा था कि राहुल गांधी ने नेता प्रतिपक्ष होने के बावजूद भी जाति से जुड़े बयान दिए थे और ऐसे बयान जनता को भड़काने वाले थे। याचिकाकर्ता का कहना था कि राहुल गांधी के इस तरह के बयान देश की एकता और अखंडता को नुकसान पहुंचाने वाले थे। याचिकाकर्ता ने अपनी शिकायत में राहुल गांधी के द्वारा 2024 में निकाली गई भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान की गई टिप्पणियों का जिक्र किया था। याचिकाकर्ता के मुताबिक, राहुल गांधी ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जन्म से ओबीसी नहीं हैं बल्कि वह गुजरात के तेली समुदाय से संबंध रखते हैं। तेली समुदाय को 2000 में ओबीसी वर्ग में शामिल किया गया था।

एक्स में बड़ी तकनीकी समस्या से अमेरिका समेत कई देश हो रहे परेशान

नई दिल्ली। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स बड़ी तकनीकी समस्या से जूझता नजर आया। इस खराबी के कारण अमेरिका, ब्रिटेन, भारत और कनाडा समेत कई देशों में हजारों यूजर्स को प्लेटफॉर्म इस्तेमाल करने में दिक्कत हुई। लाखों लोग न तो अपनी फीड देख पा रहे थे, न लॉग-इन कर पा रहे थे और न ही पोस्ट या मैसेज भेज पा रहे थे। आउटेज पर नजर रखने वाली वेबसाइट के मुताबिक 28,000 से ज्यादा यूजर्स ने एक्स के डाउन होने की शिकायत दर्ज कराई है। इनमें से ज्यादातर यूजर्स ने बताया कि टाइमलाइन लोड नहीं हो रही, लॉग-इन में दिक्कत आ रही, पोस्ट नहीं हो पा रही और डायरेक्ट मैसेज काम नहीं कर रहे। यह समस्या दिन की शुरुआत से शुरू हुई और कुछ ही घंटों में तेजी से बढ़ती गई।

ईरान में हालात बिगड़े, भारत ने जारी की एडवाइजरी; नागरिकों से तुरंत देश छोड़ने की अपील

नई दिल्ली। ईरान में लगातार बिगड़ते सुरक्षा हालात और हिंसक प्रदर्शनों के बीच भारत सरकार ने वहां मौजूद भारतीय नागरिकों के लिए नई एडवाइजरी जारी की है। विदेश मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी इस सलाह में कहा गया है कि ईरान में रह रहे सभी भारतीय नागरिक, चाहे वे छात्र हों, तीर्थयात्री हों, व्यापारी हों या पर्यटक उन्हें जितनी जल्दी हो सके, देश छोड़ देना चाहिए।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह एडवाइजरी 5 जनवरी को जारी की गई पिछली चेतावनी की अगली कड़ी है और इसे ईरान में तेजी से बदलते हालात को ध्यान में रखते हुए जारी किया गया है। मंत्रालय के अनुसार, मौजूदा परिस्थितियों में नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। एडवाइजरी में कहा गया है कि जो भारतीय नागरिक अभी ईरान में हैं, वे अत्यधिक सावधानी बरतें। विशेष रूप से उन्हें किसी भी तरह के विरोध प्रदर्शन, राजनीतिक रैलियों और भीड़भाड़ वाले इलाकों से दूर रहने की सलाह दी गई है। साथ ही नागरिकों को अनावश्यक यात्रा से बचने और सुरक्षित स्थानों पर रहने को कहा गया है। भारत सरकार ने यह भी निर्देश दिया है कि ईरान में मौजूद भारतीय नागरिक तेहरान स्थित भारतीय दूतावास के लगातार संपर्क में रहें। किसी भी आपात स्थिति में दूतावास से मदद लेने और समय-समय पर जारी की जाने वाली सूचनाओं पर ध्यान देने को कहा गया है। इसके अलावा स्थानीय मीडिया और आधिकारिक घोषणाओं पर नजर रखने की सलाह दी गई है, ताकि हालात से जुड़ी ताजा जानकारी मिलती रहे।

सोने के बाद अब सबरीमाला मंदिर में घी घोटाला, हाईकोर्ट ने दिए जांच के आदेश

16,628 पैकेट्स घी की बिक्री से आया रुपया टीडीबी के अकाउंट में नहीं किया जमा

नई दिल्ली। केरल हाईकोर्ट ने सबरीमाला मंदिर में आदिया सिष्टम घी की बिक्री से जुड़ी धांधली पर फैसला सुनाते हुए विजिलेंस जांच का आदेश दिया है। इसमें लाखों रुपए की गड़बड़ी का खुलासा हुआ है। जस्टिस वी राजा विजयराघवन और के वी जयकुमार की युगल पीठ ने सबरीमाला स्पेशल कमिश्नर की रिपोर्ट पर यह फैसला सुनाया। रिपोर्ट में घी की बिक्री से मिले रुपयों की हेराफेरी का जिक्र है और कोर्ट ने इसे गंभीर मानते हुए जांच की मांग मंजूर कर ली है।

हाईकोर्ट ने बताया कि 17 नवंबर, 2025 से 26 दिसंबर 2025 तक और 27 दिसंबर, 2025 से 2 जनवरी, 2026 तक की अवधि में करीब 35 लाख रुपये की धांधली हुई है। विजिलेंस डायरेक्टर को निर्देश दिया गया है कि वे योग्य अधिकारियों की टीम बनाएं और त्रावणकोर देवास्वोम बोर्ड के चीफ विजिलेंस एंड सिक्योरिटी ऑफिसर की रिपोर्ट पर मामला दर्ज करें।

विजिलेंस टीम को एक महीने के अंदर प्रोग्रेस रिपोर्ट सौंपनी होगी। कोर्ट ने यह भी कहा कि फाइनल रिपोर्ट कोर्ट की इजाजत के बिना ज्यूरिस्डिक्शनल कोर्ट में दाखिल नहीं की जा सकती है।

14 दिसंबर, 2025 को चीफ विजिलेंस एंड सिक्योरिटी ऑफिसर की इंस्पेक्शन में खुलासा हुआ कि मरामथ बिल्डिंग काउंटर से बेचे गए 16,628 पैकेट्स घी की बिक्री से आया रुपया टीडीबी के अकाउंट में नहीं जमा किया गया। घी को 700 लीटर कैपेसिटी वाले स्टील टैंक में स्टोर किया जाता है और मोटर की मदद से 100 मिलीलीटर के पैकेट्स में भरा जाता है। कॉन्ट्रैक्टर को हर पैकेट में ठीक 100 मिलीलीटर घी भरना होता है, जो भक्तों को 100 रुपए में बेचा जाता है। 17 नवंबर, 2025 से 26 दिसंबर, 2025 तक कॉन्ट्रैक्टर ने 3,52,050 पैकेट्स पैक किए, जो टेम्पल स्पेशल ऑफिसर को सौंपे गए। इनमें से 89,300 पैकेट्स मरामथ बिल्डिंग काउंटर से बेचे गए, लेकिन कर्मचारियों ने सिर्फ 75,450 पैकेट्स का पैसा जमा किया।

इससे 13,679 पैकेट्स की बिक्री का 13.68 लाख रुपए गायब हो गया। टीडीबी ने कोर्ट को बताया कि देवास्वोम कर्मचारी सुनील कुमार पोट्टि ने घी बेचकर रसीद नहीं दी।

विधवा बहू को है अपने ससुर की संपत्ति से भरण-पोषण का हक

सुप्रीम कोर्ट ने मनुस्मृति का हवाला देते हुए सुनाया अहम फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में मनुस्मृति का उल्लेख करते हुए विधवा बहू को राहत दी है। कोर्ट ने कहा कि मनुस्मृति में स्पष्ट रूप से उल्लेख है कि माता, पिता, पत्नी और पुत्र को कभी नहीं छोड़ना चाहिए, और ऐसा करने वाले व्यक्ति को दंडित किया जाना चाहिए। इसी सिद्धांत के आधार पर कोर्ट ने माना कि विधवा बहू को अपने ससुर की संपत्ति से भरण-पोषण का हक है। मामला यह था कि यदि बहू ससुर के जीवनकाल में ही विधवा हो जाती है तो उसे भरण-पोषण मिल सकता है, लेकिन यदि ससुर की मृत्यु के बाद वह विधवा होती है तो क्या उसे यह अधिकार मिलेगा?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक याचिकाकर्ता की ओर से तर्क दिया गया था कि ससुर की मृत्यु के बाद विधवा बहू को भरण-पोषण का कोई हक नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस पंकज मित्तल और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ ने इस तर्क को पूरी तरह खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि पति की मृत्यु के समय के आधार पर विधवा बहुओं के बीच भेदभाव करना पूरी तरह से तर्कहीन और असंवैधानिक है। दोनों ही परिस्थितियों में चाहे बहू ससुर के जीवन में विधवा हुई हो या उनकी मृत्यु के बाद उसे भरण-पोषण का पूरा अधिकार है।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह प्रावधान मृतक हिंदू के निर्भर व्यक्तियों के भरण-पोषण की व्यवस्था करता है।

आईपैक रेड; कलकत्ता हाईकोर्ट ने टीएमसी की याचिका खारिज की

ईडी बोली- हमने कुछ जब्त नहीं किया, ममता ही गैरकानूनी तरीके से फाइलें ले गईं

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने आईपैक रेड मामले में बुधवार को टीएमसी की याचिका खारिज कर दी। पार्टी ने आरोप लगाया था कि जांच एजेंसी ने 8 जनवरी को आईपैक के आईटी हेड प्रतीक जैन के ऑफिस पर रेड मारकर कुछ कागजात जब्त किए थे। इस पर जांच एजेंसी की तरफ से पेश हुए वकील एएसजी राजू ने ऑन रिकॉर्ड कहा कि एजेंसी ने पार्टी दफ्तर से कुछ भी जब्त नहीं किया है। कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा,जब ईडी ने कुछ भी जब्त न करने की बात की है, तो अब इस मामले पर सुनवाई के लिए कुछ नहीं बचता है। याचिका को खारिज किया जाता है।

सुनवाई के दौरान ईडी की तरफ से पेश एएसजी राजू ने कहा कि अगर कोई रिकॉर्ड जब्त किया गया है तो वह एजेंसी ने नहीं, बल्कि ममता बनर्जी ने किया है। ममता अपने साथ गैरकानूनी तरीके से फाइलें ले गई थीं। हाईकोर्ट ने ईडी की तरफ से दाखिल याचिका पर सुनवाई भी स्थगित कर दी। कोर्ट ने कहा कि इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट में पहले ही याचिका लगाई जा चुकी है। इस पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद सुनवाई होगी।

किसी राजनीतिक पार्टी का डराना सही नहीं

टीएमसी पार्टी की तरफ से पेश वकील गुरुस्वामी ने कहा कि उनकी याचिका सिर्फ एक सीमित मुद्दे पर है। उनकी पार्टी का निजी राजनीतिक डेटा सुरक्षित रहे। उन्होंने कहा कि किसी राजनीतिक पार्टी को डराना या दबाव में लेना ठीक नहीं है, खासकर तब जब पार्टी ने यह याचिका इस डर से दायर की कि उसके 6 साल पुराने राजनीतिक सलाहकार (कंसल्टेंट) के दफ्तर से उसका डेटा लिया जा सकता है। गुरुस्वामी ने यह भी कहा कि राज्य चुनाव से कुछ महीने पहले उनके राजनीतिक सलाहकार के ऑफिस पर छापा पड़ना संदेह पैदा करता है। गुरुस्वामी ने स्पष्ट कहा कि अगर एएसजी राजू यह कह रहे हैं कि ईडी ने कुछ भी जब्त नहीं किया, तो इस बात को रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए और इसी आधार पर याचिका का निपटारा कर दिया जाए।

12 साल से कोमा में है 31 साल का युवक, इच्छामृत्यु देने आज सुप्रीम कोर्ट सुनाएगा फैसला

नई दिल्ली। पिछले 12 सालों से कोमा में पड़े 31 साल के युवक को इच्छामृत्यु देने के लिए सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई होगी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन ने गाजियाबाद के हरीश राणा के माता-पिता से कोर्ट के कमेटी रूम में मिलकर बातचीत की थी। पिछली सुनवाई में पीठ ने कहा था कि इस मामले में निर्णय तक पहुंचने से पहले वह परिजनों से मिलकर वस्तुस्थिति जानना चाहेंगे। पीठ ने विशेषज्ञ डॉक्टर्स की दो-दो मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट को भी ध्यान में रखा है। सूत्रों के मुताबिक कोर्ट के रिकॉर्ड में मौजूद उन रिपोर्ट्स में भी हरीश के ठीक होने की उम्मीद बहुत कम बताई है। राणा परिवार के वकील के मुताबिक हरीश पिछले करीब साढ़े 12 साल से बिस्तर पर ही सांसें ले रहा है। उसे विशेष तरल भोजन ट्यूब के जरिए दिया जा रहा है। न वो बोल पाता है, न कुछ जता पाता है। आंख खुल भी जाए तो उनमें कोई हरकत नहीं, यानी जड़ की तरह हो चुका है। उसकी पीठ में लेटे रहने से गहरे घाव हो चुके हैं। जानकारी के मुताबिक हरीश चंडीगढ़ में बीटेक की पढ़ाई के दौरान 20 अगस्त, 2013 को चौथी मंजिल से गिर गया था उससे सिर में गंभीर चोट आई थी। दिमाग में चोट लगने से उसकी यह हालत हुई है वह कोमा में चला गया।

कुछ ना कहना

सुकमा में 29 माओवादियों ने किया सरेंडर

पूना मार्गेम अभियान से बदली गोगुंडा की तस्वीर

सुकमा। छत्तीसगढ़ के धुर नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में माओवादी संगठन को एक और बड़ा झटका लगा है। दरभा डिवीजन के अंतर्गत सक्रिय 29 माओवादियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर शांति की राह चुनी है। इन सभी कैडरों ने जिला प्रशासन और सुरक्षा बलों के समक्ष आत्मसमर्पण कर शासन की पुनर्वास नीति पूना मार्गेम (नई राह) में शामिल होने का निर्णय लिया है।

इस ऐतिहासिक बदलाव की नींव 1 जनवरी को पड़ी थी, जब जिले के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और अन्य आला अधिकारी सुदूर गोगुंडा गांव पहुंचे थे। अधिकारियों ने स्थानीय ग्रामीणों के साथ सीधा संवाद किया और उन्हें शासन की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। इस मुलाकात के बाद ग्रामीणों और सक्रिय कैडरों के बीच विश्वास जगा, जिसका परिणाम इस सामूहिक आत्मसमर्पण के रूप में सामने आया है।

ध्वस्त हुआ नक्सलियों का सपोर्ट सिस्टम

आत्मसमर्पित 29 माओवादी दरभा डिवीजन की केरलापाल एरिया कमेटी में सक्रिय थे। इनमें से कई माओवादी जिले की बड़ी वारदातों में शामिल रहे हैं। गोगुंडा क्षेत्र में नवीन सुरक्षा कैंप की स्थापना से न केवल नक्सलियों का आधार क्षेत्र सिमटा है, बल्कि उनका रसद और सूचना तंत्र (सपोर्ट सिस्टम) भी पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। पुलिस का दावा है कि इस समर्पण के बाद केरलापाल एरिया कमेटी अब नक्सल मुक्त होने के अंतिम चरण में है।

इसरो का मिशन फेल, लेकिन जिंदा बच निकला छोटू कैप्सूल, भेज रहा सिग्नल

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र इसरो का पीएसएलवी रॉकेट मिशन तकनीकी खराबी के कारण असफल हो गया, लेकिन स्पेन की निजी कंपनी का छोटा स्पेस कैप्सूल सुरक्षित रह गया और इस कैप्सूल से जमीन पर सिग्नल मिल रहा है। यह कैप्सूल, जो कि केआईडी कहा जाता है, रॉकेट फेल होने के बावजूद करीब 190 सेकंड तक उड़ान का डेटा भेजने में सफल रहा। इस विशेष रूप से धरती के वातावरण में फिर प्रवेश के परीक्षण के लिए बनाया गया था।

बात दें कि पीएसएलवी-सी62 ने सुबह 10:18 बजे श्रीहरिकोटा से उड़ान भरी थी। रॉकेट में भारत का

उपग्रह अन्वेषा और कुल 15 सैटलाइट के साथ स्पेन का यह कैप्सूल शामिल था। हालांकि, रॉकेट के तीसरे चरण में तकनीकी खराबी के कारण उपग्रह अपने लक्ष्य तक नहीं पहुँच सके और खो गए। नष्ट हुए उपग्रहों में डीआरडीओ का अन्वेषा उपग्रह था, जो करीब 500 किलोमीटर दूर से सैन्य गतिविधियों और छलावरण को निगरानी करने में सक्षम है। इसके अलावा भारत का पहला इन-ऑर्बिट ईंधन भरने वाला उपग्रह, आयुलसैट, और आपातकालीन संचार तथा आपदा प्रबंधन के लिए डिज़ाइन किया गया एक छोटा एलईओ उपग्रह, सीजीयूसैट भी शामिल थे। पृथ्वी अवलोकन के लिए थाईलैंड और ब्रिटेन ने संयुक्त रूप से एक उपग्रह बनाया था। मई 2025 में किया गया पिछला पीएसएलवी मिशन (सी61-ईओएस-09) भी मोटर दबाव की समस्या के कारण असफल हुआ था। विशेषज्ञों का कहना है कि इसरो को घटना का डेटा इकट्ठा करने, विश्लेषण करने और सुधारात्मक कदम तय करने में समय लगेगा। आधिकारिक निष्कर्ष आने वाले दिनों में जारी होने की उम्मीद है।

जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया मकर संक्रांति पर्व

धार्मिक व दार्शनिक स्थलों में लगा श्रद्धालुओं का हुजूम, श्रद्धालुओं ने विभिन्न जलाशयों में लगाई आस्था की डुबकी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलों व ग्रामीण अंचलों में बुधवार को हिंदू धर्मावलंबियों का प्रमुख पर्व मकर संक्रांति हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।जहां धर्मावलंबियों द्वारा पवित्र नदियों और जलाशयों में स्नान कर भगवान की विशेष आराधना की गई। वही सूर्य को अर्ध्द चढ़ाया गया।मकर संक्रांति के इस पर्व पर ज्यादातर लोग दार्शनिक स्थलों, पर्यटन क्षेत्रों, प्रमुख नदी के तट, विशेष गार्डन सहित अन्य जगहों पर इस पर्व को मनाते हुए नजर आए।वही जगह-जगह लोग अपने परिवार के साथ पिकनिक का आनंद लेते हुए दिखाई दिए।मकर संक्रांति पर्व विशेष पर नगर सहित नगर के आसपास क्षेत्रों में स्थित दार्शनिक व धार्मिक स्थलों पर लोगों का हुजूम देखा गया और लोग बड़ी संख्या में इन स्थानों पर सैर सपाटा करते हुए देखे गए।

इन स्थानों पर उमड़ी आस्था की भीड़

मकर संक्रांति के पावन अवसर पर जगह जगह आस्था की भीड़ नजर आई।इस दौरान वैनगंगा नदी घाट,आमाघाट, डेंजर रोड, बजरंग घाट, शंकर घाट, गांगुलपरा और बॉटनिकल गार्डन सहित अन्य दार्शनिक व धार्मिक स्थलों पर लोगों को इस पर्व का आनन्द लेते देखा गया।जहां लोग अपने अपने तरीके से मकर संक्रांति का पर्व मनाते नजर आए।वही इस पर्व पर भगवान शिव के मंदिर में भक्तों द्वारा विशेष पूजा अर्चना की गई।मकर संक्रांति के इस विशेष पर्व को ज्यादातर लोगों ने अपने परिवार के साथ मनाया, तो वही बच्चे पतंगबाजी का लुत्फ उठाते हुए नजर आए।इसके अलावा विभिन्न धार्मिक स्थलों में तरह-तरह की दुकान सजी-धजी नजर आई। वहीं लगभग सभी धार्मिक व दार्शनिक स्थलों में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम देखे गए।

बच्चो ने पतंग का उठाया लुत्फ

मकर संक्रांति के पावन अवसर पर जहां एक ओर हिंदू धर्मावलंबियों द्वारा विभिन्न जलाशयों में स्नान कर भगवान सूर्य और भगवान शिव की आराधना की गई।तो वही बच्चों ने पतंगबाजी का जमकर लुत्फ उठाया।विभिन्न दार्शनिक स्थलों में सुबह से शुरू हुआ पतंगबाजी का दौर देर शाम तक चलता रहा।जहां बच्चों को पतंग उड़ाते, पेच लडाते और पतंग लूटते देखा गया।

धार्मिक स्थलों में हुआ मेला का एहसास

नगर के विभिन्न धार्मिक व दार्शनिक स्थलों में मकर संक्रांति के पावन अवसर पर लोगों का हुजूम देखने को मिला।जहां बच्चों के मनोरंजन के सामान, पतंग ,विभिन्न खिलौने और खाद्य सामग्रियों की सजी-धजी दुकाने नजर आई।वहीं विभिन्न प्रकार के खेलों की सामग्रियां भी धार्मिक व दार्शनिक स्थलों में देखने को मिली।जहां का नजारा देख लोगों को मेले का एहसास होने लगा और लोगों ने इसका जमकर लुत्फ उठाया।

सुरक्षा के दिखे पुख्ता इंतेजाम

मकर संक्रांति के इस पावन अवसर पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम देखने को मिले।जहां लोगों की आस्था और जगह जगह लग रहे हुजूम को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूर्ण: मुस्तैद नजर आया।इस दौरान वैनगंगा नदी घाट,आमाघाट, डेंजर रोड, बजरंग घाट, शंकर घाट, गांगुलपारा और बॉटनिकल गार्डन सहित अन्य धार्मिक स्थलों पर पुलिस व एसडीआरएफ टीम की चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था देखने को मिली।

मकर संक्रांति एक विशेष पर्व है

मकर संक्रांति पर्व को लेकर की गई चर्चा के दौरान जानकारों ने बताया कि मकर संक्रांति पर्व हिंदू धर्मावलंबियों का एक प्रमुख पर्व है।इस दिन सुबह से ही विभिन्न धार्मिक व दार्शनिक स्थलों पर श्रद्धालुओं का आना जाना लगा रहता है।जहां श्रद्धालु स्नान कर सूर्य को अर्ध्द देते हैं।वही इस दिन तिल गुड़ चावल दान कर भगवान शिव की विशेष पूजा अर्चना की जाती है।पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष श्रद्धालुओं का हुजूम काफी ज्यादा नजर आ रहा है।

धनसुवा में समता सैनिक दल का गठन सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। परम् पूज्य बोधिसत्व डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर द्वारा गठित समता सैनिक दल कि बैठक ग्राम धनसुआ में आयोजित कि गई।इस बैठक में समता सैनिक दल जिला शाखा बालाघाट के पदाधिकारीयों द्वारा उपस्थित बौद्ध उपासक एवं बौद्ध उपासिकाओं को समता सैनिक दल का महत्व, उद्देश्य, एवं कार्य बताया गया। तथा समता सैनिक दल जिला शाखा बालाघाट के द्वारा उपस्थित जनसमुदाय को बुद्ध एवं उनका धम्म तथा बुद्ध चरित्र चंद्रोदय नामक ग्रन्थ एवं भगवान बुद्ध के छायाचित्र नि:शुल्क वितरण किया गया।यह बैठक ग्रामीण बौद्ध समिति धनसुआ के अध्यक्ष अनेश गोंडाने, कि अध्यक्षता में आयोजित कि गई।इस बैठक में ग्राम शाखा धनसुआ का गठन किया गया। जिसमें समता सैनिक दल ग्राम शाखा धनसुआ के अध्यक्ष देवाराम वैध, उपाध्यक्ष अर्चना गजभीये, ग्रामीण सचिव अभिषेक बारमाटे, ग्रामीण संघटक शिवांग कामडे, कोषाध्यक्ष विशाल वासनिक, को नियुक्त किया गया।जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में समता सैनिक दल बालाघाट के जिला अध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण हुमनेकर, जिला बौद्धिक प्रमुख एडवोकेट आदर्श मेश्राम, महासचिव रितिक बोमारडे, कार्यकारिणी सदस्य भीम कुमार वाहने, महासचिव प्रताप वासनिक मुख्य रूप से उपस्थित रहे।वही ग्रामीण बौद्ध समिति के सभी सदस्यगण सालिकराम गोंडाने, मंजूलता भौतेकर, ज्योति गोंडाने, रेखा भौतेकर, संगीता भौतेकर, ज्ञानीराम गोंडाने, विजेता भौतेकर, ऊषा भौतेकर, हिरमाबाई गजभिये, जामकला गजभीये, पंचफूला गजभीये, ज्योति वैध, कौतिका वासनिक, शीला आग्रेकर, अनीता रंगारे, प्रमोद बोरकर, ममता महाजन, विमला गजभीये, कंचना भौतेकर, दीपलता गोंडाने, उमराव मेश्राम, अभिषेक मेश्राम, रीता डहाटे, श्याम गोंडाने, आदित्य गोंडाने, लक्की गोंडाने, समीर गोंडाने, शुभम मेश्राम, विश्वजीत भौतेकर, छाया अहंगारे, इत्यादि का सराहनीय योगदान रहा।

हजरत सैय्यद ईमाम जाफर सादिक रहमतुल्लाह अलैह का सालाना उर्स सम्पन्न

76 वे सालाना उर्स पर विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के सर्किट हाउस स्थित शाही दरबार में हर साल की तरह इस साल भी हजरत सैय्यद ईमाम जाफर सादिक रहमतुल्लाह अलैह का सालाना उर्स अकीदतो के साथ मनाया गया।जहां कुंडे वाले बाबा के आस्ताने में पहुंचे अकीदतमन्दो ने अकीदत के फूल व चादर पेश कर अमनो अमान की दुआएं मांगी।वही 4 दिवसीय विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर बुधवार शाम को लंगर तकसीम कर उर्स मुबारक का समापन किया गया। आपको बताए कि शाही दरबार में आयोजित इस 76 वें सालाना उर्स पर दरबार और उर्स कमेटी द्वारा तीन दिवसीय विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए थे जिसके तहत 11 जनवरी रविवार को सुबह परचम कुसाई कर, दोपहर में कुरआन ख्वाहनी ,और शाम में मिलाद शरीफ का आयोजन किया गया, उर्स मुबारक के इस मौके पर सोमवार को शाही सन्दल निकलकर, चादर पेश की गई, वही रात में शमा महफिल कव्वाली का आयोजन किया गया।वहीं मंगलवार को शमा महफिल कव्वाली का आयोजन किया गया।तो वही बुधवार की शाम लंगर तकसीम कर इस उर्स मुबारक का समापन किया गया।

आयोजन को लेकर की गई चर्चा के दौरान स्थानीय निवासी दीपक डोंगरे ने बताया कि यहां प्रतिवर्ष 4 दिवसीय सालाना उर्स का आयोजन होता है,रोजाना विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के बाद अंतिम दिन लंगर का आयोजन कर उर्स मुबारक का समापन किया जाता है। उन्होंने आगे बताया यह दरबार मन्नते पूरी करने का दरबार है, इस दर पर जो भी सच्चे दिल से मन्नतें मांगता है उसकी मन्नत पूरी होती है। उन्होंने बताया कि यहां पर धर्म का कोई भी बंधन नहीं है यहां पर 8 शासकीय कर्मचारी है सभी हिन्दू है जो यहां पर सेवा देते हैं। हिंदू मुसलमान सभी मिलकर खिदमत को अंजाम देते हैं।यहां किसी के आने-जाने पर किसी तरह की कोई पाबंदी या रोक-टोक नहीं है।

स्वर्ण कप हॉकी टूर्नामेंट का क्वाटर फाइनल आज

कल सेमी, 17 को खेला जाएगा फाईनल मैच, 51 वीं नारायणसिंह मेमोरियल ऑल इण्डिया गोल्ड कप हॉकी टूर्नामेंट, एससीआर बिलासपुर, बीएसफ जालंधर और आरडब्ल्यूएफ बैंगलुरू ने जीते मैच

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नेहरू स्पोर्टिंग क्लब और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में नगर के शहीद चन्द्रशेखर आजाद एस्टोटर्फ मैदान में आयोजित 51 वीं नारायणसिंह मेमोरियल ऑल इण्डिया गोल्ड कप हॉकी टूर्नामेंट के चौथे दिन 14 जनवरी बुधवार को 3 मैच खेले गए। इसमें पहले मैच में एससीआर बिलासपुर ने आर्मी इलेवन दिल्ली को पराजित किया। वहीं दूसरे मैच में बीएसएफ जालंधर ने हॉकी गंगपुर उड़ीसा को हराया तो वही आरडबल्यूएफ बैंगलुरू ने एससी रेल्वे सिकन्द्राबाद को पराजित कर क्वाटर फाइनल में प्रवेश किया। 11 जनवरी से आयोजित इस टूर्नामेंट का पहला क्वाटर फाइलन मैच 15 जनवरी गुरूवार को खेला जाएगा। जो सुबह 10 बजे से प्रारंभ होगा। तो वही प्रतियोगिता का सेमीफाइनल मैच 16 जनवरी को कराकर 17 जनवरी को फाइनल मैच के साथ आयोजित इस प्रतियोगिता का समापन किया जाएगा।

क्वाटर फाईनल आज, सेमी फाइलन कल, परसो खेला जाएगा फाइनल

11 जनवरी से आयोजित इस प्रतियोगिता में 14 जनवरी बुधवार को पहला मैच दोपहर 12 बजे से मैच आर्मी इलेवन दिल्ली बनाम एससी रेल्वे बिलासपुर के बीच खेला गया।जिसमें सडन डेथ गोल में बिलासपुर की टीम ने दिल्ली को पराजित कर क्वाटर फाइनल में जगह बनाई। ये मैच काफी रोमांचक रहा और दोनों ही टीम ने काफी तेज हॉकी का खेल दिखाया। निर्धारित समय तक दोनों टोनों टीमें 3-3 गोल से बराबरी पर रही। जिससे हार-जीत का निर्णय पैनाल्टी शूट आउट से किया गया। इसमें भी दोनों ही टीम 5-5 अवसर में बराबरी पर रही। इसके बाद सडन डेथ गोल में बिलासपुर की टीम विजयी हुई। वही 14 जनवरी बुधवार को दिन का दूसरा मैच बीएसएफ जालंधर बनाम हॉकी गंगपुर के मध्य खेला गया। इसमें जालंधर की टीम ने शुरू से ही तेज खेलते हुये बढ़त बनाए रखी और 3-1 गोल से जीत प्राप्त कर प्रतियोगिता के अगले चरण में प्रवेश किया। तो वही बुधवार का तीसरा व अंतिम मैच एससीआर सिकन्द्राबाद बनाम आरडबल्यूएफ बैंगलुरू के मध्य खेला जाएगा।इसमें बैंगलुरू के खिलाड़ियों ने अपनी उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रतिद्वंद्वी टीम को 4-2 गोल से पराजित कर प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।आज के तीनों मैच काफी रोमांचक हुये और दर्शकों की भी भीड़ अच्छी खासी थी।

आज क्वाटर फाईनल में इन टीमो के बीच होगी भिड़ंत

टूर्नामेंट के 5 वें दिन 15 जनवरी गुरूवार को 4 क्वाटर फाइनल मैच खेले जाएगे। इसमें पहला मैच सुबह 10 बजे से बीएसएफ जालंधर बनाम सेन्ट्रल रेल्वे बिलासपुर के बीच खेला जाएगा तो वही दूसरा मैच 11:30 बजे से इम्फाल बनाम सेन्ट्रल रेल्वे कोलकाता के मध्य होंगा ।वही तीसरा मैच 1:30 बजे से लखनऊ बनाम कैनरा बैंक बैंगलुरू के बीच खेला जाएगाइसके अलावा दिन का चौथा व अंतिम क्वाटर फाईनल मैच एससी रेल्वे बैंगलुरू बनाम आरडबल्यूएफ बैंगलुरू के मध्य होगा। इस अवसर पर नेहरू ससपोर्टिंग क्लब के सभी पदाधिकारी व सदस्यों ने खेल प्रेमी दर्शकों से अधिकाधिक उपस्थिति की अपील की है।

प्रतियोगिता देखने उमड़ रही भारी भीड़

ऑल इण्डिया टूर्नामेंट में मैच देखने दर्शकों की अच्छी भीड़ उमड़ रही है।जिसे देखते हुए आयोजन समिति द्वारा बैठक की भी उचित व्यवस्था की गई है।आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने खेल प्रेमी दर्शकों से अधिकाधिक संख्या में पहुंचकर मैच का आनंद उठाने की अपील की है।बुधवार को खेले गये मैच में अतिथि के रूप में 7 वीं बटालियन डिप्टी कमाडेंट तनवीर जमाल, डिप्टी कमाडेंट रविन्द्र कुमार, रक्षित निरीक्षक कमलेश परस्ते, एमटीओ अरविंद चौहान, अधिवक्ता गुड्डू मलिक सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

खाटु श्याम मंदिर के लिए किया गया भूमिपूजन

नगर में भव्य रुप से निकाली गई निशान यात्रा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भगवान खाटु श्याम के प्रति आस्था व भक्ति का सैलाब बुधवार 14 जनवरी को नगर में देखने को मिला, जहा विगत 3 वर्षों के इंतजार के बाद बालाघाट नगर में भगवान श्री खाटू श्याम के भव्य मंदिर निर्माण भूमि पूजन किया गया। श्री खाटू श्याम निज मंदिर पुजारी मानवेंद्र सिंह चौहान की प्रमुख उपस्थिति में भूमि पूजन के पूर्व नगर में नया श्री राम मंदिर से एक भव्य निशान यात्रा निकाली गई,जो नगर के विभिन्न मार्गो व चौक चिराहो का भ्रमण करते हुए सीधे श्री श्याम शरणम रेसीडेंसी भटेरा रोड पहुंची। जहां पर भगवान के मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया किया। तो वही 14 जनवरी की रात 8 बजे से पीजी कॉलेज के बाजू में बंगाली दुर्गा उत्सव मैदान में श्री खाटू श्याम कीर्तन का आयोजन किया गया। जिसमें बालाघाट से सोनाली नागेश्वर, जयपुर से अभिषेक नामा, आयुष सोमानी और कटिहार से आदर्श दाधीच ने संगीतमय भजन कीर्तन प्रस्तुति दी।इन पूरे आयोजन में माहौल भक्तिमय बना रहा।

नया श्रीराम मंदिर से निकाली गई निशान यात्रा

14 जनवरी की सुबह करीब 10 बजे से नया श्रीराम मंदिर परिसर से निशान यात्रा निकाली गई जो कि नगर के हनुमान चौक, सराफा बाजार, महाराणा प्रताप चौक, सुभाष चौक, महावीर चौक, राजघाट चौक, अंहिसा द्वार, काली पुतली चौक से होते हुए कीर्तन कार्यक्रम स्थल पहुंची। जहां विधि विधान के साथ भावे मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया तो वही शाम के समय बंगाली दुर्गा उत्सव मैदान में श्री श्याम कीर्तन का आयोजन किया गया है जिसमें आदर्श दाधीच कटीहार,आयुष सोमानी जयपुर, अभिषेक नामा जयपुर व सोनाली नागेश्वर के द्वारा कीर्तन की प्रस्तुति दी गई। इस दौरान अर्चित नेमा, शिवबोध मिश्रा,अनुराग चतुरमोहता,संजय असाटी, संजय खंडेलवाल,योगेश मोर,बाबुलाल सोनी व श्याम मित्र मंडल के अन्य सदस्य सहित सैक ?ों की संख्या में भक्तगण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

करने वाला भी श्याम और कराने वाला भी श्याम है

राष्ट्य स्वयं सेवक संघ के वैभव कश्यप, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष सत्यनारायण अग्रवाल,प्रणव पटले ने बताया कि करने वाला भी श्याम, और कराने वाला भी श्याम है। उनकी कृपा से ही सारे अच्छे काम हो रहे है, और लोग सनातन की ओर अग्रसर हो रहे है। उन्होंने बताया कि विगत 36 महीनों से श्याम मित्र मंडली व श्याम महिला मित्र मंडली के द्वारा मासिक कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है जो कि सभी के सहयोग से संभव हो पा रहा है। इसी कड़ी में श्याम बाबा की कृपा से सुरेश सोनी ने अपने माता-पिता की स्मृति में श्याम बाबा मंदिर निर्माण के लिए भूमि का दान किया है, और इसी दान की भूमि पर मंदिर निर्माण के लिए निज मंदिर पुजारी एवं खाटु धाम मंदिर के मंत्री मानवेन्द्र सिंह चौहान की मौजूदगी में हर्षोल्लास के साथ भूमिपूजन किया गया। उन्होंने बताया कि जल्द ही इस जगह पर एक भव्य मंदिर का निर्माण किया जाएगा जो मुख्य आकर्षण का केंद्र बनेगा।

जमा खातों को लेकर जिला प्रशासन ने जारी की महत्वपूर्ण सावधानियाँ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला प्रशासन ने आमजन को बैंकिंग सेवाओं का सुरक्षित, सुचारु एवं लाभकारी उपयोग करने के उद्देश्य से जमा खातों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी और सावधानियों जिला को लेकर नागरिकों से अपील की है कि वे अपने वित्तीय व्यवहार में पारदर्शिता बरतें और बेहतर रिटर्न के लिए सही विकल्प अपनाएँ।

अग्रणी बैंक प्रबंधक संजीव कुमार ने बताया कि बचत बैंक खातों में ब्याज दर कम होने के कारण इसे निष्क्रिय बचत माना जा सकता है। बेहतर लाभ के लिए आवर्ती जमा (आरडी) अथवा सावधि जमा (एफडी) में निवेश करना अधिक उपयोगी है।

ग्राहकों को अच्छी बैंकिंग आदतें अपनाने की सलाह देते हुए कहा गया है कि वे समय-समय पर पासबुक या खाते का विवरण प्राप्त कर प्रविष्टियों की जाँच करें, चेक-बुक को सुरक्षित रखें तथा इंटरनेट बैंकिंग आईडी, पासवर्ड, डेबिट कार्ड पिन और ओटीपी किसी के साथ साझा न करें।

प्रशासन ने नामांकन (नॉमिनी) की प्रक्रिया को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि जमाकर्ता की मृत्यु की स्थिति में नामित व्यक्ति को खाते की राशि प्राप्त करने में सुविधा होती है। नामांकन से दावों का शीघ्र निपटान संभव होता है और परिवार को अनावश्यक कठिनाइयों से बचाया जा सकता है। नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि खाता खोलते समय नामांकन फॉर्म अवश्य भरें और समय-समय पर विवरण अपडेट करते रहें।

सावधि जमा के संबंध में बताया गया कि निर्धारित अवधि से पहले राशि निकालने पर बैंक द्वारा दंडात्मक शुल्क लगाया जा सकता है। वहीं, जमाकर्ता की मृत्यु की स्थिति में समय पूर्व निकासी पर कोई दंड नहीं लिया जाता। संयुक्त खाताधारकों को समय पूर्व निकासी के लिए अधिदेश (मैंडेट) का विकल्प चुनने की भी सलाह दी गई है।

जिला प्रशासन ने अंत में सभी नागरिकों से अपील की है कि वे उपरोक्त सावधानियों का पालन करते हुए सुरक्षित एवं जिम्मेदार वित्तीय व्यवहार अपनाएँ।

आम ईस्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं योगेंद्र श्रीवास पिता स्व. कौडूलाल श्रीवास जाति नाई ग्राम पंचायत पांढरवानी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट का निवासी हूं। मेरे पिता जी स्व. कौडूलाल पिता शंभूलाल श्रीवास कि मृत्यु दिनांक 25.10.2025 को हो चुकी है और मेरी माताजी स्व. कांतिबाई पति कौडूलाल श्रीवास की मृत्यु दिनांक 21.10.2025 को हो चुकी है। जिनकी मृत्यु के उपरांत मैं पुत्र योगेंद्र श्रीवास एवं पुत्री श्रीमती दुर्गा उसराठे वारसान है।

उपरोक्तानुसार हमें वारसान प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत पांढरवानी से जारी किया जाना है।

अत: आम जनता सूचना दर्ज करे।

प्रकाशक
योगेंद्र श्रीवास
निवासी - ग्राम पंचायत पांढरवानी ला.
तहसील - लालबर्रा
जिला - बालाघाट।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

आग से झुलसने से 15 वर्षीय बालक की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आग से झुलसने के कारण जिला अस्पताल में भर्ती एक 15 वर्षीय बालक की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक अरुण मरकाम, पिता पूनाराम मरकाम, निवासी ग्राम मछुरदा, थाना बिरसा निवासी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुनाराम मरकाम अपने परिवार के साथ खेती-मजदूरी कर जीवनयापन करते हैं। परिवार में पत्नी बेला बाई, दो बेटे और तीन बेटियां हैं। तीनों बेटियों का विवाह हो चुका है और वे अपने ससुराल में निवासरत हैं। अरुण मरकाम परिवार का छोटा पुत्र था तथा मानसिक रूप से विकलांग होने के कारण घर पर ही रहता था।

बताया गया है कि हाल ही में पुनाराम मरकाम अपने बड़े बेटे के साथ मजदूरी के लिए पुणे गए हुए थे। घर में अरुण अपनी मां बेला बाई के साथ रह रहा था। घटना 13 जनवरी की शाम लगभग 6 बजे की है, जब बेला बाई खाना बना रही थीं। इसी दौरान उन्होंने अरुण को चूल्हे के पास बैठाया और पानी लेने के लिए थोड़ी देर के लिए बाहर चली गईं। तभी अचानक अरुण की शर्ट में आग लग गई, जिससे वह बुरी तरह झुलस गया।

पानी लेकर वापस लौटी बेला बाई ने जब अपने बेटे को आग की लपटों में घिरा देखा तो तत्काल आग बुझाई और आसपास के लोगों को सूचना दी। गंभीर रूप से झुलसे अरुण को तुरंत बिरसा के अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान 14 जनवरी को सुबह करीब 10 बजे अरुण मरकाम ने दम तोड़ दिया।घटना की सूचना मिलने पर जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक बारेलाल पांचे ने आवश्यक पंचनामा कार्रवाई कर शव का पोस्टमार्टम करवाया और शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु थाना बिरसा भेज दी है।

भगवान भरोसे है पानी टंकियों की सफाई और सुरक्षा

पानी टंकियों की सफाई को लेकर नागरिक उठा रहे सवाल

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

इंदौर में सामने आई घटना के बाद शहर में नालियों से गुजर रही पाइपलाइनों और दूषित पानी की आपूर्ति को लेकर जहां पहले ही आवाज उठ चुकी है, अब नगर निगम की पानी टंकियों की सुरक्षा और स्वच्छता को लेकर भी चिंता जताई जाने लगी है। कुछ पार्षद प्रतिनिधियों का कहना है कि केवल पाइपलाइन ही नहीं, बल्कि शहर की पानी टंकियों की भी नियमित रूप से बाहर और अंदर से सफाई कराई जानी चाहिए।पार्षद प्रतिनिधियों ने यह भी मांग की है कि सभी पानी टंकियों के प्रवेश द्वारों को पूरी तरह सुरक्षित किया जाए और उन पर तालाबंदी अनिवार्य रूप से की जाए। उनका आरोप है कि शहर की कई पानी टंकियों में अब तक प्रवेश द्वारों पर न तो ताले लगे हैं और न ही किसी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था मौजूद है ।

इंदौर घटना के बाद बालाघाट नगर पालिका द्वारा शहर के कई वार्डों में नालियों से गुजरने वाली पाइपलाइनों के सुधार कार्य कराए गए हैं । साथ ही कुछ क्षेत्रों में दूषित जल की शिकायतों पर पानी की जांच कर व्यवस्था सुधारने के प्रयास भी किए गए। इसके बावजूद शहर की अधिकांश पानी टंकियों की स्थिति आज भी चिंताजनक बनी हुई है। नगर में स्थित कई प्रमुख पानी टंकियां ऐसी हैं, जिनकी न तो नियमित रूप से अंदर-बाहर सफाई की जा रही है और न ही उनकी सुरक्षा को लेकर कोई ठोस इंतजाम नजर आ रहे हैं। बूढ़ी पानी टंकी, बैहर चौकी क्षेत्र की पानी टंकी, एमएलबी स्कूल के सामने स्थित पानी टंकी सहित अन्य कई पानी टंकियों की हालत बदहाल बतायी जा रही है। स्थानीय वार्डवासियों एवं पार्षद प्रतिनिधियों का कहना है कि नगर पालिका को सिर्फ पाइपलाइन सुधार तक सीमित न रहकर पानी टंकियों की स्थिति पर भी गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। वर्तमान में शहर की कई पानी टंकियां अव्यवस्थित अवस्था में दिखाई दे रही हैं। महीनों से इन टंकियों की न तो सफाई कराई गई है और न ही रंगाई-पुताई की गई है। कई टंकियों में जाले, गंदगी और रख-रखाव का घोर अभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। सबसे गंभीर विषय यह है कि पानी टंकियों की सुरक्षा व्यवस्था लगभग न के बराबर है। भले ही कुछ टंकियों के चारों ओर बाउंड्री बनाई गई हो, लेकिन प्रवेश द्वारों पर आज भी ताले नहीं लगाए गए हैं। ऐसे में कोई भी व्यक्ति आसानी से टंकी परिसर में प्रवेश कर सकता है, जिससे पानी की शुद्धता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि पानी टंकियों को पूर्ण रूप से प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया जाना चाहिए तथा प्रवेश द्वारों पर मजबूत दरवाजे एवं ताले लगाए जाने चाहिए। साथ ही नियमित सफाई, निरीक्षण और कीटाणु नियंत्रण की व्यवस्था अनिवार्य की जानी चाहिए, ताकि नागरिकों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। यदि समय रहते नगर पालिका द्वारा पानी टंकियों की सफाई एवं सुरक्षा को लेकर ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में शहर को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

टंकी के प्रवेश द्वारों पर ताले नदारद

शहर की कई पानी टंकियों में नगर पालिका द्वारा आज तक सीढ़ियों के पास स्थायी गेट की व्यवस्था नहीं की गई है। अधिकांश टंकियों में ऊपर चढ़ने वाली सीढ़ियों का रास्ता पूरी तरह खुला छोड़ दिया गया है, जहां न तो कोई गेट लगाया गया है और न ही प्रवेश को नियंत्रित करने के लिए ताले की व्यवस्था की गई है।ऐसे में कोई भी अनजान व्यक्ति बिना रोक-टोक टंकी परिसर में प्रवेश कर सीधे पानी टंकी के ऊपरी हिस्से तक पहुंच सकता है, जिससे किसी भी समय गंभीर घटना की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पानी टंकियों की सुरक्षा को देखते हुए ऊपर चढ़ने वाली सीढ़ियों के पास मजबूत गेट लगाकर उसे हमेशा लॉक रखा जाना चाहिए। साथ ही केवल अधिकृत कर्मचारियों को ही वहां आने-जाने की अनुमति दी जानी चाहिए ।

टंकियों की स्थिति अत्यंत खराब- सोहेल खान

वार्ड क्रमांक 3 के पार्षद प्रतिनिधि सोहेल खान ने शहर की पानी टंकियों की वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इंदौर की घटना के बाद नगर पालिका द्वारा शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जो कदम उठाए जा रहे हैं, उसी गंभीरता के साथ पानी टंकियों की भी अंदर-बाहर से नियमित सफाई कराई जानी चाहिए। सोहेल खान ने बताया कि वर्तमान में शहर की अधिकांश पानी टंकियों की हालत अत्यंत खराब हो चुकी है। लंबे समय से न तो इनकी सफाई कराई गई है और न ही आवश्यक मरम्मत कार्य किए गए हैं। उन्होंने नगर पालिका से मांग की कि जल टंकियों की सफाई, मरम्मत और सुरक्षा की जिम्मेदारी को गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रभाव से ठोस कार्रवाई की जाए ।

16 जनवरी को खेला जायेगा सेमीफाइनल व फाइनल मैच

जैन प्रीमियर लीग रोमांचक मोड़ पर मुकाबला जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 9 जनवरी से शुरू हुई जैन प्रीमियर लीग (जेपीएल) अब अपने निर्णायक दौर में पहुंच रही है। लीग मैचों के समापन के साथ ही टूर्नामेंट का रोमांच चरम पर दिखाई दे रहा है। प्रतियोगिता के शुरुआती दौर में प्रतिदिन दिन एवं रात्रि तक चार-चार मुकाबले खेले गए, दर्शकों के उत्साह और समयबद्ध आयोजन को देखते हुए बाद में आयोजन समिति द्वारा प्रतिदिन पांच मुकाबले देर रात तक कराए जाने लगे। लगातार खेले जा रहे मुकाबलों के चलते टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा और रोमांच दोनों बरकरार हैं। जैसे-जैसे प्रतियोगिता सेमीफाइनल और फाइनल की ओर बढ़ रही है, वैसे-वैसे कुछ टीमें बाहर होती जा रही हैं, जबकि कई टीमें दमदार प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में अपनी जगह मजबूत करने में जुटी हुई हैं।

इसी क्रम में 13 और 14 जनवरी को भी देर रात तक लगातार पांच मुकाबले खेले गए। इनमें से कुछ मुकाबलों के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं, जबकि 14 जनवरी को खेले गए कुछ मैचों के परिणाम देर रात तक जारी किए गए। आयोजन समिति के अनुसार, 16 जनवरी को प्रतियोगिता के निर्णायक मुकाबले खेले जाएंगे, जिसमें सेमीफाइनल एवं फाइनल शामिल हैं। जैन प्रीमियर लीग में खिलाड़ियों के जोश, दर्शकों के उत्साह और कड़े मुकाबलों के चलते प्रतिदिन रोमांचक दृश्य देखने को मिल रहे हैं, जिससे यह टूर्नामेंट क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। जैन प्रीमियर लीग में मुकाबलों का सिलसिला लगातार रोमांचक होता जा रहा है।

लीग चरण के अंतिम दौर में पहुंच चुकी इस प्रतियोगिता में 13 एवं 14 जनवरी को प्रतिदिन पांच-पांच मुकाबले खेले गए, जिनमें कई रोमांचक परिणाम देखने को मिले।

13 जनवरी के मुकाबलों के परिणाम

13 जनवरी को खेले गए पहले मुकाबले में बिग बुल इलेवन और डी.आर राइडर्स आमने-सामने रहे। बिग बुल इलेवन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 101 रन बनाए, जिसके जवाब में डी.आर राइडर्स ने 105 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया। दूसरे मैच में अरिहंत लायंस और जैन राइजर्स के बीच मुकाबला हुआ। जैन राइजर्स ने 132 रन बनाए, जबकि जवाब में अरिहंत लायंस की टीम 93 रन ही बना सकी और जैन राइजर्स ने जीत दर्ज की। तीसरे मुकाबले में राइजिंग अशोका और केशर एग्रो की टीमें भिड़ीं। केशर एग्रो ने 95 रन बनाए, जिसके जवाब में राइजिंग अशोका ने 100 रन बनाकर जीत हासिल की। चौथे मैच में पद्मेश पैंथर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 156 रन बनाए। जवाब में शीतल लग्जुरिया की टीम 78 रन ही बना सकी और पद्मेश पैंथर्स ने एकतरफा जीत दर्ज की। रात का पांचवां मुकाबला सिंघाई शाइनिंग स्टार्स और वारासिवनी सुराना वॉरियर्स के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वारासिवनी सुराना वॉरियर्स ने 78 रन बनाए, जिसके जवाब में सिंघाई शाइनिंग स्टार्स 70 रन ही बना सकी और वारासिवनी सुराना वॉरियर्स विजयी रही।

14 जनवरी को खेले गए पहले मैच में पद्मेश पैंथर्स और सिंघाई शाइनिंग स्टार्स आमने-सामने रहे। पहले बल्लेबाजी करते हुए सिंघाई शाइनिंग स्टार्स ने 140 रन बनाए, जबकि पद्मेश पैंथर्स की टीम 10 ओवर में 105 रन ही बना सकी और मुकाबला सिंघाई शाइनिंग स्टार्स ने जीत लिया। दूसरे मैच में जैन राइजर्स ने बिग बुल इलेवन के खिलाफ 141 रन बनाए। जवाब में बिग बुल इलेवन 73 रन पर सिमट गई और जैन राइजर्स ने आसान जीत दर्ज की। तीसरा मुकाबला शीतल लग्जुरिया और कलर्स एमपीङ्क50 के बीच खेला गया। चौथा मैच डी.आर राइडर्स और राइजिंग अशोका के बीच हुआ। पांचवां मुकाबला अर्पण सुपर किंग्स और सिंघाई शाइनिंग स्टार्स के बीच देर रात तक खेला गया, जिनके परिणाम देर रात तक जारी किए गए।

15 और 16 जनवरी होंगे ये मैच

आयोजन समिति के अनुसार 15 जनवरी को भी पांच लीग मुकाबले खेले जाएंगे। इनमें वारासिवनी सुराना वॉरियर्स और कलर्स एमपीङ्क50, केशर एग्रो और बिग बुल इलेवन, अरिहंत लायंस और राइजिंग अशोका, डी.आर. राइडर्स और जैन राइजर्स तथा अर्पण सुपर किंग्स बनाम शीतल लग्जुरिया के बीच मुकाबले होंगे। 16 जनवरी को प्रतियोगिता के सबसे अहम मुकाबले सेमीफाइनल और फाइनल खेले जाएंगे। आयोजन समिति ने सभी खेल प्रेमियों से बड़ी संख्या में मैदान में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने की अपील की है।

सार्वजनिक कार्यक्रम के भोजन की सब्जी में मिर्ची अधिक होने पर विवाद, दो पक्षों में जमकर मारपीट

लकड़ी, लाठी और हाथ-मुक्कों से हमला, दोनों पक्षों के चार लोग घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के खैरलांजी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गुनई में आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान भोजन की सब्जी में मिर्ची अधिक होने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद,देखते ही देखते गंभीर मारपीट में बदल गया। इस घटना में दोनों पक्षों के कुल चार लोग घायल हो गए, जिनका इलाज खैरलांजी के शासकीय अस्पताल में किया गया। मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर कुल आठ लोगों के विरुद्ध मारपीट एवं जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

कार्यक्रम के दौरान भोजन व्यवस्था को लेकर हुआ विवाद

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम गुनई निवासी पवन नगपुरे, जो खेती-किसानी के साथ-साथ कैटरिंग का कार्य भी करते हैं, 12 जनवरी को ग्राम गुनई में आयोजित रानी अवंती बाई, बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर, स्वामी विवेकानंद एवं गौतम बुद्ध की प्रतिमाओं के अनावरण कार्यक्रम में भोजन बनाने का ठेका पवन नगपुरे ने लिया था। भोजन का यह कार्यक्रम ग्राम के प्रदीप मेश्राम के घर के समीप आयोजित किया गया था, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने रात्रि के समय सामूहिक रूप से भोजन किया।

मिर्ची अधिक होने की शिकायत पर बढ़ा विवाद

रात्रि लगभग 10 बजे गांव के अंकुश नगपुरे एवं धर्मेंद्र मसकरे भोजन करने पहुंचे। भोजन करने के बाद दोनों ने पवन नगपुरे से यह कहते हुए आपत्ति जताई कि सब्जी में मिर्ची अत्यधिक है। इस पर पवन नगपुरे ने जवाब दिया कि सभी ग्रामीणों ने वही भोजन किया है और किसी अन्य को मिर्ची ज्यादा नहीं लगी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई।

गाली-गलौज से मारपीट तक पहुंचा मामला

बताया जा रहा है कि अंकुश नगपुरे और धर्मेंद्र मसकरे आवेश में आकर पवन नगपुरे को अश्लील गालियां देने लगे। पवन द्वारा समझाने और गाली देने से मना करने पर दोनों ने हाथ-बुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान धर्मेंद्र मसकरे ने हाथ में पहने कड़े से पवन नगपुरे के सिर पर वार कर दिया, जिससे उनका सिर फट गया और खून बहने लगा।

बीच-बचाव करने आए लोग भी बने शिकार

पवन नगपुरे के साथ हो रही मारपीट को देखकर विशाल मसकरे एवं मानिक मसकरे बीच-बचाव के लिए आगे आए, लेकिन इसी दौरान अंकुश नगपुरे के पक्ष से लखनलाल नगपुरे, नरेश नगपुरे एवं राजेंद्र नगपुरे ने लाठी और हाथ-मुक्कों से विशाल मसकरे व मानिक मसकरे पर हमला कर दिया। देखते ही देखते दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हो गई, जिसमें अंकुश नगपुरे को भी चोटें आईं।

ग्रामीणों ने कराया बीच-बचाव

घटना की गंभीरता को देखते हुए मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर किसी तरह मामला शांत कराया। इसके बाद घायल पवन नगपुरे, विशाल मसकरे, मानिक मसकरे एवं अंकुश नगपुरे खैरलांजी थाना पहुंचे और घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई।खैरलांजी पुलिस द्वारा सभी घायलों को शासकीय अस्पताल खैरलांजी में भर्ती कराकर उपचार कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है।

आठ लोगों के विरुद्ध अपराध दर्ज

पुलिस ने पवन नगपुरे पिता राजेंद्र नगपुरे, उम्र 37 वर्ष की रिपोर्ट पर अंकुश नगपुरे, धर्मेंद्र मसकरे, लखनलाल नगपुरे, नरेश नगपुरे सभी ग्राम गुनई एवं राजेंद्र नगपुरे निवासी ग्राम जैगुनटोला, झाड़गांव निवासी के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। वहीं, अंकुश नगपुरे उम्र 19 वर्ष की शिकायत पर पवन नगपुरे, विशाल मसकरे एवं मानिक मसकरे के विरुद्ध भी मारपीट एवं जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध पंजीबद्ध किया गया है।खैरलांजी पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता 2023 की संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर मामले की विवेचना प्रारंभ कर दी है।

14 एकड़ की धान के पैरा ढेर में आगजनी

कृषक को लगभग 70 हजार रुपये का नुकसान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सिवनघाट में रविवार देर रात एक सनसनीखेज आगजनी की घटना सामने आई है। अज्ञात लोगों द्वारा एक कृषक के घर के पीछे रखे 14 एकड़ धान के पैरा (पेरे) के ढेर में आग लगा दी गई। आगजनी की इस घटना में पैरा पूरी तरह जलकर राख हो गया, वहीं पास में रखी चार ट्रॉली जलाऊ लकड़ी भी आग की चपेट में आकर नष्ट हो गई। इस घटना में कृषक को लगभग 70 हजार रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित कृषक मोचन लाल ठाकरे 62 वर्ष ग्राम सिवनघाट के निवासी हैं और खेती-किसानी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उन्होंने इस वर्ष अपनी 14 एकड़ कृषि भूमि में उगाई गई धान की फसल का पैरा अपने घर के पीछे बंधी (बाड़ी) में ढेर लगाकर सुरक्षित रखे थे।

घटना 12 जनवरी की रात करीब 11:45 बजे की बताई जा रही है। मोचन लाल ठाकरे भोजन करने के बाद अपने परिवार के साथ सो चुके थे। इसी दौरान वे शौच के लिए उठे और घर के पीछे जाते समय उन्होंने पैरा के ढेर को आग की लपटों में जलते हुए देखा। आग देखकर उन्होंने शोर मचाया।

मोचन लाल ठाकरे के अनुसार, शोर मचाने पर उन्होंने गांव के ही दो व्यक्ति अशोक राहंगडाले और दिलीप राहंगडाले को घटनास्थल से भागते हुए देखे गए। उन्होंने दोनों को पकड़ने का प्रयास भी किया, लेकिन वे गांव की ओर फरार हो गए।

शोर सुनकर परिवार के अन्य सदस्य और पड़ोसी मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने मोटर चलाकर आग बुझाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन आग अत्यधिक फैल चुकी थी, जिससे उसे नियंत्रित नहीं किया जा सका। देखते ही देखते पैरा का पूरा ढेर और पास में रखी चार ट्रॉली लकड़ी जलकर राख हो गई।

पीड़ित कृषक मोचन लाल ठाकरे ने इस संबंध में खैरलांजी थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें उन्होंने अशोक राहंगडाले और दिलीप राहंगडाले पर आगजनी करने का संदेह व्यक्त किया है।

खैरलांजी पुलिस ने शिकायत के आधार पर आगजनी का मामला क्रमांक 1/2026 दर्ज कर लिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों और दोषियों का खुलासा हो सकेगा।

संत शिरोमणि केश शिल्पी सेन नाई समाज का निर्वाचन सम्पन्न

रवि नागपुरकर,चुने गए पुनः अध्यक्ष

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट जिला केश शिल्पी सेन नाई समाज के जिला स्तरीय बैठक में पुराने कार्यकाल के समाप्त होते ही नई जिला कार्यकारिणी का गठन किया। जिसमें कड़ी मेहनत से लगभग 10, वर्षों से समाज हितार्थ कार्य करने वाले रवि नागपुरकर को सर्व सम्मति से बालाघाट का जिला अध्यक्ष बनाया गया।जहां आए हुए सामाजिक बंधुओं ने पुष्प हार पहनाकर, बधाई दिया गया।बालाघाट में संत शिरोमणि केश शिल्पी सेन नाई समाज जिला बालाघाट में जिला कार्यकारिणी की बैठक में समस्त सामाजिक बंधुओं के बीच समाज हितार्थ में पहले से बेहतर कार्य करने वाले, रवि नागपुरकर को जिला अध्यक्ष की कमान सौंपा गया,बताया गया कि संगठन में संरक्षक मंडल की बैठक में वही युवा साथी वीरेंद्र श्रीवास को युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष बनाया गया वही नगर अध्यक्ष के लिए, महेश मानेश्वर को चुना गया साथ ही महिला मोर्चा के गठन पर चर्चा कर समाज में महिलाओं को हमेशा एकत्रित करने वाली, महिला, दामिनी गोंडाने को महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष बनाया गया।संगठन के संरक्षक, अमित श्रीवास ने बताया कि संत शिरोमणि केश शिल्पी सेन

नाई समाज द्वारा समस्त सेन नाई समाज को संगठित कर लगातार 11 वर्षों से समाज हितार्थ कार्य कर रहा है जिसके तारतम्य में आज जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें जिला अध्यक्ष रवि नागपुरकर को समाज के उत्थान के लिए बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है साथ ही तीन और जिम्मेदारी अलग अलग सामाजिक कार्यकर्ताओं को दिया गया।जिसमें युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र श्रीवास को बनाया गया।वहीं नगर मुख्यालय की बड़ी जिम्मेदारी जिसमें समस्त सेलून दुकारदार, पार्लर, सामाजिक बंधुओं को एकत्रित करने के लिए, महेश मानेश्वर को दिया गया।तीसरी बड़ी जिम्मेदारी दामिनी गोंडाने को दिया गया जो सेन नाई समाज के समस्त महिला मोर्चा मात्र शक्ति को सामाजिक दृष्टि से संजोकर समाज हितार्थ कार्य करने के लिए अग्रसर है।

जंगली सुअर एवं अन्य वन्यप्राणियों के आतंक से किसान परेशान

वन विभाग से गस्त कर वन्यप्राणियों को पकड़कर सुरक्षित घने जंगल में छोड़ने की उठी मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में गत दिवस से वन्यप्राणी जंगली सुअर, तेंदुआ सहित अन्य वन्यप्राणियों के आतंक से क्षेत्र के किसान खासा परेशान नजर आ रहे है। वहीं ये वन्यप्राणी जंगली सुअर, तेंदुआ सहित अन्य वन्यप्राणी फसल को नुकसान पहुंचाने के साथ ही किसी भी समय आमजनों पर हमला कर बड़ी दुर्घटना को अंजाम दे सकते है। जिससे किसान दशहत में है और शाम के बाद खेत जाने से डर रहे है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गत दिवस ग्राम अमोली के समीप से गुजरी वैनगंगा बड़ी नहर के आगे खेत में दिन के समय एक किसान को तेंदुआ दिखाई दिया था। उसी तरह लालबर्रा गार्डन स्थित तालाब के पीछे स्थित खेत में लगी फसल में जंगली सुअर रात्रि के समय पहुंच कर फसल को काफी नुकसान पहुंचा रहे है। रामजीटोला बस्ती व नहर किनारे के खेत, वार्ड नंबर 10 सिंधी मोहल्ला लालबर्रा के पीछे भी गत दिवस जंगली सुअर को देखा गया है। जिसे खदेड़ने पर वह औल्याकन्हार होते हुए जंगल की ओर भाग गया। इस दौरान अगर कोई व्यक्ति उनके संपर्क में आ जाते तो वे उन पर जानलेवा हमला कर सकते थे। जिससे बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती थी। इस तरह से अब जंगली सुअर, तेंदुआ सहित अन्य वन्यप्राणी नगर मुख्यालय के आसपास के ग्रामों एवं खेतों में दस्तक दे चुके है और बार-बार दिखाई देने से ग्रामीण एवं किसान खासा परेशान नजर आ रहे है। वहीं इस घटना के बारे में वन विभाग को भी सूचना दे दी गई है लेकिन उनके द्वारा भी जंगली सुअर सहित अन्य वन्यप्राणियों को पकड़ने हेतु कोई सार्थक प्रयास नही किये जा रहे है जिससे किसान एवं ग्रामीणजनों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। वहीं

ग्रामीणजन एवं किसानों ने जिन स्थानों पर बार-बार जंगली सुअर एवं अन्य वन्यप्राणी फसलों को नुकसान पहुंचा रहे है एवं दिखाई दे रहे है। उस क्षेत्र में गस्त कर उन्हे पकड़कर घने जंगल में छोड़ने की मांग की है।

वन्यप्राणियों के दस्तक से कृषि कार्य हो रहा प्रभावित

आपकों बता दे कि लालबर्रा मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर टेकाड़ी ला. के आगे जंगल क्षेत्र लगा हुआ है। जहां बाघ, तेंदुआ सहित अन्य वन्यप्राणी बहुतायत संख्या में है। किन्तु देखने में आ रहा है कि अब वन्यप्राणी जंगल से बाहर निकलकर गांव की ओर आ रहे है। विगत दिवस पूर्व लालबर्रा के तहसील कार्यालय के आगे बाघ ने एक गाय का शिकार कर दिया था, जिसके बाद लालबर्रा से सिवनी हाईवे मार्ग पर स्थित ग्राम धरपीवाड़ा के रहवासी क्षेत्र में घुसकर तेंदुए ने बकरी का शिकार किया था। इसी तरह कामथी में तेंदुए ने मवेशी बांधने के कोठे के अंदर घुसकर दो बकरियों का शिकार कर चुके है और यह शिकार करने की घटनाएं रोजानाएं क्षेत्र में घटित हो रही है। जिससे ऐसा लगता है कि वन्यप्राणी नगर मुख्यालय एवं रहवासी क्षेत्र में शिकार की तलाश में पहुंचने लगे है। वहीं बार-बार जंगली सुअर, तेंदुआ सहित अन्य वन्यप्राणियों की दस्तक से ग्रामीणजन दहशत में है। जबकि वर्तमान समय में किसानों के खेतों में रबी फसल में चना, गेंहू, अलसी एवं सुअर की फसल लगी हुई है। साथ ही रबी की धान की फसल भी किसान लगायेगें। जिसकी तैयारी में किसान जुट गये है और रात्रि के समय पानी सिंचाई के लिए एवं फसल की देख-रेख के लिए किसान खेत जाते है। लेकिन रात्रि के समय खेतों की ओर जंगली सुअर सहित अन्य वन्यप्राणी दिखाई देने से किसान परेशान है। वहीं जंगली सुअर एवं अन्य वन्यप्राणी किसी भी समय किसानों पर हमला कर सकते है। वर्तमान समय में किसानों के खेतों में लगी तुअर की फसल की कटाई का कार्य जारी है। लेकिन जंगली सुअर, तेंदुआ खेतों व नहरों की झाड़ियों में छुपे रहते है। जिससे उनका कृषि कार्य प्रभावित हो रहा है।

अमोली-आमाटोला माइनर नहर की सफाई करवाने की उठी मांग

अमोली के समीप से गुजरी ढूटी वीयर वैनगंगा बड़ी नहर के माइनर आमाटोला जो सर्राटी नदी से लगा हुआ है। जिसकी लंबे समय से साफ-सफाई नही करवाई है। जिसके कारण पुरी नहर कटीले झाड़ियों से पट चुकी है, नहर है या नही समझ नही आता है। ऐसी स्थिति में जंगली सुअर एवं तेंदुए झाड़ियों में छुपे रह सकते है। विगत दिवस इसी क्षेत्र में किसी को जंगली सुअर दिखाई दिया था एवं रामजीटोला नहर की ओर खेत में जंगली वन्यप्राणी ने एक बकरी का शिकार भी कर चुका है। वहीं 3 से 4 दिन पूर्व अमोली से बम्हनी मार्ग वैनगंगा बड़ी नहर के आगे हाईवे रोड़ से करीब 200 मीटर दूर एक किसान को वन्यप्राणी तेंदुआ दिखाई दिया था और उसके समीप पहुंच चुके थे। लेकिन उक्त किसान ने अपनी सूझबूझ का परिचय देते हुए पेड़ पर चढ़ गया नही तो वे उस पर हमला कर सकते थे। जिसके कुछ देर बाद वे भाग गये तब किसान किसी तरह अपनी जान बचाकर घर पहुंचकर घटना की जानकारी परिजनों को दी। इस तरह से वन्यप्राणी तेंदुआ सहित जंगली सुअर, भालू अब नगर मुख्यालय के आसपास स्थित ग्रामों व खेतों में पहुंचने लगे है। जबकि वर्तमान में किसानों के खेतों में रबी का कृषि कार्य जारी है। इस दौरान अगर किसान खेत जाते है और उन पर जंगली सुअर, भालू, तेंदुआ हमला करते है तो बहुत बड़ा हादसा घटित हो सकता है लेकिन जिम्मेदार मौन बैठे है। इस तरह से वन्यप्राणी जंगली सुअर, तेंदुए की दस्तक से ग्रामीण एवं किसान डरे हुए है और दिन एवं शाम के बाद खेत जाने से डर रहे है। ग्रामीण एवं किसानों ने वन विभाग से नगर मुख्यालय के आसपास की ग्राम अमोली, पांढरवानी के सिंधी मोहल्ला, लालबर्रा गार्डन के पीछे, रामजीटोला एवं बड़ी नहर के आगे खेत की ओर गस्त एवं फटाखे फोड़कर जंगली सुअर, तेंदुए को खदेड़ने के साथ ही उन्हे पकड़कर घने जंगल में सुरक्षित छोडने की मांग की है।

फसल को नुकसान पहुंचा रहे जंगली सुअर - रामप्रसाद

किसान रामप्रसाद पंचेश्वर ने बताया कि खेत में तुअर की फसल लगी हुई है, रात्रि के समय जंगली सुअर एवं अन्य वन्यप्राणी पहुंचकर फसल को नुकसान पहुंचा रहे है जिसे लोग डरे हुए है। साथ ही यह भी बताया कि फसल की रखवाली के लिए रात में झोपड़ी में सोते है, अगर जंगली सुअर सहित अन्य वन्यप्राणी हमला कर सकते है इसलिए वन विभाग से मांग है कि रात्रि गस्त कर उन्हे पकड़े।

रहवासी क्षेत्र में आ रहे वन्यप्राणी, किसान परेशान - अनीस

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि क्षेत्र में वन्यप्राणी जंगली सुअर, तेंदुए सहित अन्य वन्यप्राणी रहवासी क्षेत्र एवं खेतों में पहुंच रहे है और खेतों में लगी फसल को नुकसान पहुंचा रहे है। गत दिवस लालबर्रा गार्डन के पीछे स्थित खेत, सिंधी मोहल्ले में जंगली सुअर को देखा गया है। जिससे लोग दशहत में जी रहे है एवं शाम के बाद किसान खेत की ओर जाने से डर रहे है। श्री खान ने बताया कि वन विभाग से मांग है कि जंगली सुअर सहित अन्य वन्यप्राणी जो रहवासी क्षेत्र एवं नगर मुख्यालय स्थित खेतों की ओर आ रहे है। उन्हे पकड़कर सुरिक्षत घने जंगल में छोड़े नही तो किसी भी समय वे बड़े हादसे को अंजाम दे सकते है। वहीं लोग जंगली सुअर सहित अन्य वन्यप्राणियों के आतंक से परेशान है।

इनका कहना है-

जिन क्षेत्रों में जंगली सुअर, तेंदुए दिखाई देने की जानकारी मिल रही है उन स्थानों पर गस्त कर फटाखे फोड़े जा रहे है। गत दिवस अमोली में एक किसान को तेंदुआ दिखाई दिया था। जिसके बाद वन विभाग के कर्मचारी उस क्षेत्र में गस्त भी किये किन्तु वह पुन: दिखाई नही दिया है। ग्रामीण एवं किसानों से अपील है कि वे अलसुबह एवं शाम के बाद अकेले खेत की ओर न जाये, समूह बनाकर जाये।

श्रीमती सीता भलावी
रेंजर
दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा।

खैरगांव में स्वामी विवेकानंद की मनाई गई जयंती

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित ग्राम पंचायत छिंदलई के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खैरगांव स्थित शासकीय माध्यमिक स्कूल में स्वामी विवेकानंद की 163 वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात उपस्थितजनों ने स्वामी विवेकानंद के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके बताये मार्ग पर चलने की बात कही। वहीं इस युवा दिवस के अवसर पर यश इंफोटेक एजुकेशन सोसायटी एवं स्वयं सेवकों के द्वारा कक्षा पांचवी, आठवी में प्रथम, द्वितीय स्थान प्रथम करने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया और उन्हे पढ़ाई कर अपना भविष्य बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर स्थाई पटेल नीलमचंद राहंगडाले, चूड़ामन कटरे, पुरनलाल रजक, रविन्द्र राहंगडाले, स्वयं सेवक दिनेश चौधरी, फूलचंद कटरे, रूपेंद्र बोपचे, राजेश चौधरी, सारांश एड़े, अशोक राहंगडाले, शिक्षक सूरज ठाकरे, ढालसिंह ठाकरे, श्री बिसेन, आँगनवाड़ी कार्यकर्ता भूमेश्वरी राहंगडाले, श्री सर्राटे, श्री तुलसीकर, गौतम मेम सहित छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बकोड़ा में दिन-रात का मेला 26 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत बकोड़ा में 26 जनवरी को दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी गणतंत्र दिवस के अवसर पर आगामी 26 जनवरी को दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए रात 9 बजे से मोर गांव के माटी छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें गायक-गायिकाओं के द्वारा साथी कलाकारों के साथ मिलकर छत्तीसगढ़ी गीतों की प्रस्तुती दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील मेला समिति अध्यक्ष मुकुंद कावरे, सचिव मल्लू बालेश्वर, सदस्य गौरीशंकर, सुनील, दीपक, भुवन, मनीष, सुरेन्द्र, संतलाल, स्वास्तिक, अनिमेय, अमर, संतोष सहित ग्रामीणजनों ने की है।

आम आदमी पार्टी का मध्यप्रदेश जोड़ो अभियान कार्यक्रम आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के बालाघाट रोड़ स्थित लॉन में 15 जनवरी को दोपहर 1 बजे से मध्यप्रदेश जोड़ो अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों ने बताया कि दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री, मध्यप्रदेश प्रभारी, माननीय जितेंद्रसिंग तोमर जी के निर्देशानुसार घोषित समूचे मध्यप्रदेश में 54 कोर कमेटी मेंबर्स की अध्यक्षता में आम आदमी पार्टी का मध्यप्रदेश जोड़ो अभियान कार्यक्रम के तहत बालाघाट जिले की बालाघाट विधानसभा के लालबर्रा ब्लाक मुख्यालय के बालाघाट रोड़ स्थित लॉन में आम आदमी पार्टी के संस्थापक सदस्य एवं प्रदेश कोर कमेटी सदस्य माननीय इन्द्रविक्रम सिंह जी की अध्यक्षता में 15 जनवरी को दोपहर 1 बजे से मध्यप्रदेश जोड़ो अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। आगे बताया कि उक्त कार्यक्रम में किसानों की धान के 3100 रूपये प्रति क्विंटल खरीदने के किसानों के हक और अधिकारों आंदोलन, सिंचाई हेतु 24 घंटे बिजली आपूर्ति, युवा बेरोजगारों में बढ़ती बेरोजगारी, पंचायतों के कम किये अधिकार और स्थानीय समस्याओं पर सरकार का ध्यान आकर्षित करने एवं पार्टी के निर्धारित आगामी कार्यक्रमों के साथ ही प्राथमिक ग्राम स्तर तक संगठन विस्तार पर गहन चर्चा की जायेगी। इस अवसर पर पार्टी के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों ने की है।

भीम आर्मी व मुस्लिम समाज की व्यापक सहभागिता, रक्तदान शिविर आज

रक्तदान में सर्व समाज का उत्साह, 100 यूनिट लक्ष्य की ओर मजबूत कदम

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। सक्षम लोक मददगार एवं शिक्षा समिति के बैनर तले 15 जनवरी को प्रात: 11 बजे से नगर मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। इस रक्तदान शिविर को लेकर क्षेत्र में व्यापक उत्साह देखा जा रहा है। समिति द्वारा इस शिविर के लिए 100 यूनिट रक्त संग्रह का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके तहत विभिन्न समाजों से बड़ी संख्या में युवाओं ने स्वेंच्छा से रक्तदान करने की सहमति दी है। इसी क्रम में मानपुर निवासी युवा मुकेश पिपलोद के नेतृत्व में 11 युवाओं ने रक्तदान करने की इच्छा जाहिर की है। इस टीम में दीपक श्रीवास, अनिल पंचेश्वर, दिनेश श्रीवास, सुभाष वर्कले सहित अन्य युवा शामिल हैं। वहीं भीम आर्मी से भी रक्तदान को लेकर सकारात्मक पहल सामने आई है। भीम आर्मी से अशरफ खान, खालिख भाई गुड्डू, संजीव राव, राहुल कौशले, सत्याशील मेश्राम, हेमंत, इम्तियाज अली एवं मोहसिन खान उर्फ मोंटी सहित करीब 8 से अधिक युवाओं ने रक्तदान की सहमति दी है। इसके अतिरिक्त मुस्लिम समाज से भी रक्तदान को लेकर जबरदस्त समर्थन मिला है। समाज के 50 से अधिक युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान करने की इच्छा व्यक्त की है। इस प्रकार अब तक करीब 65 से अधिक संभावित रक्तदाताओं के नाम सामने आ चुके हैं, जिससे 100 यूनिट लक्ष्य को प्राप्त करने की संभावना और मजबूत हुई है। वहीं समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि रक्तदान मानव सेवा का सबसे बड़ा उदाहरण है। हमारा प्रयास है कि समाज के हर वर्ग की सहभागिता से जरूरतमंदों को समय पर रक्त उपलब्ध करवाया जाये। यह आयोजन किसी एक समाज का नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए समर्पित है। इस शिविर में अधिक से अधिक लोगों से पहुंचकर रक्तदान करने की अपील समिति अध्यक्ष अध्यक्ष सलमान कुरैशी, उपाध्यक्ष राशिद खान, सचिव वासित खान, कोषाध्यक्ष मोहसिन अहमद, संयुक्त सचिव मतीन रजा कुरैशी, सदस्य अनीस खान, मोहसिन खान, जुनैद रिजवी एवं इमरान कुरैशी सहित अन्य सदस्यों ने की है।

हिन्दु धर्मालंबियों ने आस्था एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया मकर संक्रांति पर्व

वैनगंगा नदी के तट पर उमड़ा आस्था का जनसैलाब, पिकनिक स्पॉट रहे गुलजार

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा 14 जनवरी को मकर संक्रांति का पर्व आस्था एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्र से होकर प्रवाहित होने वाली जीवनदायिनी वैनगंगा नदी के विभिन्न घाटों पर सुबह से ही हिन्दु धर्मालंबी श्रध्दालुओं का तांता लगा रहा। विशेष रूप से पोटियापाठ घाट की पवित्र वैनगंगा नदी सहित अन्य नदियों और जलाशयों में हजारों श्रध्दालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई और भगवान सूर्य एवं भगवान शंकर का विशेष आराधना की गई। साथ ही सूर्य को अर्घ्य देकर पुण्य लाभ अर्जित किया।

आस्था की डुबकी और विशेष पूजा-अर्चना की गई

कड़ाके की ठंड के बावजूद मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर श्रध्दालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ। सूर्योदय के साथ ही वैनगंगा नदी सहित अन्य नदी एवं जलाशयों के तट हर-हर गंगे के उदघोष से गूंज उठे। वहीं श्रध्दालुओं ने नदी में स्नान के पश्चात तट पर स्थित मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की। कई परिवारों ने अपनी मन्नतें पूरी होने पर विशेष अनुष्ठान का आयोजन किये और मान्यता के अनुसार ब्राम्हणों व जरूरतमंदों को भोजन करवाकर दान-पुण्य किया। वहीं दूसरी ओर सर्राटी जलाशय टेकाड़ी ला., मुरूमनाला, चांवरपानी जलाशय, लालबर्रा गार्डन, कंजई शिवानंद वाटिका व कंजई बंजारी मंदिर सहित अन्य स्थानों पर परिवार सहित पहुंचकर नागरिकों ने पिकनिक का आनंद लिया। इस अवसर पर पर्यटक स्थलों में क्षेत्रीयजनों की सुबह से शाम तक भीड़ नजर आई जहां लोगों के द्वारा अपनी पसंद अनुसार स्वादिष्ट व्यंजन तैयार किये गये एवं तिल, गुड़, बेर से सूर्य देव को अर्ध्य देकर पूजन-अर्चन पश्चात भोजन ग्रहण किया गया। इस दौरान मकर संक्रांति पर्व को लेकर ब'चों व युवाओं में खासा उत्साह नजर आया, पर्यटक स्थलों में अधिकतर लोगों की भीड़ नजर आई जिसके चलते मेला सा माहौल निर्मित हो गया। विदित हो कि मकर संक्रांति पर्व पर प्रतिवर्ष हजारों श्रध्दालुजन वैनगंगा नदी के तट पर पहुंचकर स्नान-ध्यान करते है एवं इस शुभ दिन पर तिल-खिचड़ी का दान करते है। ऐसी मान्यता है कि मकर संक्रांति के दिन ज्ञान स्नान करने से बुराईयों का खात्मा होता है-पुण्य अर्जित होता है। इसी प्रकार खिचड़ी व तिल का दान कर हम अपनी बुराईयों को तिलांजली देते है और मकर संक्रांति के बाद से दिन बड़े और रातें छोटी होने लगती हैं एवं प्रतिदिन तिल-तिल दिन बड़ा होता है।

लालबर्रा गार्डन में परिवार के साथ

पिकनिक मनाने पहुंचे लोग

मकर संक्रांति के अवसर पर 14 जनवरी को पांढरवानी-लालबर्रा स्थित गार्डन का क्षेत्रवासियों द्वारा जमकर लुत्फ उठाया गया। इस दौरान गार्डन में सुबह से लेकर शाम तक क्षेत्रवासियों की भारी भीड़ नजर आई। इस मौके पर मकर संक्रांति पर्व को आनंद और उत्साहपूर्ण माहौल में मनाने के लिये लोग अपने ब'चों व परिवार के साथ पहुंचे थे। इस दौरान गार्डन में पहुंचे लोगों ने गार्डन का आनंद लिया तो वहीं ब'चों के द्वारा झूले व घिसरन पट्टी, ओपन जिम का लुत्फ उठाया गया। इसके अलावा छोटे से लेकर बड़े सभी वर्ग के लोग तालाब व गार्डन का सुंदर नजारा देख सेल्फी लेने से अपने आपको नहीं रोक पाये। हर किसी के द्वारा इस सुंदर गार्डन में बिताये गये पल को यादगार बनाने के लिये अपने मोबाइल में सेल्फी ली गई।

वैनगंगा नदी में स्नान कर पुण्यलाभ अर्जित किये - नेकराम

श्रध्दालु नेकराम मर्सकोले ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मकर संक्रांति पर लोग बड़ी संख्या में माँ वैनगंगा नदी के तट पर पहुंचकर स्नान करने के पश्चात पूजा अर्चना कर मकर संक्रांति का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाये है। साथ ही पोटियापाट बाबा की पूजा कर सभी श्रध्दालु आशीर्वाद प्राप्त किया है। साथ ही जिनकी मन्नते पूरी होती है वे कढ़ाई लेकर भी आते है, मकर संक्रांति पर्व में बड़ी संख्या में लोग वैनगंगा नदी के तट पर पिकनिक मनाने पहुंचे है जिससे मेला जैसा माहौल लग रहा है।

सभी की मनोकामनाएं होती है पूरी - दीपक

श्रध्दालु दीपक तिवारी ने बताया कि पौराणिक मान्यताएं हैं कि लोग मकर संक्रांति के दिन किसी पावन नदी पर जाकर स्नान करते हैं। सूर्य को अर्घ्य देते हैं और पूजा अर्चना कर परिवार के साथ यह त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। इसी तरह हमारे क्षेत्र के लोग बड़ी संख्या में पहुंचकर आज माँ वैनगंगा नदी पहुंचकर स्नान कर सूर्य को अर्घ्द दिया एवं पोटियापाट बाबा की पूजा अर्चना कर पुण्य लाभ अर्जित किये है। श्री तिवारी ने बताया कि लोगों की मान्यता है कि पोटियापाट बाबा की स'चे मन से पूजा अर्चना करने पर सभी की मनोकामना पूर्ण होती है इसलिए लोग यहां बड़ी संख्या में पहुंचते हैं।

ग्राम पंचायत मेंहदीवाड़ा में मनरेगा की मजदूरी के लिये मजदूर परेशान

बकाया मजदूरी नही मिलने से मनरेगा में जाने से मजदूर कर रहे इंकार

रिजनल रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायत में मनरेगा के कार्य में मिलने वाली मजदूरी के भुगतान में होने वाली लेट लतिफी से मजदूर परेशान है। जो मनरेगा में कार्य पर लौटने से इनकार करते नजर आ रहे हैं। इसी कड़ी में वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम मेहंदीवाड़ा का एक मामला सामने आया है जिसमें कुछ मनरेगा मजदूरो को मजदूरी का भुगतान ६ माह बीत जाने के बाद भी कुछ कार्यों का नहीं हो पाया है। जिसको लेकर वह सरपंच से मजदूरी दिलवाने की मांग कर रहे हैं इसमें सरपंच के द्वारा भी मस्टरोल लगाकर कार्यवाही की जा रही है। किंतु पूर्व की मजदूरी स्पष्ट नहीं हो रही है जिसको लेकर मजदूर परेशान है। विदित हो की शासन के द्वारा ग्रामीण क्षेत्र से पलायन रोकने के लिए महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत १०० दिन का कार्य दिया जाता है। जिसमें ग्रामीणों के द्वारा मजदूरी का कार्य करने जाते हैं जहां २० दिन कार्य चलता है। उसके बाद उन्हें पर्याप्त कार्य शासन की मनरेगा योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र में नहीं खुलने से परेशानी होती है। क्योंकि यह नियमित नहीं मिल पाता है वहीं जो कार्य किया गया है उसमें भी समय पर भुगतान नहीं होने से मजदूर दिक्कत महसूस कर रहे हैं। जिन्होंने शासन से जल्द मजदूरी उपलब्ध कराने की मांग की है।

मजदूरी नहीं मिली है इसलिये जाना बंद कर दिए है-भारतलाल

ग्रामीण भारत लाल नागेश्वर ने बताया कि ६ महीने हो गया है मजदूरी नहीं मिली है जब मजदूरी नहीं मिली तो जाना बंद कर दिए हैं। हमें भी समस्या रहती है परिवार हैं समस्या होता है १५ दिन कि हमारी मजदूरी है। सरपंच को बोले तो वह डाल देगा कहता है अब कैसा क्या है हमें पता नहीं हमें हमारी मजदूरी मिलना चाहिए।

मजदूरो का भुगतान अभी तक नहीं किया गया है-लीलाबाई

लीलाबाई नागेश्वर ने बताया कि नाली निर्माण का कार्य मनरेगा में आया हुआ था तो उसमें हम काम करने के लिए गए हुए थे। परंतु हमें मजदूरी का भुगतान अभी तक नहीं किया गया है यह जो हमने काम किये थे उसमें ६ दिन का हमें भुगतान मिला था ११ दिन का बकाया है। मिल जाएगा कहते हैं परंतु समय पर मिले तो अच्छा होता है।

६ माह से नही मिली है मजदूरों की मजदूरी- डिलन

डिलन खैरवार ने बताया कि अभी बहुत दिन से मनरेगा का काम पंचायत में बंद है पुराना जो काम था उसकी कुछ मजदूरी रुकी हुई है। जिसके लिए आज भी हम पंचायत गए हुए थे तो वहां हमें बताया गया कि दो दिन में यह मजदूरी डाल दी जाएगी। ६ माह तक का समय हो चुका है सभी मजदूरों की मजदूरी डल गई है बस कुछ हीं बचे हैं तो वह डालेंगे कहते हैं। जिसे मजदूरी मिली वह काम पर जाता है जिसे नहीं मिली वह नहीं जाता है।

मजदूरों को उनकी मजदूरी दो दिनों के भीतर डाल दी जायेगी-किशोर

सरपंच प्रतिनिधि किशोर तामेश्वर ने बताया की अभी कुछ समय से मनरेगा में कोई कार्य हमारे यहां मिला नहीं है। बारिश के समय हमने काम करवाया था मजदूरी भरने में उपन्यत्री की स्वीकृति लगती है उस समय यह हड़ताल पर चले गए थे। जो लंबे समय के बाद वापस आए तो लगातार मजदूरी स्वीकृत की जा रही है। ग्राम में कुछ मजदूर है जिनकी ८ से १० दिन की मजदूरी बकाया है जिसकी कार्यवाही हो गई है मजदूरों को उनकी मजदूरी दो दिनों के भीतर डाल दी जायेगी। उपयांत्रियों की हड़ताल नहीं होती तो बहुत पहले यह मजदूरी मिल गयी होती।

राधा कृष्ण मंदिर में श्रीमद् भागवत रसोत्सव का हुआ समापन

लोगों को सत्य मार्ग पर चलने के लिए यह आयोजन किया गया-मनीष मिश्रा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर १ मिश्रा नगर स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर में ७ जनवरी से जारी संगीतमय श्रीमद् भागवत रसोत्सव ज्ञान यज्ञ सप्ताह का १४ जनवरी को समापन किया गया। जिसमें विधि विधान से कथा विश्राम कर हवन पूजन कर महाप्रसादी का वितरण किया गया। विदित हो की ७ जनवरी को भव्य कलश यात्रा के माध्यम से श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ किया गया था। जिसमें पंडित भुवनकृष्ण दुबे के द्वारा व्यास पीठ से भगवान कृष्ण की विभिन्न लीलाओं का बखान प्रतिदिन दोपहर ३ से शाम ६ बजे तक संगीतमय कथा प्रवचन के माध्यम से सुनाई गयी। जिसमें कथा वाचक ने सृष्टिवर्णन विदुर मत्रेय संवाद कपिल देवदुती संवाद धुव्र चरित्र जड़ भरत नरसिंहावतार प्रहलाद चरित्र सुर्यवंश वर्णन रामकथा कृष्ण जन्मोत्सव बाललीला वर्णन पूतना वध गिरीराज पूजन छप्पन भोग कृष्ण मथुरागमन कंस वध रुकमणीमंगल कृष्ण सुदामा मिलन परिक्षित मोक्ष की कथा सुना कर कथा विश्राम किया। तत्पश्चात विधि विधान से पूजा अर्चना के उपरांत हवन पूजन पूर्णाहूती करने के बाद महाआरती कर महाप्रसादी वितरण किया गया। मनीष मिश्रा ने बताया कि नव वर्ष के अवसर पर श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया था। इसका उद्देश्य मोहल्ले सहित वार्ड में भक्तिमय वातावरण का निर्माण करना था वहीं लोगों को सत्य मार्ग पर चलने के लिए यह आयोजन किया गया था। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों के द्वारा उपस्थित होकर तथा श्रवण कर धर्म लाभ लिया जाता रहा। अंत में हवन पूजन के साथ यह कथा का समापन किया गया है। इस संगीतमय श्रीमद् भागवत रसोत्सव ज्ञान यज्ञ सप्ताह में नगर सहित क्षेत्र के लोगों ने आधिकाधिक संख्या में उपस्थिति दर्ज कराकर धर्म लाभ अर्जित किया।

कायनात होटल में अज्ञात चोरों ने किया चोरी

चोरी की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद पुलिस जुटी जांच में

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के बस स्टैंड स्थित कायनात होटल में १३ जनवरी की रात करीब १.४५ बजे अज्ञात चोरो के द्वारा होटल के काउंटर खोलकर चोरी की वारदात की गई। इस घटना में चोरो के द्वारा करीब १ लाख रुपये नगदी चोरी कर लिये गये। जिसकी सूचना पर होटल संचालक परवेज हसन के द्वारा पुलिस को सूचना की गयी। मौके पर पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण कर जांच की गई। जहां चोरी की वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी जिसके आधार पर पुलिस के द्वारा शिकायत की विवेचना प्रारंभ कर दी गई है।

चोरो ने सरिया से लॉक तोड़कर की चोरी

प्राप्त जानकारी के अनुसार बस स्टैंड में महात्मा गांधी कांप्लेक्स के पीछे स्थित कायनात होटल संचालक के द्वारा होटल प्रतिदिन सुबह खोलकर रात में बंद कर दी जाती है। वहीं कुछ कर्मचारी भी होटल में सोने का काम करते हैं जहाँ १३ जनवरी की रात में होटल संचालक के द्वारा होटल बंद कर दी गई। जहां काउंटर पर प्रतिदिन की तरह सुबह सामग्री लाने के लिए नगदी राशि काउंटर के ड्राज में रख दी गई थी। इसके बाद होटल बंद कर सभी अपने घर चले गए १४ जनवरी की सुबह होटल में सो रहे कर्मचारी सुबह उठकर देखे तो काउंटर के सभी ड्राज खुले हुए थे और कुर्सियां बिखरी थी। जिसकी सूचना उनके द्वारा तत्काल होटल संचालक को दी गई जिसने होटल में आकर देखा तो ड्राज में रखे रुपये एवं मोबाइल गायब था। इसके बाद सीसीटीवी कैमरे को चेक किया गया तो रात करीब १.४५ बजे एक अज्ञात युवक आया जिसके द्वारा कुर्सियां हटाकर सरिया की सहायता से सभी ड्राज के लॉक तोड़कर देखा गया। जहां उसे रुपये और मोबाइल मिलने पर वह उसे निकाल कर रख लिया और भाग गया। यह जानकारी तत्काल पुलिस को दी गई जहां पुलिस ने पहुंचकर घटना स्थल का निरीक्षण का सीसीटीवी कैमरे की रिकॉर्डिंग अपने पास रखकर अज्ञात चोर की पतासाजी प्रारंभ कर दी है।

भय मुक्त दिख रहे अपराधी

विदित हो की कायनात होटल पुलिस थाने की बाउंड्रीवॉल से लगी हुई है और इसके पीछे कब्रिस्तान लगा हुआ है। जहां पर होटल से लगकर ही पुलिस क्वार्टर बने हुए हैं इस प्रकार के संवेदनशील स्थान पर भी अज्ञात चोर चोरी की वारदात करने में संकोच नहीं कर रहे हैं। जो दर्शा रहा है कि अपराधियों में पुलिस का भय समाप्त हो रहा है। क्योंकि होटल और पुलिस थाने की बाउंड्री लगी हुई है वहीं इसके पहले भी नगर के विभिन्न स्थानों पर चोरी की वारदातें हो चुकी है। जिसमें लोगों को अपनी मेहनत से कमाई हुई चीज गंवानी पड़ी है ,इस परिस्थिति में चोरों के हौसलों को देखते हुए नगर वासियों के द्वारा पुलिस प्रशासन से कठोर कार्यवाही की मांग की जा रही है।

कब्रिस्तान की बाउंड्री कूद कर आया था चोर-साकिब हसन

साकिब हसन ने बताया कि कायनात होटल परवेज हसन की है इसे प्रतिदिन की तरह रात्रि में बंद कर सभी घर चले गए थे। काउंटर के ड्राज में रुपये रखे हुए थे जिसे लेकर नहीं गए थे वहीं होटल में कुछ युवक भी रात में सोए हुए थे। सुबह जब कर्मचारी उठे तो देखा कि सामान बिखरा हुआ है ड्राज खुले हैं तो उन्होंने मोबाइल पर जानकारी दी। यहां आकर सीसीटीवी देखे तो पता चला कि एक अज्ञात व्यक्ति रात में कब्रिस्तान की बाउंड्री वॉल कूदकर होटल के अंदर आया जिसने सरिया से काउंटर के ड्राज खोला और उसमें रखे करीब १ लाख रुपये और मोबाइल लेकर फरार हो गया। उसने मुंह पर कोई मास्क वगैरा नहीं बांधा था स्पष्ट दिख रहा है पुलिस ने भी आकर निरीक्षण किया है सीसीटीवी कैमरे की रिकॉर्डिंग देखी है। हम चाहते हैं कि पुलिस उक्त चोर को जल्द गिरफ्तार करें।

हिंदू धर्माबलंबियों ने मनाया सूर्य की उपासना का पर्व मकरसंक्राति

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रो में १४ जनवरी को मकर संक्रांति का पर्व हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा धार्मिक आस्थाओं के साथ मनाया गया। मकर संक्रांति पर्व पर नगर सहित क्षेत्र के पर्यटक और धार्मिक स्थलों पर लोगों की धूम रही एवं पूरे परिवार के साथ पर्व का आनंद लोगों ने पिकनिक मनाकर लिया। नगर के गांधी बाल उद्यान में सुबह से ही नन्हे मुन्ने बच्चों को लेकर उनके पालक बड़ी संख्या में पहुँचे और जमकर मस्ती की वहीं बच्चों ने भी झूला और गिसरपट्टी का खूब लुत्फ उठाया। इसी तरह गोटा डोल में भी पुरानी परम्परानुसार लोगों ने चंदन नदी के इस तट पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई और मकर सक्रांति पर्व मनाने के साथ ही खाने पीने का कार्यक्रम रखा। वही नगर से सटे धार्मिक स्थल माता बंजारी मंदिर और कायदी बनियाटोला स्थित वैष्णोदेवी मंदिर में भी लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर परिवार के साथ पूजा अर्चना की और पिकनिक मनाया। गौरतलब है सूर्य उपासना का पर्व मकर संक्रांति हिंदू धर्माबलंबियों के विशेष पर्वों में से एक है। जब सूर्य देवता मकर राशि पर आते है तब मकर संक्रांति पर्व मनाया जाता है। संक्रांति के दिन से ही सूर्य देवता का उत्तरायण होना शुरू हो जाता है वहीं दिन भी तिल तिल कर बढने् लगता है। इस दिन सूर्य और शनि देव की पूजा विधि विधान से की जाती है। धार्मिक धर्माबलंबी मानते है कि आज विधिविधान से सूर्य और शनि देव की पूजा करने से वे शनि के प्रकोप से बचे रहते है। बहरहाल मकर संक्राति के इस पावन पर्व पर लोगों ने जहां सूर्य और शनि देव की विधिवत पूजा अर्चना की वही परिवार के साथ इस दिन पिकनिक मनाकर खूब लुत्फ उठाया। जिसका असर नगर में दिखाई दिया और दिन भर अनेकों प्रतिष्ठान बंद रहे। वहीं क्षेत्र में बहने वाली नदी में प्रात: लोगों के द्वारा उपस्थित होकर आस्था की डुबकी लगाकर सूर्य देव से कामना की गई इसी के साथ प्रात: नदी के घाट पर लोगों के द्वारा पूजा अर्चना भी की जाती रही।

मोवाड़ में परमात्मा एक सेवक सम्मेलन का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। खैरलांजी। परमात्मा एक सेवा मंडल के तत्वावधान में ग्राम मोवाड़ में परमात्मा भवन के प्रांगण में मानव धर्म के सामूहिक हवन कार्य और भव्य सेवक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस जनजागृति कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी ,ग्राम सरपंच वर्षा होलु कालकर,मोतीलाल माहुले, नारायण सेलोकर, महेंद्र सेलोकर, मुन्ना मुरे, महेंद्र माहुले, योगेश पांचे, प्रकाश सादेपाच, दिनेश सैलोकर, आकाश सैलोकर,सुनिल मते,होलु कालकर, संजय माहुले, रोहित माहुले, विनोद सेन्डे, बालु सेन्डे,चेतन मते, तुलसीराम मते, नरेंद्र मते और समस्त सेवक सेविका और ग्रामीणजन उपस्थित रहे। विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि सेवकों से आह्वान किया कि सेवा कार्य में समर्पण और सदाचार का भाव होना चाहिए। सच्चा सेवक वही होता है जो अपने व्यवहार और कर्मों से दूसरों के लिए प्रेरणा बने। यदि हम किसी के साथ गलत व्यवहार करेंगे तो अच्छे सेवक नहीं कहलाएंगे। इसलिए हमें अपने आचरण में सकारात्मक बदलाव लाकर समाज के लिए आदर्श प्रस्तुत करना चाहिए। इस जनजागृति कार्यक्रम के आयोजन में परमात्मा एक सेवा मंडल के सभी सेवक सेविकाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ग्रामीणजन और सेवकों के उत्साह और समर्पण ने इस आयोजन को सफ ल बनाया। कार्यक्रम के दौरान हवन के माध्यम से समाज में शांति सद्भाव और सेवा भावना के प्रसार का संदेश दिया गया।

आवश्यकता है
वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

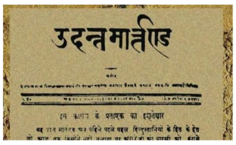

समस्या के समाधान की राह

देश में आवारा कुत्तों के काटने की घटनाएं अब आम लोगों के लिए गंभीर समस्या बन गई है। खासकर बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए गली-मोहल्लों में सड़क पर चलना खतरे से खाली नहीं है। पिछले कई वर्षों से यह मसला सत्ता के गलियारों से लेकर सड़क तक उठता रहा है, लेकिन इसका कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। हालांकि, केंद्र और राज्य सरकारों के स्तर पर आवारा कुत्तों की आबादी को नियंत्रित करने के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए गए हैं, लेकिन नतीजा %ढाक के तीन पात% जैसा ही है। यही वजह है कि मंगलवार को सर्वोच्च न्यायालय को यह कहना पड़ा कि कुत्ते के काटने की घटनाओं में राज्यों को भारी मुआवजा देने के निर्देश दिए जाएंगे, क्योंकि पिछले पांच वर्षों में आवारा पशुओं से संबंधित नियमों के क्रियान्वयन के लिए कोई कदम नहीं उठाए गए। साथ ही यह भी कहा कि कुत्तों को सड़क पर भोजन खिलाने वालों को भी जिम्मेदार और जवाबदेह ठहराया जाएगा। शीर्ष अदालत की इस टिप्पणी को इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इस संकट से निपटने के लिए न तो राज्य सरकारों की ओर से प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं और न ही कुत्तों को सड़क पर भोजन परोसने पर रोक लग पाई है।

केंद्रीय पशुपालन और डेयरी मंत्रालय की तरफ से पिछले वर्ष जारी आंकड़ों पर गौर करें, तो देश में जनवरी, 2024 से लेकर दिसंबर तक कुत्ते के काटने के सैंतीस लाख से अधिक मामले सामने आए। इनमें पांच लाख से ज्यादा मामले पंद्रह साल से कम उम्र के बच्चों के थे। जबकि कुत्ते के काटने से करीब सैंतीस लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर मामले रेबीज संक्रमण के थे। इन आंकड़ों से स्थिति की गंभीरता का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। इस समस्या से निजात पाने का सरल एवं प्रभावी उपाय आवारा कुत्तों की आबादी को नियंत्रित करना माना जाता है। इसके लिए विभिन्न राज्यों में टीकाकरण के जरिए कुत्तों का बंध्याकरण करने का कार्यक्रम शुरू किया गया था, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर लापरवाही और इच्छाशक्ति के अभाव में यह मुहिम कागजों में ही दम तोड़ती नजर आ रही है। यही वजह है कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ रही है और इंसानों को काटने की घटनाओं में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

शीर्ष अदालत ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पिछले दिनों आक्रामक आवारा कुत्तों को सड़क से हटाकर आश्रय स्थलों में रखने का निर्देश दिया था। साथ ही गली-मोहलों में कुत्तों को सड़क पर भोजन नहीं परोसने की हिदायत भी दी थी। मगर पशु प्रेमियों को यह फैसला रास नहीं आया और यह मामला फिर से सर्वोच्च न्यायालय पहुंच गया। इसमें दोराय नहीं है कि आवारा कुत्तों को सुरक्षित और खुला वातावरण मिलना चाहिए, लेकिन इस बात को भी समझना जरूरी है कि मानव सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता। शीर्ष अदालत ने भी यह सवाल उठाया है कि अगर पशु प्रेमियों को आवारा कुत्तों से लगाव है, तो वे उन्हें अपने घर क्यों नहीं ले जाते ? दरअसल, कुत्तों को सड़क पर भोजन परोसे जाने से वे वहीं आसपास घूमते रहते हैं और स्थानीय लोगों को काटते और डराते हैं। ऐसे में इस बात पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि सरकार और समाज के सामूहिक प्रयासों से ही इस समस्या से निपटने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है।

बात केवल एक शहर की नहीं

-पत्रलेखा चटर्जी (वरिष्ठ पत्रकार)

दूषित नल के पानी के बारे में हाल की खबरें आधारभूत संरचना, विनियामक निगरानी और जनस्वास्थ्य के गहरे संकट को दिखाती हैं। ये बताती हैं कि कैसे तेजी से शहरीकरण, खराब योजना व सुरक्षा मानकों की अनदेखी से उन शहरों में दुखद घटनाएं पैदा हुई, जो कभी अपनी स्वच्छता और विकास के लिए जाने जाते थे।

इंदौर का नाम गंदे नल के पानी से होने वाली मौतों की वजह से सुर्खियों में कैसे आ गया, जो कि सरकारी सर्वे के अनुसार, 2017 से 2024 तक भारत का सबसे स्वच्छ शहर रहा? यह प्रश्न न केवल इंदौर, बल्कि पूरे शहरी भारत और सभी राज्यों के लिए जरूरी है। यह शहरी शासन के विरोधाभास को दिखाता है, जो एक तरफ देखने में स्वच्छ और आकर्षक लग सकता है, तो दूसरी तरफ पुरानी भूमिगत पाइपलाइन और नलों से गंदे पानी की आपूर्ति कर सकता है। यह ज्यादा लोगों तक पानी पहुंचाने और पानी की सुरक्षा को बराबर महत्व देने के जोखिमों को भी उजागर करता है। सरकारें यह सुनिश्चित किए बिना कि पानी पीने के लिए सुरक्षित है या नहीं, नल से जलापूर्ति का लक्ष्य पूरा करती हैं। इंदौर के निम्न आय वर्ग वाले इलाके भागीरथपुरा में बीते 25 से 30 दिसंबर के बीच नगर निगम की पाइपलाइन से आने वाले पानी को पीने वाले कई लोगों की मौत हो गई। दूषित पानी से हुई मौतों की संख्या को लेकर अब भी भ्रम बना हुआ है। जिला प्रशासन ने 18 पीड़ितों के परिवारों को मुआवजे के चेक बांटे हैं, जबकि आधिकारिक आंकड़ा सात ही बताया जा रहा है। आंकड़ों में इस विरोधाभास के बीच, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि उनकी सरकार 'आंकड़ों में नहीं उलझेगी, बल्कि सभी पीड़ितों के साथ खड़ी रहेगी।'

जन स्वास्थ्य अभियान (जेएसए) द्वारा नौ जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे एक पत्र में बताया गया है कि कम से कम 18 मौतें हुई हैं, 50 मरीज अब भी अस्पताल में भर्ती हैं और 10 आईसीयू में हैं। जन स्वास्थ्य अभियान के कार्यकर्ता अमूल्य निधि का कहना है कि इंदौर में नल के दूषित पानी से होने वाली मौतें %ज्ञात समस्या% थी। दिलचस्प बात यह है कि इंदौर को शहरी आधारभूत संरचना और पर्यावरणीय सुधार के लिए एशियाई विकास बैंक (एडीबी) से 1,365 करोड़ रुपये का ऋण मिला है। यही नहीं, इस शहर को अमृत (अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन) स्कीम और स्मार्ट सिटी परियोजना का हिस्सा होने का भी फायदा मिला है। जेएसए के स्वास्थ्य कार्यकर्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में कहा गया है कि %एडीबी से 2004 में लिए गए ऋण का मकसद हर नागरिक को पर्याप्त पीने योग्य साफ पानी देना था और शहर में सातों दिन चौबीसों घंटे पानी की आपूर्ति का वादा किया गया था। लेकिन परियोजना के सफलतापूर्वक पूरा होने के एक दशक से ज्यादा समय बाद भी नागरिकों को पर्याप्त सुरक्षित एवं स्वच्छ पानी नहीं मिल रहा है। भागीरथपुरा के निवासियों ने आरोप लगाया कि जब एडीबी से मिले ऋण के बाद पीने के पानी की नई पाइपलाइन बिछाई गई, तो कुछ जगहों पर उन्हें सीवर लाइनों के साथ ही लगा दिया गया। हो सकता है कि अब मासूम लोग इस लापरवाही की कीमत अपनी जान देकर चुका रहे हों।

जनवरी 2026 की शुरुआत में, गुजरात की राजधानी गांधीनगर भी टाइफाइड के प्रकोप की चपेट में आ गई, जिसका कारण नगर निगम द्वारा आपूर्ति किया गया दूषित पानी ही था, और दिल्ली-एनसीआर के ग्रेटर नोएडा में भी कुछ निवासियों ने नल के पानी से बदबू आने की शिकायत की है। शहरी भारत में दूषित नल के पानी के बारे में हाल की ये सभी खबरें नागरिक आधारभूत संरचना, विनियामक निगरानी और जनस्वास्थ्य के गहरे संकट को दिखाती हैं। ये सभी खबरें बताती हैं कि कैसे तेजी से शहरीकरण, खराब योजना और सुरक्षा मानकों की अनदेखी ने मिलकर उन शहरों में ऐसी दुखद घटनाएं पैदा की हैं, जो कभी अपनी स्वच्छता और विकास के लिए जाने जाते थे।

वर्ष 2019 में, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की एक रिपोर्ट (जो 2013-2018 तक की थी) में इंदौर और भोपाल में पानी की आपूर्ति में बड़ी समस्याओं की चर्चा की गई थी। इसमें बताया गया था कि कुल 8.95 लाख निवासियों (भोपाल में 3.62 लाख और इंदौर में 5.33 लाख) को दूषित पानी की आपूर्ति की गई थी। जन स्वास्थ्य अभियान कार्यकर्ता अमूल्य निधि ने पानी की सख्त जांच की तत्काल जरूरत पर भी प्रकाश डाला है।

अगर हम भागीरथपुरा जैसी त्रासदियों को रोकना चाहते हैं, तो चर्चा सिर्फ इसी घटना तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जेएसए की मांगों में इंदौर एवं देश के दूसरे इलाकों में भी पानी से होने वाली बीमारी के मुफ्त इलाज, पुरानी पाइपलाइनों को वैज्ञानिक जीआईएस आधारित नेटवर्क मैपिंग से बदलना, पारदर्शी ऑडिटिंग, और रिसाव व नुकसान को कम करना, ठोस कचरा प्रबंधन और सीवेज इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना (सेप्टिक टैंक और पानी की आपूर्ति व स्वच्छता का स्वतंत्र मूल्यांकन) शामिल है। उनका कहना है कि आपूर्ति किए जाने वाले पानी की मात्रा और गुणवत्ता जलापूर्ति के नियमों के अनुसार होनी चाहिए।

साफ पानी सिर्फ स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की चिंता का विषय नहीं, बल्कि व्यवसाय का मामला भी है। अमीर घरों में अक्सर वाटर फिल्टर, बोतलबंद पानी, या बोरवेल होते हैं, जबकि गरीब लोग लगभग पूरी तरह से नगर निगम की आपूर्ति पर ही निर्भर रहते हैं। दूषित नल के पानी का खामियाजा सबसे गरीब और सबसे कमजोर लोगों को उठाना पड़ता है। असुरक्षित पानी की छिपी हुई लागत काम के छूटे हुए दिनों, अस्पताल के खर्च, संस्थानों पर कम होते भरोसे और कभी-कभी मौतों के रूप में सामने आती है। इंदौर, गांधीनगर और ग्रेटर नोएडा शहरी आधुनिकता के आख्यान को चुनौती देते हैं। शहरों को विकास के इंजन के तौर पर पेश किया जाता है, पर उनकी जलापूर्ति व्यवस्था महामारियों का इंजन बनती जा रही है। पाइप बिछाए जाते हैं, नल लगाए जाते हैं, लेकिन पानी असुरक्षित और अस्वच्छ ही रहता है। पानी उपलब्ध कराने के शानदार आंकड़े प्रदूषण के गंदे राज को छिपाते हैं।

-क्लिफ जेम्स

जीवन पतंग के समान है, जिसकी सुंदरता ऊंचाई में नहीं, बल्कि उड़ान के संतुलन में निहित है। पतंग की डोर अनुशासन, मूल्यों और मेहनत का प्रतीक है, जबकि हवा उन बाहरी शक्तियों का, जो हमारे वश में नहीं हैं।

जीवन एक पतंग की तरह है

जिंदगी की सबसे अच्छी यात्राओं की कोई मंजिल नहीं होती, खुशी शांत पलों में मिलती है। जैसे पतंग को उड़ने के लिए विपरीत हवा चाहिए होती है, वैसे ही हमें भी जीवन में चुनौतियों में ही अपनी ताकत ढूंढनी चाहिए, न कि आसान क्षणों में। जीवन भी एक पतंग की तरह है, जिसकी सुंदरता उसकी ऊंचाई में नहीं, बल्कि उड़ान के संतुलन में छिपी होती है। मनुष्य अक्सर स्वतंत्रता को निरंकुश उड़ान मान लेता है, पर बिना डोर की पतंग जितनी जल्दी ऊपर जाती है, उतनी ही तेजी से गिर भी जाती है। हम अक्सर सब कुछ नियंत्रित करने की कोशिश करते हैं, लेकिन पतंग तभी ऊंची उड़ती है, जब हम हवा के रुख को समझते हैं और उसके साथ तालमेल बिठाते हैं। पतंग को उड़ाने के लिए आकाश, हवा और हाथ, तीनों का सामंजस्य आवश्यक है।

पतंग की डोर हमारे अनुशासन, मूल्यों और मेहनत का प्रतीक है, जबकि हवा उन बाहरी शक्तियों का, जो हमारे वश में नहीं हैं। जब मनुष्य भय से मुक्त होकर आत्मविश्वास के साथ निर्णय लेता है, तब उसकी पतंग नई ऊंचाइयों को छूती है। पर यह आत्मविश्वास अहंकार नहीं होना चाहिए, क्योंकि अहंकार हवा का वह झोंका है, जो जीवन की पतंग को गलत दिशा में बहा ले जाता है। बिना डोर के पतंग भटक जाएगी और बिना हवा के वह कभी उड़ नहीं पाएगी। इसी तरह जीवन में सफलता पाने के लिए हमें यह स्वीकार करना होगा कि हम पूरी तरह स्वतंत्र नहीं हैं, बल्कि हमें कुछ सीमाओं के भीतर ही अपनी उड़ान तय करने की कोशिश करनी चाहिए। जिस तरह एक पतंग तभी ऊपर उठती है, जब हवा उसके विपरीत चलती है, ठीक उसी तरह जीवन की चुनौतियां हमें रोकने के लिए नहीं, बल्कि हमें और अधिक ऊंचाई पर ले जाने के लिए आती हैं। यदि जीवन में कोई प्रतिरोध न हो, तो हम स्थिर हो जाएंगे। पतंग का फटना या धागे का उलझना जीवन की असफलताओं को दर्शाता है। लेकिन एक कुशल पतंगबाज जानता है कि धागे को कब ढीला छोड़ना है और कब खींचना है। इसलिए, मानसिक रूप से लचीला होना ही कठिन समय में जीवित रहने का एकमात्र तरीका है। जिस तरह आकाश में एक ही पतंग नहीं होती, बल्कि अनेक पतंगें साथ उड़ती हैं, उसी प्रकार जीवन भी प्रतिस्पर्धा से अधिक सहभागिता मांगता है। दूसरों की पतंग काटने की लालसा अंततः आपके अपने ही आकाश को संकीर्ण कर देती है। इसलिए, सच्ची सफलता वही है, जिसमें हम खुद भी उड़ें और दूसरों को भी उड़ते देखने का आनंद ले सकें। यही जीवन का भी यथार्थ है कि स्वतंत्रता तब ही सार्थक होती है, जब उसके साथ जिम्मेदारी जुड़ी हो।

सूत्र - जिम्मेदारी से आगे बढ़ें

जीवन में संतुलन और स्वतंत्रता का महत्व है, लेकिन इसका अर्थ दिशाहीन होना नहीं, बल्कि जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ना है। चुनौतियां जीवन की विपरीत हवा हैं, जो हमें रोकने नहीं, ऊपर उठाने आती हैं। अनुशासन, मूल्य और परिश्रम वे डोर हैं, जो हमें भटकने से बचाती हैं, जबकि प्रकृति हमें जमीन से जुड़े रहना सिखाती है।

रौशनी

रिश्तों की नींव का फ़लसफा

-संध्या अग्रवाल

हम जब किसी रिश्ते में प्रवेश करते हैं, तो अक्सर यह सोचकर नहीं आते कि हम क्या महसूस करते हैं, बल्कि यह सोचकर आते हैं कि हमें कैसा व्यवहार करना चाहिए। धीरे-धीरे रिश्ते भावनाओं का नहीं, अपेक्षाओं का मंच बन जाते हैं। हम यह मान लेते हैं कि अच्छे रिश्ते वही हैं, जहां कोई शिकायत न हो, कोई असहमति न हो और कोई थकान दिखाई न दे। यहीं से शुरू होती है %परिपूर्ण बनने% या संपूर्णता की मांग की अदृश्य दौड़। हम हर भूमिका में खुद को ढालने लगते हैं- बेटी, पत्नी, मां, मित्र, सहकर्मी। और इस ढलने की प्रक्रिया में हम यह भूल जाते हैं कि हम भी एक इंसान हैं, जिसकी अपनी सीमाएं, अपनी जरूरतें और अपनी भावनाएं हैं। संपूर्ण बनने की यह मानसिकता अचानक विकसित नहीं होती। इसका बीज बचपन में ही बो दिया जाता है, जब हमें सिखाया जाता है कि अच्छे बच्चे कैसे होते हैं। जो बच्चे ज्यादा सवाल न करें, जो बड़ों की हर बात मान लें और जो अपनी भावनाओं को नियंत्रित रखना सीख लें।

लड़कियों के लिए यह सीख और भी सख्त होती है। उन्हें बताया जाता है कि ज्यादा बोलना अच्छा नहीं, अपनी बात मन में रखना ही समझदारी है और रिश्ते निभाने के लिए खुद को पीछे रखना पड़ता है। यही बातें आगे चलकर उनके व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाती हैं। हर रिश्ता थोड़ा-बहुत समझौता मांगता है, इसमें कोई संदेह नहीं, लेकिन समस्या तब शुरू होती है, जब समझौता आदत बन जाए और अपनी बात रखना स्वार्थ समझा जाने लगे। कई लोग अपनी नाराजगी, थकान और असंतोष को भीतर ही दबाए रखते हैं, ताकि सामने वाला असहज न हो। धीरे-धीरे यह चुप्पी रिश्ते की भाषा बन जाती है। बाहर से सब ठीक दिखता है, लेकिन भीतर एक खालीपन जन्म लेने लगता है। व्यक्ति महसूस करता है कि वह हर रिश्ते में मौजूद है, लेकिन अपनी ही जिंदगी में अनुपस्थित है।

आज के समय में सोशल मीडिया ने परिपूर्णता या संपूर्णता की कसौटी वाले रिश्तों की एक झूठी तस्वीर हमारे सामने रख दी है। हर तरफ मुस्कुराते चेहरे, आदर्श जोड़े और खुशहाल परिवार दिखाई देते हैं। इन तस्वीरों के पीछे की थकान, मतभेद और चुप्पी कभी दिखाई नहीं देतीं। इन सबको देखकर हम अपने वास्तविक रिश्तों से असंतुष्ट होने लगते हैं। हमें लगता है कि कहीं हम ही कम पड़ रहे हैं, हमारा रिश्ता ही अधूरा है। मन में इसी भावना के कारण हम खुद को और ज्यादा बदलने की कोशिश करने लगते हैं खुद को बेहतर नहीं, बल्कि %संपूण% या ऐसा बनाने के लिए, जिसमें कोई भी कमी न हो।

जब हम खुद से ईमानदार है तभी हम दूसरों के साथ भी ईमानदारी निभा पाते हैं। वरना रिश्ते केवल निभाने की जिम्मेदारी बनकर रह जाते हैं। हर दिन अच्छा होना जरूरी नहीं। हर बार समझदार बनना भी जरूरी नहीं। रिश्तों में कभी-कभी अपनी बात रखना, असहमत होना भी आवश्यक है।

महिलाओं के जीवन में संपूर्णता की यह अपेक्षा कई गुना अधिक होती है। उनसे उम्मीद की जाती है कि वे हर परिस्थिति में संतुलन बनाए रखें, सबकी भावनाओं का खयाल रखें और अपनी तकलीफ को कभी प्राथमिकता न दें। जब वे थकती हैं, तो कहा जाता है कि यही उनकी शक्ति है। जब वे चुप रहती हैं, तो उसे सहनशीलता कहा जाता है, लेकिन कोई यह नहीं पूछता कि इस चुप्पी की कीमत क्या है। कई महिलाएं भीतर ही भीतर टूटती रहती हैं, पर बाहर से मजबूत दिखाई देती हैं। संपूर्ण बनने की यह कोशिश शुरुआत में रिश्तों को सहज बनाए रखती है, लेकिन समय के साथ यह उन्हें खोखला कर देती है। जब भावनाएं व्यक्त नहीं होतीं, तो वे दबकर गुस्से और निराशा का रूप ले लेती हैं। जब संवाद नहीं होता, तो दूरी अपने-आप पैदा हो जाती है।

एक समय ऐसा आता है जब व्यक्ति महसूस करता है कि उसने रिश्तों को बचाने के लिए खुद को खो दिया है। तब यह प्रश्न उठता है कि क्या कोई रिश्ता इतना मूल्यवान हो सकता है कि उसके लिए खुद को मिटा दिया जाए? सच यह है कि रिश्तों को परिपूर्ण या संपूर्ण इंसानों की नहीं, बल्कि सच्चे और ईमानदार इंसानों की जरूरत होती है। ऐसे इंसान, जो अपनी कमजोरियों को स्वीकार कर सकें, अपनी थकान को व्यक्त कर सकें और जरूरत पड़ने पर मदद मांग सकें।

रिश्ते तब गहरे होते हैं, जब उनमें असहमति की जगह होती है, सवाल पूछने की आजादी होती है और भावनाओं को साझा करने का साहस होता है। वहां सब कुछ ठीक-ठाक दिखाने की मजबूरी न हो। सबसे पहला और सबसे महत्त्वपूर्ण रिश्ता खुद के साथ होता है। अगर उसी रिश्ते में हम झूठे हो जाएं, तो बाकी रिश्तों में सच्चाई निभाना कठिन हो जाता है। अपनी सीमाओं को पहचानना, अपनी जरूरतों को महत्त्व देना और अपनी भावनाओं को सुनना रिश्तों को स्वस्थ बनाता है। जब हम खुद से ईमानदार होते हैं, तभी हम दूसरों के साथ भी ईमानदारी निभा पाते हैं। वरना रिश्ते केवल निभाने की जिम्मेदारी बनकर रह जाते हैं। हर दिन अच्छा होना जरूरी नहीं। हर बार समझदार बनना भी जरूरी नहीं। रिश्तों में कभी-कभी अपनी बात रखना, असहमत होना और खुद के लिए खड़ा होना भी उतना ही आवश्यक है। हर कसौटी पर संपूर्ण होने की कोशिश में अगर हम अपनी सच्ची भावनाओं को दबा दें, तो रिश्ते केवल दिखावे का ढांचा बनकर रह जाते हैं। जबकि रिश्तों की खूबसूरती उनकी अपूर्णता में ही छिपी होती है। शायद अब यह समझने का समय आ गया है कि रिश्ते निभाने के लिए खुद को तोड़ना नहीं पड़ता। उन्हें बचाने के लिए खुद को खोना नहीं होता। रिश्ते तभी टिकते हैं, जब उनमें इंसान होने की पूरी गुंजाइश बची रहे। 'परिपूण' या संपूर्णता नहीं, बस सच्चा रहा जाए यही रिश्तों की सबसे मजबूत नींव है।

मुद्दा

साहित्य का मेला और लेखक अकेला

श्यौराज सिंह बेचैन

मेलों में विविध रंग हैं, लेकिन लेखक का वास्तविक प्राप्य क्या है? समाज के परिवर्तनकामी साहित्यिकों और नायकों के बीच कहीं कोई पुल है?

नए साल का आगाज विगत वर्षों की भांति, विश्व पुस्तक मेले से ही हो रहा है, जहां साहित्य और साहित्येतर विविध विषयों, रुचियों, विधाओं और अलग अनुशासनों की किताबें उपलब्ध हैं। मानवीय सरोकार रखने वाले ऐसे लेखक जो किसान नहीं हैं, पर किसानों पर लिखते हैं, मजदूर नहीं हैं, मजदूरों पर लिख रहे हैं, दलित-आदिवासी नहीं हैं, पर दलितों-स्त्रियों के मसलों पर लिख रहे हैं। साहित्योत्सवों और मेलों का यह बौद्धिक त्योहार विशाल देश की सांस्कृतिक विविधता के विकास के ही लक्षण दर्शाता है। और इसके पीछे होता है लेखक। जब वह सृजन के संसार में आता है, तो मेले और उत्सवों की जमीन का ऊर्जावान उत्पादक बन नए पौधे रोपता है और 'नई फसलें उगाता है। इस संदर्भ में हाल ही में गुजर गए कवि-कथाकार विनोद कुमार शुक्ल के कथन और सृजन से दो विशेष बातें संज्ञान में आती हैं, उन्होंने कहा है, 'लेखक अंततः अपने आप को ही व्यक्त करता है।' इसका मतलब कोई किसी अन्य का विकल्प नहीं है, मतलब हाशिये का लेखक, उपेक्षित धारा का हो या मुख्यधारा का सम्मानित लेखक, दोनों अपना-अपना पक्ष ही रख पाएंगे। साहित्य की समृद्धि विविधत्ता की पूरकता के लिए शेष साहित्य का खालीपन अधिकता का साहित्य नहीं भर सकता। डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी ने इसी ओर इंगित किया है। श्री शुक्ल की एक कविता, जिसमें गांव के लोगों का जिक्र है कि जब वे किसी मेले-ठेले जाते हैं, तो हमेशा भीड़ में एकसाथ चलते हैं। वे समूह में ही जाते हैं, इकट्ठे बैठते हैं, और अगर कोई गाड़ी में चढ़ने से छूट जाता है, तो बाकी लोग उसे छोड़ कर आगे नहीं बढ़ते।

गांव की आपसी सद्भावना का यह चित्रण पात्रों की वस्तुस्थिति को दर्शाने वाला एक आईना और एक ही तस्वीर है। यह सामाजिक विविधता की साझी संवेदना का चित्रण नहीं है।

भारत का कोई भी गांव एक समूह में सिमट कर नहीं रहता। लोग ऊंची-नीची जातियों के अलग-अलग समूहों में जी रहे होते हैं। उनकी सहानुभूति स्व-जातियों के लिए ही खास होती है। बड़ी जातियों का समूह पीछे छूटे अपने ही गांव के किसी अस्पृश्य का इंतजार कभी नहीं करता। धोखे से भी वह समूह में आ जाए, तो भी वे उसका स्वागत नहीं करते, अपितु उनके लिए वह दूध में आ गिरी मक्खी समान लगता है। वह दृश्य तो पौराणिक कथा में आए समुद्र मंथन के बाद निकले %विष-अमृत% वितरण के वक्त देवताओं के बीच आ बैठे राहू-केतु के समान होता है। तो एक रूप-एक रस साहित्य में पूर्णता कैसे आए? भारत की सच्ची सामाजिक तस्वीर कौन बनाए?

जाहिर है विविधता किसी एक बिंब या एक तस्वीर से नहीं मिलेगी अथवा एक दर्पण सब रंगों को प्रतिबिंबित नहीं कर सकेगा। गांव-समाज में जितने सामाजिक समूह हैं, उनकी उतनी ही कथा-अभिव्यक्तियां हैं। साहित्य उत्सवों, मेलों और उन पाठकों को, जिन्हें अपनी-अपनी जिंदगियों के विविध रंग दिखेंगे, छोड़कर स्वयं लेखक का प्राप्य क्या है? इन मेले-ठेलों को आबाद करने वाला लेखक प्राण-हंस तो सब छोड़ कर उड़ जाता है। तो साहित्य से सधता क्या है? इसका प्रयोजन क्या है? क्या साहित्य क्रांति घटित करता है? जिसके लिए साहित्यकार को मानपत्रों-पुरस्कारों से नवाजा जाता है। समाज के परिवर्तनकामी साहित्यिकों और नायकों के बीच कहीं कोई पल है या उनकी

मान्यताएं अलग-अलग ध्रुवों पर खड़ी होती हैं, क्रांति से किसका सरोकार है?

डॉ. आंबेडकर ने सौ साल पहले अपने एक लेख 'क्रांति किसे कहते हैं?' में विचारों-संस्कारों में क्रांति आना प्राथमिक माना था। सातवें दशक में साहित्यकारों ने सवाल उठाया था, 'क्या जेपी का भी क्रांति से कुछ लेना-देना था? कमलेश्वर ने एक साक्षात्कार में कहा था, जयप्रकाश नारायण (जेपी) की संपूर्ण क्रांति' की परिकल्पना से भी हमारे समांतरवादी और मैं सहमत नहीं था, क्योंकि जेपी ने संप्रदायवादी शक्तियों को भी परिवर्तन का समर्थक माना था। फणीश्वरनाथ रेणु ने उनसे कहा था, 'आप इस परिवर्तनकामी क्रांति के लिए हिंदी के नए लेखकों से मिलिए।' इसलिए जेपी ने मुझे मिलने बुलाया था। मुलाकात में मैंने पूछा था, 'आपकी संपूर्ण क्रांति की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूपरेखा क्या है? तो उनका उत्तर था, क्रांति, क्रांति होती है, किसी व्यक्ति के सवाल का जवाब नहीं होती।' मैंने पाया कि इस संपूर्ण क्रांति का परिवर्तन और उसकी मूल्यगत अवधारणा का दलितों की मुक्ति की कामना से कोई लेना-देना नहीं था। इसमें परिवर्तन की बात एक भ्रम थी।

आज समाज और साहित्य की विविधताएं, ज्ञान और अनुभव के परंपरागत उत्पाद के साथ हमें अपने जमाने का होशो-हवास रखने की जरूरत है। तकनीकी विज्ञान और सूचना क्रांति के नए-नए आयाम और फिर कृत्रिम मेधा की उपादेयता बहस तलब है। 'एआई समिट 2026' अगले माह ही भारत की मेजबानी में होने जा रहा है, जिसमें 20 देश शिरकत करेंगे। क्या साहित्य इससे निष्प्रभावी और स्वायत्त रह पाएगा? बेशक विचार मशीन पर निर्भरता से गुरेज करें, पर उपयोग से परहेज तो बिल्कुल नहीं चलेगा।

- लेखक दिल्ली विश्वविद्यालय में पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ प्रोफेसर है।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। ताजा पूछपरख से बुधवार को खाद्य तेलों में बाजार सुर्खी पर रहे। किराना जिंसों में कालीमिर्च में मजबूती रही। मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार ताजा लेवाली के चलते बुधवार को खाद्य तेलों में बाजार सुर्खी पर रहे। उधर, किराना बाजार में ग्राहकी बेदम रही। कालीमिर्च में पूछपरख के चलते भावों में मजबूती आयी। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 3950-4050, खोपरा गोला 325-390, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिंक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 760-770, गरबल 725-730, मटरदाना 790-810, खसखस अनक्लीन 1300-1350, क्लीन 1500-1550, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1675-2150, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 2750-2900, विरूद्ध नगर 2800-2850, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3350, एक्ट्रा बोल्ड 3350-3450, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 565-590, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 860-900, कैलिफोर्निया 780-795, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2250-2300, (160) 2250-2300, (200) 2300-2350, (250) 2500-2550

तेल- सींगदाना 1610-1630, मुम्बई 1640, राजकोट तेलिया 2540, सोया साल्वेंट 1260-1270, सोया रिफाइंड 1310-1320, कपास्या 1240-1245, धूलिया 1250, कड़ी 1250,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1575-1580, मुम्बई पाम 1275, मुम्बई सोया 1335,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2075, देवास-उज्जैन 2075, खंडवा-बुरहानपुर 2050, अकोला 3250 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4900-5000, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5950-6000, एवरेज 5750-5800, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5700-5750, एवरेज 5600-5650, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7250, एवरेज 6900-7000, हल्की 6700-6800, तुअर महाराष्ट्र 7200-7400, उड़द बेस्ट 7300-7400, एवरेज 7100-7200, शंकर 6800-6900, हल्की 6500-6600,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। किन्तु विश्व बाजारों में तेजी से दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार रिकार्ड ऊँचाइयों पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 268000, चाँदी (99) 267000, टंच 266500, सिक्का 2500, सोना 10 ग्राम 145000,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 6 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.30 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 90.24 पर बंद हुआ था। अमेरिकी डॉलर की मजबूती, अंतरराष्टीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी निवेशकों की लगातार पूंजी निकासी के कारण भी रुपया नीचे आया। गत दिवस अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 90.24 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सत्र में इसमें हल्की मजबूती जरूर देखने को मिली, लेकिन यह 90.22 के स्तर तक ही सीमित रही, जो पिछले बंद भाव की तुलना में पांच पैसे की गिरावट को दिखाता है। इससे पहले सोमवार को रुपया 90.17 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख वैश्विक मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 फीसदी की बढ़त के साथ 98.73 पर बना रहा।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 224, निफ्टी 66 अंक नीचे आया

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को भी गिरावट पर बंद हुआ। इससे पहले मंगलवार को भी बाजार नीचे आया था। दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बाजार नीचे आया। इसका कारण अमेरिका और भारत के बीच व्यापार करार को लेकर जारी संशय का बना होना है जिसके कारण निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया हुआ है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 244.98 अंक नीचे आकर 83,382.71 अंकों पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी 66.70 अंक फिसलकर 25,665.60 अंकों पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से 17 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ ही लाल निशान पर बंद हुआ। वहीं केवल 12 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ ही ऊपर आकर बंद हुए। बची हुई 18 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ ही नीचे आये। इसी प्रकार निफ्टी की 50 में से सिर्फ 23 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के

साथ बंद हुए और शेष सभी 27 कंपनियों के शेयर नीचे आये। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल टाटा स्टील के शेयर सबसे ज्यादा 3.70 फीसदी बढ़े। वहीं एशियन पेंट्स के शेयरों में सबसे ज्यादा 2.39 फीसदी की गिरावट रही। सेक्स की बाकी कंपनियों में एनटीपीसी के शेयर, एक्सिस बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, बीईएल 1.11 प्रतिशत, रिलायंस इंडस्ट्रीज, ट्रेंट, एचसीएल टेक, इंफोसिस, अडाणी पोर्ट्स के शेयर बढ़त पर बंद हुए। दूसरी ओर टीसीएस के शेयर, मारुति सुजुकी, सन फार्मा, हिंदुस्तान यूनिलीवर, कोटक महिंद्रा बैंक, टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक के शेयर गिरावट पर बंद हुए। इससे पहले आज सुबह बाजार की बुधवार को कमजोर शुरुआत हुई। आज सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंक गिरकर 83,358.54 पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी गिरावट के साथ 25,648 अंक पर खुला पर कुछ ही देर में इसमें सुधार देखा गया। वहीं सुबह दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो जापानी शेयरों में तेजी के चलते एशियाई बाजार में तेजी आयी। चीन का सीआईसीआई एएसआई 300 इंडेक्स 0.64 फीसदी और हांगकांग का हांग सेंग 0.34 फीसदी ऊपर आया।

भारत का पूर्वी एशिया के बाजारों में यूपीआई का विस्तार करने पर विशेष जोर

नई दिल्ली। एजेंसी। वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू ने कहा है कि सरकार स्वदेशी डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) की अंतरराष्ट्रीय मौजूदगी बढ़ाने की दिशा में कदम उठाया है। पूर्वी एशिया के बाजारों में इसका विस्तार करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यूपीआई के कारण आज भारत में करीब 50 फीसदी डिजिटल लेनदेन हो रहा है। हमने कुछ देशों में विस्तार किया है और अब इसे

कई अन्य देशों, खासकर पूर्वी एशिया में ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्टे के मुताबिक नागराजू ने कहा कि यूपीआई पहले ही भूटान, सिंगापुर, कतर, मॉरिशस, नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), श्रीलंका और फ्रांस समेत आठ देशों में चल रहा है। इससे भारत के यात्रियों को इस प्लेटफॉर्म के जरिए भुगतान करने की सुविधा मिल रही है। नागराजू ने छोटी और सूक्ष्म इकाइयों को मध्यम उद्यमों में बदलने की जरुरत पर जोर दिया। देश में कई करोड़ इकाइयों की उपस्थिति के बावजूद सूक्ष्म इकाइयों का मध्यम और बड़े उद्यमों में रूपांतरण नहीं हो रहा है। दरअसल देश में सूक्ष्म इकाइयां मझोले और बड़े उद्योगों में परिवर्तित नहीं हो रही हैं, जबकि कई करोड़ इकाइयां मौजूद हैं। मुझे लगता है कि ऐसा तभी होगा, जब सूक्ष्म उद्यमों को समर्थन, बाजार तक पहुंच और उत्पादकता का लाभ मिले।

एनपीएस वात्सल्य योजना के नियमों में बदलाव, अब 80 फीसदी निकाल सकेंगे रकम

नई दिल्ली। एजेंसी। पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने नाबालिगों के लिए शुरू की गई एनपीएस वात्सल्य योजना के नियमों में बदलाव किया है। इन संशोधनों का उद्देश्य योजना को और सरल और आकर्षक बनाना है, ताकि अभिभावक अपने बच्चों के नाम पर इस योजना के तहत निवेश करने के लिए आगे आएं। नए नियमों के मुताबिक अब खाताधारकों को निकासी और एग्जिट के मामले में पहले की तुलना में ज्यादा लचीलापन मिलेगा। संशोधित प्रावधानों के तहत एनपीएस वात्सल्य खाते से खाता खोलने के तीन साल बाद आंशिक निकासी की अनुमति दी गई है। शिक्षा, चिकित्सा उपचार और निर्धारित विकलांगता जैसी जरूरतों के लिए स्वयं के योगदान का अधिकतम 25 फीसदी तक निकाला जा सकेगा। वित्त मंत्रालय के मुताबिक यह आंशिक निकासी 18 साल की आयु से पहले दो बार और 18 से 21 वर्ष की आयु के बीच दो बार की जा सकती है, जो तय शर्तों के अधीन होगी। पहले नियमों में 18 वर्ष की उम्र तक अधिकतम तीन बार ही आंशिक निकासी की अनुमति थी। एग्जिट नियमों में किए गए बदलाव अहम माने जा रहे हैं। अब खाताधारकों के पास यह विकल्प होगा कि वे अपनी पूरी राशि एनपीएस टियर-1 खाते में ट्रांसफर करें या कुल जमा राशि का 80 फीसदी तक एकमुश्त निकाल लें। शेष न्यूनतम 20 फीसदी राशि से पेंशन के लिए एन्युटी खरीदना अनिवार्य रहेगा। इसके अलावा यदि खाते में कुल जमा राशि आठ लाख रुपए या उससे कम है, तो पूरी राशि निकालने की अनुमति दी गई है। पहले के नियमों में कम से कम 80 फीसदी रकम से एन्युटी खरीदना जरूरी था और केवल शेष राशि ही एकमुश्त मिलती थी। एनपीएस वात्सल्य योजना की शुरुआत सितंबर 2024 में की गई थी। यह योजना एनपीएस का ही एक हिस्सा है, लेकिन इसमें खाता केवल 18 साल से कम उम्र के बच्चों के नाम पर खोला जाता है। खाते का संचालन माता-पिता या अभिभावक करते हैं, जबकि लाभार्थी केवल बच्चा होता है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन उतार-चढ़ाव भरा रह सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको सहकर्मियों का सहयोग तो मिलेगा, लेकिन साथ ही काम का दबाव भी बना रहेगा, जिससे थकान महसूस हो सकती है। व्यापार से जुड़े लोगों के लिए दिन लाभदायक है, विशेष रूप से जिनका काम लोहा या बिल्डिंग मटेरियल से जुड़ा है, उनकी आय में बढ़ोतरी के योग बन रहे हैं। हालांकि अनचाहे खर्च भी सामने आ सकते हैं।

वृषभ- आज का दिन सुख और संतोष देने वाला रहेगा। घर-परिवार में आपसी तालमेल बना रहेगा और जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने-फिरने की योजना भी बन सकती है। यदि रिश्तों में किसी प्रकार का तनाव चल रहा था, तो आज उसे दूर करने का अवसर मिलेगा। ससुराल पक्ष से सहयोग और प्रसन्नता प्राप्त होगी। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन अनुकूल है, आपकी योजनाएं सफल होंगी और कोई महत्वपूर्ण उपलब्धि भी मिल सकती है। मान-सम्मान में वृद्धि के संकेत हैं।

मिथुन- आज का दिन कुल मिलाकर अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों और सहयोगियों का पूरा समर्थन मिलेगा, जिससे काम सुचारू रूप से आगे बढ़ेगा। हालांकि काम का दबाव आपको कुछ समय के लिए मानसिक रूप से विचलित कर सकता है। आज आपको कुछ पुराने अधूरे कार्यों को निपटाने का अवसर मिलेगा, जिससे मन को राहत मिलेगी।

कर्क- आज का दिन मानसिक उलझनों से भरा हो सकता है। कार्यक्षेत्र में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए अधिकारियों और सहकर्मियों के साथ तालमेल बनाए रखना जरूरी होगा। सरकारी कामों में अड़चनें आ सकती हैं और कोई कार्य अटक भी सकता है। पारिवारिक जीवन में जीवनसाथी के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है। माता की सेहत आपकी चिंता का कारण बन सकती है।

सिंह- आज का दिन सफलता दिलाने वाला साबित होगा। नौकरी में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और लंबे समय से अटके काम पूरे हो सकते हैं। व्यापार में आर्थिक लाभ के योग हैं, विशेष रूप से तांबा और लोहे से जुड़े कारोबार में अच्छी कमाई हो सकती है। राजनीतिक संपर्कों से भी फायदा मिलेगा। पारिवारिक जीवन में पिता और वरिष्ठजनों का सहयोग प्राप्त होगा।

कन्या- आज का दिन शुभ और लाभदायक रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और जो लोग बीमार चल रहे थे, उनकी स्थिति में सुधार देखने को मिलेगा। नौकरी में आप बेहतर प्रदर्शन करेंगे और आपको प्रोत्साहन तथा सम्मान भी मिल सकता है। कोर्ट-कचहरी से जुड़े मामलों में भाग्य आपके पक्ष में रहेगा। पारिवारिक व्यवसाय और वित्तीय कार्यों से लाभ होगा, साथ ही अकाउंट और इंश्योरेंस से जुड़े कामों में भी सफलता मिल सकती है।

तुला- आज का दिन शुभ और लाभदायक रहने वाला है। आर्थिक लाभ मिलेगा और जीवन में कुछ सकारात्मक बदलाव महसूस होंगे। नौकरी में काम सुचारू रूप से चलेगा और सहकर्मियों तथा मित्रों का सहयोग मिलेगा। आपकी बातचीत की कला और व्यावहारिक सोच आज आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगी। शिक्षा के क्षेत्र में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। किसी पुराने परिचित से सहयोग प्राप्त हो सकता है।

वृश्चिक- आज का दिन उपलब्धियों से भरा रहेगा। आर्थिक लाभ और मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को सफलता मिल सकती है। कोई पुराना लेन-देन आज पूरा हो सकता है। मित्रों और सहकर्मियों, विशेष रूप से महिला सहकर्मियों से अच्छा सहयोग मिलेगा। परिवार और दोस्तों के साथ मनोरंजक समय बिताने का अवसर मिलेगा।

धनु- आज का दिन सुखद रहेगा, लेकिन आवेश और क्रोध पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा, अन्यथा मानसिक तनाव बढ़ सकता है। नौकरी में आपकी योजनाएं और कार्यकुशलता रंग लाएंगी। शिक्षा और शिक्षण से जुड़े लोगों के लिए दिन अनुकूल है। आर्थिक लाभ मिलेगा और पिता तथा पैतृक पक्ष से भी सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान में वृद्धि के योग हैं।

मकर- आज का दिन शुभ और लाभदायक साबित होगा। आर्थिक लाभ के योग हैं और यदि कोई सरकारी काम अटका हुआ है तो आज प्रयास करने से सफलता मिल सकती है। नौकरी में प्रभाव और सम्मान बढ़ेगा तथा रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा। दोस्तों के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा और किसी सगे संबंधी से मुलाकात भी हो सकती है।

कुंभ- आज का दिन मिलाजुला रह सकता है। आर्थिक लाभ तो होगा, लेकिन खर्च भी साथ-साथ बना रहेगा। सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकता है। कोर्ट-कचहरी और कानूनी मामलों में सतर्क रहने की जरूरत है। यात्रा के दौरान सावधानी रखें। किसी सगे संबंधी की वजह से मन थोड़ा उदास हो सकता है।

मीन- आज गुरुवार का दिन विशेष रूप से शुभ और लाभदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र में अनुकूल वातावरण बना रहेगा और नौकरी में आपका प्रभाव तथा सम्मान कायम रहेगा। किसी मित्र की मदद से जरूरी काम पूरा हो सकता है। नया कार्य शुरू करने के भी योग हैं। पुराना लेन-देन चुकता हो सकता है। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और शिक्षा के क्षेत्र में परिश्रम का अच्छा फल प्राप्त होगा।

शब्दजाल - 8141

शब्दजाल में दस नदियों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे व तिरछे भी हो सकते हैं.

गंगा, यमुना, सतलज, रावी, झेलम, चिनाब, ब्रम्हपुत्र, कावेरी, गोदावरी, व्यास,

गं	रा	जें	द्र	कु	मा	य	वा	ज	पे	यी
द	गा	ल	प्रे	व	जी	म	द	ह	कां	रा
स	स	प	का	को	ह	रा	झे	ल	म	प
मि	त	स	व	वे	वा	ज	ध	रा	श	दु
श	आ	ल	ग	म	री	ना	तू	वी	झ	प
न	ल	ला	ज	दि	म	गो	ती	ना	घ	य
क	व	चि	ना	ब	प	दा	ज	ती	व	मु
श	एं	वा	ई	द	ब	व	डू	ए	श	ना
मी	ड	ल	फू	ल	औ	री	आ	ग	शी	आ
र	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	व्या	स	री	द
वि	ज	अ	ब्र	म्ह	पु	त्र	त	ब	प	म

शब्दजाल - 8140 का हल

ग	क	ल	ड	व	ल	र्प	धी	ऊं	ल	ज
र	धा	ल	भैं	स	ति	ड्ड	इं	ट	ट	वा
त	स	या	ल	बि	ल्ली	रा	रा	आ	ख	गा
ब	ज	ज	सु	पु	र	रा	प	ए	ली	य
म	क	दो	ग	ल्ता	लं	स	तू	उ	झ	म
स	क	री	प	ख	न	पू	ना	फ	घ	त
ते	अ	स	त	र	प	न	श	ज	ला	ट
पे	ता	दा	ई	गो	ब	कु	फ	रा	श	न
बं	बा	चे	न	श	जी	ई	त्ता	ल	प	रु
द	पा	ला	ल	न	क	दु	र	शा	स्त्री	ता
र	रा	जी	घो	ड़	धी	रा	इ	फ	ई	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

15 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	मकर	06.45 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	कुंभ	08.31 बजे से
मंगल	धनु में	मीन	10.04 बजे से
बुध	धनु में	मेष	11.35 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृष	13.15 बजे से
शुक्र	मकर में	मिथुन	15.13 बजे से
शनि	मीन में	कर्क	17.26 बजे से
राहु	कुंभ में	सिंह	19.42 बजे से
केतु	सिंह में	कन्या	21.54 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		तुला	00.05 बजे से
		वृश्चिक	02.20 ब.से
		धनु	04.36 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 15 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** माघ (दक्षिण भारत में पौष) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वादशी 20.17 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** ज्येष्ठा 05.48 बजे प्रात: को समाप्त। **योग** वृद्धि 20.38 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 07.07 बजे तदनन्तर तैतिल 20.17 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 21° 10' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872590 **जूलियन दिन** 2461055.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रज्जब **तारीख** 25 **विशेष** माघ बिहू।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: पाप का गुरु

एक पंडित जी कई वर्षों तक काशी में शास्त्रों का गहन अध्ययन करने के बाद अपने गांव लौटे। गांव के एक किसान उनसे पूछा, पंडित जी, आप हमें यह बताइए कि पाप का गुरु कौन है। उसका प्रश्न सुन कर पंडित जी चकरा गए। उन्हें लगा कि अध्ययन अभी अधूरा है, इसलिए वे फिर काशी लौटे। मगर उन्हें किसान के सवाल का जवाब नहीं मिल रहा था। एक दिन उनकी मुलाकात एक वेश्या से हुई। उसने पंडित जी से उनकी परेशानी का कारण पूछा तो पंडित जी ने उसे अपनी समस्या बता दी। वेश्या बोली, 'इसका तो बहुत आसान सा उत्तर है, लेकिन इसके लिए आप को कुछ दिन मेरे पड़ोस में रहना होगा।' उसने अपने पास ही पंडित जी के रहने की अलग से व्यवस्था कर दी। पंडित जी किसी के हाथ का बना खाना नहीं खाते थे। इसलिए अपने हाथ से खाना बनाते और खाते। एक दिन वेश्या बोली, 'पंडित जी, आप को बहुत तकलीफ होती है खाना पकाने में। यहां देखने वाला तो कोई है नहीं। आप कहें तो मैं नहा - धो कर भोजन पका दिया करूं। आप सेवा का मौका देंगे तो मैं दक्षिणा में पांच स्वर्ण मुद्राएं भी प्रतिदिन दूंगी।' स्वर्ण मुद्रा का नाम सुन कर पंडित जी को लोभ आ गया। उन्होंने कहा, 'ठीक है।' पहले दिन उसने कई तरह के पकवान बना कर पंडित जी के सामने परोसा। पर ज्यों ही पंडित जी खाने को हुए कि उसने उनके सामने से थाली खींच ली। पंडित जी बोले, 'यह क्या मजाक है।' उसने कहा, 'यह मजाक नहीं, आप के प्रश्न का उत्तर है। यहां आने के पहले आप किसी के हाथ का पानी भी नहीं पीते थे, मगर स्वर्ण मुद्राओं के लोभ में आपने मेरे हाथ का बना खाना खाना भी स्वीकार कर लिया। यह लोभ ही पाप का गुरु है। अगर कोई लोभ न करें तो वह कोई पाप करेगा ही नहीं।'

फिल्म वर्ग पहेली- 7085

1		2	■	3	■	4	5		6
	■	7				■		■	
8	9		■		■	10		11	
■		■	12		13		■		■
14	■	15		■		■	16		
17		■	18		■	19			■
	■	20		■	21			■	22
■	23		■	24			■	25	
26			27	■		■	28	■	
■		■	29		■	30			

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१५. नाना, शाहरूख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२९. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
११. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१२. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१३. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत नें दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'आँखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7084

बा	रू	द	■	र	■	का	ला	पा	नी
बु	■	रा	व	ण	रा	ज	■	प	■
ल	की	र	■	भू	■	ल	क्ष्य	■	ह
■	म	■	दा	मि	नी	■	■	खे	ल
जी	त	■	मा	■	य	ती	म	■	च
वा	■	कु	द	र	त	■	हा	सि	ल
■	मि	ली	■	ज	■	जी	न	त	■
जीं	स	■	सु	नी	ल	■	■	म	न
■	मे	ला	■	गं	■	■	जा	■	सी
नू	री	■	अं	धा	का	नू	न	■	ब

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7394

★☆☆☆☆ सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7393 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

शब्द पहेली - 8609

बाएँ से दाएँ

1. दांपत्य संबंध विच्छेद-3
3. रहस्य का ज्ञाता-4
6. खुशबू, सुगंध-3
7. सौ, सैकड़ा, शतक-2
8. दुलारा, लाड़ला-2
10. नाम रखना-5
12. दाम, मूल्य, दर-3
15. अग्नि, आग-3
17. सम्मान देना -2,3
20. जन्नत, अप्सरा-2
22. दाम, कीमत-2
23. स्थान-3
24. अचरज भरा कार्य-4
25. गागर, घड़ा-3

ऊपर से नीचे

2. न्यूनता, कमी-5
3. अटक-अटक कर बोलने वाला-3
4. आवश्यकता-4
5. राजी करना, मान मनुहार करना-3
7. वहम, संदेह-2
9. भाग्यशाली (अंग्रजी-2)
11. मैला, दागदार-3
13. धोखेबाज, कपटी-3
14. मन मोहने वाला-5
15. अशांति फैलाने वाला, उपद्रवी-4
16. रक्त, खून-2
18. आनेवाला दिन-2
19. नृत्य करना-3
21. चांदी-3

शब्द पहेली -8608 का हल

■	ल	ह	र	■	क	ल	ह	■
श	ब	■	ह	■	मी	■	क	म
री	■	ह	म	रा	ज	■	■	ह
फ	की	र	■	ही	■	ब	हु	ल
■	■	द	ल	■	कै	द	■	■
स	न	म	■	रा	■	ना	र	द
ली	■	■	स	त	ना	म	■	म
का	न	■	र	■	वि	■	जा	न
■	त	र	ल	■	क	हा	र	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूर्य की उपासना के साथ मनाया गया मकर संक्रांति का पर्व

धार्मिक स्थलों पर हुआ मेलों का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी । मकर संक्रांत जो कि धार्मिक एवं ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण पर्व है इस दिन सुर्य देव उत्तरायण होते है, हिन्दु धर्मावंबियो के द्वारा पूर्ण आस्था के साथ इस पर्व को मनाया जाता है । इस वर्ष 14 जनवरी 2026 को ही मकर संक्रात पर्व की पूजा अर्चना की गई। पर्व के चलते क्षेत्र के धार्मिक स्थलो, ऐतिहासिक स्थानो, नदी के तटो पर, कोटेश्वर धाम, गांगजीराजा, बालाजी धाम कटंगी, तथा क्षेत्र का प्रसिद्ध पर्यटन स्थल वारी खराडी जलाशय एवं इसी तट पर विराजमान माँ पहाडावाली माता पांढरी पाट देवी इन स्थलो पर खासी भीड नजर आई। वंही मकर संक्राति पर्व पर घरो में परंपरानुसार तील गुड के व्यंजन बने होंगे जो कि भोग लगाने के पश्चात रिश्तेदारो को, पड़ोसियों को तील गुड खिलाकर पर्व मनाया गया है। पर्व को लेकर मंदिरों में विशेष धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। कई स्थानों पर हवन-पूजन व सूर्य उपासना की गई। श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिर परिसरों में दिनभर बनी रही। मकर संक्रांति को दान का विशेष महत्व होने के कारण गरीबों एवं जरूरतमंदों को तिल, गुड़, चावल, वस्त्र व अन्य सामग्री का वितरण किया गया। घरों में पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार तिल-गुड़ से बने लड्डू, चक्की, खिचड़ी सहित अन्य व्यंजन बनाए गए। लोगों ने एक-दूसरे को तिलगुड़ भेंट कर आपसी सौहार्द और मधुर संबंधों का संदेश दिया। बच्चों और युवाओं में पतंग उड़ाने का खासा उत्साह देखा गया, जिससे आसमान रंग-बिरंगी पतंगों से भर गया। ग्रामीण अंचलों में मकर संक्रांति के अवसर पर छोटे-बड़े मेलों का आयोजन किया गया, जहां लोकगीत, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ पारंपरिक खेलों का आयोजन हुआ। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में भाग लेकर पर्व की रौनक बढ़ाई। मकर संक्रांति का पर्व सामाजिक समरसता, दानशीलता और भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परंपराओं को सहेजते हुए शांतिपूर्ण और उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

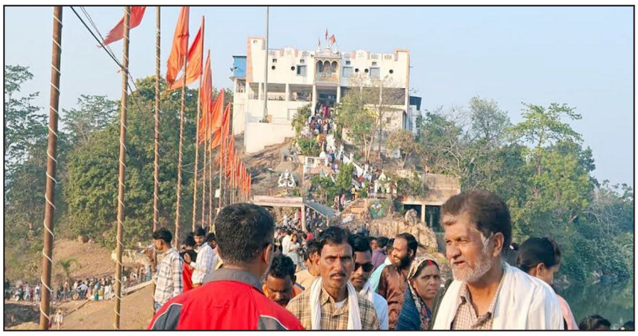

शुभ कार्य भी होंगे आयोजित

मकर संक्रांति के पर्व के दुसरे दिन से शुभ कार्य भी संचालित हो जाते है, खासकर हिन्दु संस्कृति मे महिलाओ के द्वारा हल्दी कुमकुम प्रारंभ हो जाता है जिसको महिलाऐ एक दुसरो को घरो पर बुलाया जाता है, तील गुड का व्यंजन दिया जाकर वाण रूपी भेंट देकर हल्दी कुमकुम लगाकर उक्त आयोजन किया जाता है जो कि क्षेत्र में अधिकांश घरो मे देखने को मिलेगा।

मकर संक्रांति का पर्व इस वर्ष बच्चों के लिए विशेष रूप से आनंद और उत्साह से भरा रहा। सुबह से ही बच्चों में पर्व को लेकर खास उमंग देखने को मिली। रंग-बिरंगी पतंगों, चरखियों और मिठाइयों के साथ बच्चों ने पूरे दिन पर्व का भरपूर आनंद लिया। पर्व के अवसर पर बच्चों ने अपने परिजनों के साथ मंदिर जाकर पूजा-अर्चना की तथा बड़ों का आशीर्वाद लिया। इसके पश्चात छतों और मैदानों में पतंगबाजी का दौर शुरू हुआ, जिसमें बच्चों की खिलखिलाहट और उत्साह देखते ही बन रहा था। वो काटा- वो कटी, इसकी उसकी पतंग卐 की आवाजों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। कई स्थानों पर बच्चों के लिए छोटे सांस्कृतिक कार्यक्रम और खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें उन्होंने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मकर संक्रांति का यह पर्व बच्चों के लिए न केवल मनोरंजन का अवसर बना, बल्कि भारतीय परंपरा, मेल-मिलाप और खुशियों का संदेश भी देता नजर आया।

23 जनवरी को दामाखेड़ा में होगा उदितमुनिनाम साहेब का पावन चादर-तिलक कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लांजी । धर्मनगरी दामाखेड़ा (छत्तीसगढ़) में कबीर पंथ के अनुयायियों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। सतगुरु कबीर साहेब तथा धर्मदास वंशावली के 16वें वंशगुरु हुजूर उदितमुनिनाम साहेब का पावन चादर-तिलक कार्यक्रम आगामी 23 जनवरी 2026 (शुक्रवार) को श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ भव्य रूप से सम्पन्न होने जा रहा है। यह आयोजन कबीर पंथ की गौरवशाली परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसमें देशभर से हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। कार्यक्रम आध्यात्मिक चेतना, सामाजिक समरसता, सद्भाव और मानवतावादी मूल्यों का संदेश देता है। दामाखेड़ा कबीर पंथ का प्रमुख तीर्थस्थल एवं वंशगुरु गद्दी का मुख्य केंद्र माना जाता है, जहां से पंथ की गतिविधियां संचालित होती हैं। कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के क्रम में 14 जनवरी 2026 को कबीर पंथ क्षेत्र के ग्राम देवलगांव के प्रतिनिधियों ने होल्डिंग (बैनर) पर विधिवत पूजा-अर्चना एवं आरती कर जन-जन तक संदेश पहुंचाया। इस अवसर पर उपस्थित पंथ प्रेमियों ने सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में धर्मनगरी दामाखेड़ा पहुंचकर इस ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम में सहभागिता करें तथा पुण्य लाभ अर्जित करें। प्रचार अवसर पर प्रमुख रूप से नीलचंद हरिनखेड़े, छदनलाल टेंभरे, श्रीराम राहंगडाले, वासुदेव राहंगडाले, मनोज ठाकरे, दिलीप टेंभरे, खिंदूलाल राहंगडाले, उमेंद्र हरिनखेड़े, लालचंद राहंगडाले, नोहरलाल टेंभरे, नन्हुलाल टेंभरे, भोजेश्वर राहंगडाले सहित पुष्पा राहंगडाले, गीता राहंगडाले, कलाबाई राहंगडाले, बेबी राहंगडाले, अंजना राहंगडाले, लूसमनबाई राहंगडाले तथा बड़ी संख्या में पंथ प्रेमी एवं धर्मप्रेमी उपस्थित रहे। प्रतिनिधियों ने बताया कि चादर-तिलक कार्यक्रम कबीर पंथ की परंपरा का अभिन्न अंग है, जो सद्गुरु कबीर साहेब के सत्य, प्रेम और करुणा के सिद्धांतों को जीवंत रखता है। अंत में सभी उपस्थितजनों ने कार्यक्रम की सफलता की कामना की तथा धर्मप्रेमियों से समय पर दामाखेड़ा पहुंचने का आह्वान किया।

मकर संक्रांति के साथ प्रारंभ हुआ महिलाओं का हल्दी कुमकुम कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लांजी । 14 जनवरी को मकर संक्रांति त्योहार के साथ साल 2026 के त्योहारों की शुरुआत हो गई है। यहां पर तिलगुड़ के मीठे स्वाद के साथ त्योहार मनाए जाएंगे। बता दें कि लांजी क्षेत्र सीमावर्ती महाराष्ट्र राज्य से लगा होने से यहां महिलाओं द्वारा हल्दी कुमकुम(वान) का कार्यक्रम उल्लासपूर्वक मनाया जाता है। मकर संक्रांति पर्व से एक पखवाड़े तक महिलाओं द्वारा एक दूसरे को आमंत्रित करके हल्दी कुमकुम का तिलक लगाकर सदा सुहागन रहने की कामना की जाती है इतना ही नहीं इस कार्यक्रम में कुछ ना कुछ गृह उपयोगी वस्तुएं भेट देकर तिल गुड़ का प्रसाद देकर स्वल्पाहार भी कराया जाता है। महिलाओं के बीच हल्दी कुमकुम मनाया जाता है। यह सुहागिन और नवविवाहित महिलाओं के बीच बेहद खास होता है। इस खास दिन पर महिलाएं एक-दूसरे को तिल-गुड के लड्डू, मूंग, सेमी, मटर, चावल, गाजर, गन्ना व बेर मिला कर भर कर देती हैं। इसके अलावा आपस में महिलाएं एक-दूसरे को हल्दी कुमकुम लगाकर तिलगुड खिलाती है।

विधानसभा क्रिकेट लीग के पांचवें दिन सांई आराध्या चैलेन्जर्स ने सेन्चुरी हीटर्स को 66 रनों से किया पराजित

पद्मेश न्यूज। लांजी । लांजी किरनापुर विधानसभा क्षेत्र की प्रसिद्ध क्रिकेट प्रतियोगिता विधानसभा क्रिकेट लीग जिसका लांजी ही नही अपितु पडोंसी राज्य महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ भी ख्याति व्याप्त है। प्रदेश के अलावा इन दोनो राज्यो से भी आईकानिक खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग लेते है। इसके अलावा विधानसभा क्रिकेट लीग के संयोजक भी यह ध्यान रखते है क्षेत्रीय

खिलाडि?ों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलना चाहिये इस हेंतु इस संपूर्ण संस्करण का नाम विधानसभा क्रिकेट लीग दिया गया है। विधानसभा क्रिकेट लीग की शुरूवात 9 जनवरी को क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे के मुख्या तिथ्य में कि गई जहां उन्होने फीता काटकर इस प्रतियोगिता का शुभारंभ किया तथा वे खुद भी एक उमंदा खिलाडी रहे है इसलिये वे स्वयं इस संपूर्ण प्रतियोगिता का संरक्षण भी करते है ताकि हमारे क्षेत्र के खिलाडि?ों को भरपूर मौका अपनी प्रतिभा दिखाने का मिलना चाहिये। उनकी सोच है कि जब तक खिलाड़ी बडा सपना नही देखेंगे, मैदान पर नही उतरेंगे तब तक कैसे स्वयं को बड़ा करेंगे।

विधानसभ क्रिकेट लीग 2026 के तीसरे संरक्षण में संयोजको के द्वारा कुछ बदलाव भी किये गये है। यहां 10 फ्रेन्चाईसी टीमों ने भाग लिया है जिनमें भरवेली टॉपर्स, एसएस ब्रदर्स, सांई आराध्या चैलेन्जर्स, सरदार पटेल यूनिवर्सिटी, वारा ईगल किंग्स, केदार ईलेवन, सेन्चुरी हिटर्स लांजी, लांजी जगुआर्स, श्रुति स्पोटर्स, महाकाल राईडर्स ये सभी 10 फ्रेन्चाईसी टीमें आपस खिताब के लिये भीडतें दिखाई दे रही है जिनमें दो उत्कृष्ट टीमें प्रतियोगिता में खिताबी मुकाबले के लिये आमने सामने होगी। प्रतियोगिता का अंतिम एवं खिताबी मुकाबला 16 जनवरी को विधायक राजकुमार कर्राहे सहित अन्य आमंत्रित अतिथियो की उपस्थिती में खेला जायेगा। बतादे कि प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 1 लाख रूपये तथा उपविजेता को 51 हजार रूपये एवं विजेता और उप विजेता कप सहित अनेको आकर्षक पुरस्कार प्रदान किये जायेंगे।

14 जनवरी को आयोजित फ्रेन्चाईसी टीमों के मध्य हो रहे मुकाबले में सांई आराध्या चैलेन्जर्स एवं सेन्चुरी हीटर्स के मध्य बड़ा मुकाबला देखने को मिला जहां सांई आराध्या के बल्लेबाजो ने बेहतरीन बैटिंग का प्रदर्शन करते हुये निर्धारित 12 ओवरो में प्रतियोगिता का सर्वाधिक बड़ा स्कोर 214 रन का विशाल लक्ष्य रखा। सांई आराध्या की ओर से नीरज दहीकर ने 20 गेंदो में 6 छक्को एवं 1 चौके की सहायता से 48 रन, रचि भूरे ने 10 गेंदो मे 5 गगन चुंबी छक्को की सहायता से 34 रन तथा बालू टाईगर 23 रन, पंकज 28 रन, का योगदान रहा। जवाबी पारी खेलने उतरी सेन्चुरी हिटर्स ने निर्धारित 12 ओवरो में 6 विकेट खोकर मात्र 148 रन ही बना पाई इस प्रकार सांई आराध्या ने आसानी से जीत दर्ज की। सेन्चुरी हिटर्स की ओर से शरद भाई ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुये 31 गेंदो में 9 छक्के एवं 4 चौको की सहायता से 77 रनो की शानदार पारी खेली लेकिन बाकि बल्लेबाज शरद का साथ नही दे पाये जिसके चलते उन्हे हार का सामना करना पड़ा। इस मैच के प्लेयर ऑफ द मैच रवि भुरे रहे जिन्हाने शानदार बल्लेबाजी और गेंदबाजी का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट अंपायरिंग, कामेन्ट्री तथा शानदार संयोजन देखने को मिल रहा है जिसके चलते खेल प्रेमियो में उक्त प्रतियोगिता के देखने को लेकर अलग ही उत्साह दिखाई देता है। वीसीएल के संयोजको के द्वारा बताया गया कि इस वर्ष अंतिम मुकाबले के दीन एक वीआईपी बाक्स का भी प्रबंध किया गया है जहां शुल्क लेकर वीआईपी बाक्स में बैठकर प्रतियोगिता के फाईनल मुकाबले का आनंद लिया जा सकता है। 16 जनवरी को प्रतियोगिता की खिताबी भिड़त देखने को मिलेगी।

मकर संक्रांति पर वारी के पांढरी पाट में लगा भव्य मेला

पद्मेश न्यूज। लांजी । लांजी क्षेत्रान्तर्गत सुप्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटन स्थल माँ पांढरी पाठ देवी धाम में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 14 जनवरी 2026 मकर संक्रांति के पावन पर्व पर भव्य मेला आयोजित हुआ जंहा हजारो की संख्या में भक्त जन, दर्शनार्थी, नजर आये मानो आस्था का सैलाब उमड़ पडा था, माता के दर्शनो के लिये लंबी कतारे लगी हुई थी तो वंही गाड़ियो की भी जमघट के चलते रास्तो मे जाम लगा हुआ था। वारी देवीधाम के बारे मे बात की जाये तो प्रकृति की गोद में समाएं पहाड़ा वाली मां पांढरीपाठ देवी धाम व गौशाला ने क्षेत्र एवं प्रदेश में ही नहीं अपितु देश में भी पहचान दिलाया है। भक्तों का कहना है कि यहां साक्षात देवी मां विराजती है, भक्तों की मन्नते भी यहां पूरी होती है, इसलिए यह आस्था का केंद्र बना हुआ है। वैसे तो वर्ष भर यहां भक्तों का आना - जाना लगा रहता है। बता दें कि वर्षों से यहां मकरसंक्रांति के पावन पर्व पर ऐतिहासिक मेला लगता है। देवीधाम के मुख्य संरक्षक पंडा रेखलाल कावरे एवं वारी सरपंच ऋषि पटेल ने जानकारी में भी बताया की मकर संक्रांति पर्व के ही दिन माता मंदिर की स्थापना हुई थी, स्थापना दिवस से ही मेले का आयोजन प्रारंभ हुआ है। मेले में जहां दूर-दूर से लोग पहुंचते हैं। इसी के चलते इस वर्ष भी यहां ऐतिहासिक मेले का आयोजन किया गया है। मेले को लेकर 1 दिन पुर्व ही दुकाने सज गई हैं। मकर संक्रांति के दिन उमडने वाली यहां की भीड़ देखते ही बनती है। मकर संक्रात पर्व पर सुबह 8 बजे से मां पांढरीपाठ देवी धाम में हवन पूजन का प्रारंभ हुआ जो कि दोपहर 2 बजे तक चला। प्रात्काल श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान कर पूजा-अर्चना की तथा मंदिरों में दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की। इसके पश्चात मेले का शुभारंभ हुआ। मेले में पारंपरिक वस्तुओं,

खिलौनों, बर्तन, कपड़े, मिठाइयों और तिल-गुड़ से बने व्यंजनों की दुकानों पर दिनभर भीड़ बनी रही। बच्चों के लिए झूले, चकरी, खिलौनों की दुकानें और मनोरंजन के साधन आकर्षण का केंद्र रहे, वहीं युवाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों और पारंपरिक खेलों का आनंद लिया। महिलाओं ने घरेलू उपयोग की वस्तुओं की खरीदारी की, जिससे मेले में चहल-पहल बनी रही। मेले के दौरान सुरक्षा एवं व्यवस्था को लेकर प्रशासन द्वारा पुख्ता इंतजाम किए गए थे। बतादे कि लांजी एसडीओपी ओमप्रकाश (भापुसे) के द्वारा पर्व को लेकर पहले ही मेला आयोजन समिति एवं संबधितो से चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश थाना प्रभारी बहेला राजकुमार रघुवंशी को प्रदान किये गये थे। थाना प्रभारी एवं बहेला थाना में पदस्थ पुलिस बल सहित अन्य पुलिस अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा सुबह से रात्रि पर्यन्त तक मेले में तैनात रहकर संपूर्ण मेले तथा यातायात व्यवस्था को सुचारू रखा। वहीं स्वास्थ्य विभाग की टीम भी मौके पर मौजूद रही, जिससे मेला शांतिपूर्ण और व्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ। कुल मिलाकर मकर संक्रांति के अवसर पर वारी में आयोजित यह प्रसिद्ध मेला आस्था, सामाजिक समरसता और ग्रामीण संस्कृति का जीवंत उदाहरण बना, जहां लोगों ने परंपराओं के साथ उल्लासपूर्वक पर्व का आनंद लिया। बतादे कि पांढरी पाठ देवीधाम में स्थित गौशाला संपूर्ण जिले की सर्वोत्कृष्ट गौशाल है जिसे देखने के लिये भी लोगो की भीड़ उमड़ती है यहां प्रत्येक गौमाता एवं उनके बछड़ो को नाम से संबोधित किया जाता है। गौशाला में गौसेवकों के द्वारा प्रतिदिन सुबह 4 बजे से ही सभी गौमाताओं एवं बछड़ो तथा नंदी महाराज को नहलाया धुलाया जाता है तथा इनकी पूजा अर्चना पण्डा बाबा एवं गौसेवको के द्वारा किया जाकर भोग आदि लगाकर आरती पूजा संपन्न होती है यह प्रतिदिन की कार्यशैली है। वहीं तीज त्यौहारो में भी गौमाताओं की ग्राम वासी, दर्शनार्थी एवं गौसेवकों के द्वारा विशेष पूजा अर्चना की जाती है। प्रतिवर्ष प्रसिद्ध मेले में माँ पांढरी पाट जनकल्याण समिति एवं वारी पंचायत के तत्वावधान में धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में मकर संक्रांत के पावन अवसर पर माँ पांढरी पाट देवी धाम परिसर में भोले के दिवाने आमगांव के द्वारा सुन्दर काण्ड पाठ एवं सुमधुर संगीतमय भजनों की प्रस्तुती दी गई। मेले तथा देवी के दर्शनो के लिये आये लोगो ने उक्त कार्यक्रम का भरपुर आनंद प्राप्त कर पुण्य लाभ अर्जित किया। उल्लेखनीय है कि देवी धाम आयोजन समिति के द्वारा माँ के दरबार में पताका भी लहरा गया। पंचायत एवं ग्रामीण जनों के सहयो से रात्रि में सांस्कृतिक लोक कला मंच का भी आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय रोवर रैन्जर जम्बुरी बालोद छत्तीसगढ़ मे शामिल रहे किरनापुर के सीनियर स्काउट रोवर

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। संयुक्त संचालक शिक्षण विभाग जबलपुर के पत्रानुसार एवं जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय बालाघाट के निर्देशानुसार तथा शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय किरनापुर के प्राचार्य श्रीमती अनिता तारन के मार्ग निर्देशन में बालाघाट जिला किरनापुर तहसील के युनिट लीडर मकबूल मोहम्मद कुरेशी एवं सीनियर स्काउट ने प्रथम रोवर रैन्जर राष्ट्रीय जम्बुरी जिला बालोद छत्तीसगढ़ में आयोजित जम्बुरी में सम्मिलित हुए। जिनमें हमारे किरनापुर तहसील के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय किरनापुर के सीनियर स्काउट शामिल हुए। दल में शामिल लोगो में मुदित तिवारी,निकलेश देशमुख,रिषभ गौतम,कपिल रावते ,पियुष रावते, सीनियर रोवर अर्पित हुमनेकर, एवं सीनियर रोवर इमरान अली, ब्रजेश दमाहे ने इस जम्बुरी में सम्मिलित हुए। जो जम्बुरी मे 09 जनवरी 2026 से 13जनवरी 2026 तक कि अवधि में सम्पन्न हुई। इस जम्बुरी का उद्घाटन छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम रमेन डेका एवं इस जम्बुरी का समापन दिनांक 13.01.2026को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री सम्मानीय विष्णु देव साय कि उपस्थिति में हुआ।इसमें राज्य स्तरीय गतिविधियां - सटेट गेट, शिविर कला, कैम्प फायर,पायोनियरिग प्रोजेक्ट, मार्च फास्ट, फूड प्लाजा,कलर पार्टी,लोक नृत्य, फैशन शो, बैण्ड दल, हाइक, राज्य प्रदर्शनी इत्यादि गतिविधियां सम्पन्न हुई। इसमें हमारे सीनियर स्काउट ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और हमारे जिले का नाम रोशन किया कलर पार्टी, मार्च फास्ट, प्रदर्शनी ,एडवैचर हाइक इत्यादि गतिविधियों में जिला का गौरव बढ़ाया और शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय किरनापुर को गौरवान्वित किया। इस जम्बुरी में सभी सीनियर स्काउट, रोवर एवं युनिट लीडर को प्रमाण पत्र एवं शील्ड देकर नवाजा गया।यहां कि जनता तथा गणमान्य नागरिकों ने इन्हें बधाई दी है और इनके उज्जवल भविष्य कि कामना की है।इस जम्बुरी में भेजने में प्राचार्य अनिता तारन शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय किरनापुर,डी.ओ.सी.बालाघाट का योगदान सराहनीय रहा तथा मकबूल मोहम्मद कुरेशी स्काउटर का जम्बुरी में सहयोग सराहनीय रहा।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

सीवेज प्रदूषण पर एनजीटी सख्त...मप्र,यूपी-राजस्थान से जवाब मांगा

इंदौर में मौतें, भोपाल में ई-कोलाई बैक्टीरिया का भी हवाला; मीडिया रिपोर्ट पर संज्ञान में लिया

भोपाल। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की प्रधान पीठ नई दिल्ली ने पेयजल में सीवेज की मिलावट पर मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश की सरकारों से जवाब मांगा है। एनजीटी ने इंदौर में गंदे पानी से मौत होने और भोपाल में ई-कोलाई बैक्टीरिया मिलने का भी हवाला दिया है। तीनों स्टेट के पेयजल में सीवेज की मिलावट से जुड़ी गंभीर समस्याओं पर मीडिया रिपोर्ट को ट्रिब्यूनल ने बुधवार को स्वतः संज्ञान लिया है। मीडिया रिपोर्ट में जनस्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरे उजागर हुए हैं।

एक रिपोर्ट में इंदौर के गंदे पानी से मौत होने और बाकी शहरों में भी सीवेज की समस्या होने की बात कही गई तो दूसरी रिपोर्ट में बताया गया कि पुरानी, जर्जर और दशकों पुरानी पाइप लाइन व्यवस्था के कारण कई स्थानों पर सीवेज का पानी पेयजल पाइप लाइनों में मिल रहा है। इससे राजस्थान के उदयपुर, जोधपुर, कोटा, बांसवाड़ा, जयपुर, अजमेर और बोरा जैसे शहर भी प्रभावित बताए गए। तस्वीरों में पेयजल की पाइप लाइनें खुले नालों और सीवेज लाइनों से होकर गुजरती हुई दिखाई गईं, जो गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करती हैं। तीसरी रिपोर्ट में कहा गया कि ग्रेटर नोएडा (सेक्टर डेल्टा-1) में सीवेज मिले पानी के सेवन से बच्चों सहित कई लोग बीमार पड़ गए। जिनमें उल्टी और दस्त जैसे लक्षण देखे गए। हालांकि, अधिकारियों द्वारा लीकेज की मरम्मत कर दवाइयां वितरित की गईं। फिर भी स्थानीय निवासियों ने इंदौर जैसी जल-प्रदूषण त्रासदी की आशंका जताई है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि भोपाल के कुछ इलाकों में पेयजल में ई-कोलाई बैक्टीरिया पाया गया। जिसका कारण सीवेज का ट्यूबवेल में रिसाव बताया गया है।

एनजीटी ने ये माना

एनजीटी ने माना कि ये मुद्दे गंभीर पर्यावरणीय और जनस्वास्थ्य से जुड़े हैं। प्रथम दृष्टया पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 और जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 के उल्लंघन को दर्शाते हैं। न्यायमूर्ति एवं अध्यक्ष प्रकाश श्रीवास्तव, विशेषज्ञ सदस्य डॉ. ए. सेंथिल वेल ने राजस्थान, मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश की संबंधित राज्य सरकारों, उनके प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के क्षेत्रीय कार्यालयों से जवाब तलब किया है। इसके साथ ही केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को भी अपना उत्तर दाखिल करने का निर्देश दिया गया है। कहा कि यह मामला पर्यावरणीय कानूनों के पालन, जिम्मेदारी तय करने और नागरिकों के सुरक्षित पेयजल के अधिकार की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए विचाराधीन रहेगा।

जानलेवा पतंगबाजी: मप्र में प्रतिबंधित चाइनीज मांझे से 7 के गले कटे

-रीवा में पतंगबाजी करते समय बच्चा हाईटेंशन लाइन की चपेट में आया, मौत

भोपाल। मकर संक्रांति पर लोग पतंगबाजी का आनंद ले रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ इंदौर में चार अलग-अलग जगह चाइनीज मांझे से चार लोगों की गर्दन कट गई। इसके अलावा उज्जैन में दो और इटारसी में एक युवक घायल हुआ है। वहीं रीवा में पतंगबाजी के दौरान एक बच्चा हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। इससे उसकी मौत हो गई। पहला मामला इंदौर के भंवरकुआं थाना क्षेत्र के तीन इमली इलाके का है। यहां बाइक से जा रहे हेमराज चौरसिया का चाइनीज मांझे से गला कट गया। सडक़ पर खून बहने लगा। उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हेमराज चांदमारी ईंट का भट्टा में रहते हैं। पेट्रोल पंप पर काम करते हैं। बुधवार को मांगलिया स्थित रिश्तेदार के यहां जा रहे थे, तभी हादसा हो गया।

दूसरा हादसा परदेशीपुरा थाना क्षेत्र के नंदानगर निवासी महेश सोनी के साथ हुआ। यहां चाइनीज मांझे से उनका गला कट गया। उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तीसरी घटना जूनी इंदौर की है। यहां तिल्लौर निवासी प्रेम भंडारी दूध बांटने जा रहे थे, तभी जूनी इंदौर ब्रिज से जाते समय अचानक उनके सामने चाइनीज मांझा आ गया। उनके गले में 8 टांके लगाए गए हैं। चौथी घटना रामानंद नगर में रहने वाले घनश्याम वसुनिया के चेहरे पर चोट आई। उन्हें करीब 10 टांके आए हैं। घनश्याम के मुताबिक, वह खुद पतंग लेने जा रहा था, तभी सामने से मांझा आ गया। उसने बचने की कोशिश की, लेकिन दाढ़ी पूरी तरह से कट गई। उज्जैन में भी प्रतिबंधित चाइनीज मांझे से एक युवक का गला कट गया, जबकि एक महिला के दोनों पैर घायल हो गए। दोनों को चरक भवन अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं रीवा में मकर संक्रांति पर पतंग उड़ाते समय 15 वर्षीय कुश चौरसिया नाम का लडक़ा हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। इससे उसकी मौत हो गई।

भागीरथपुरा जलकांड से पीड़ित परिवारों से मिलेंगे राहुल गांधी

17 जनवरी को इंदौर आएंगे; गांधी प्रतिमाओं के सामने भजन करेगी कांग्रेस

भोपाल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 17 जनवरी को इंदौर आएंगे और दूषित पानी से प्रभावित परिवारों से मिलेंगे। इसी दिन कांग्रेस मध्य प्रदेश के हर ब्लॉक में सामूहिक उपवास रखेगी और गांधी प्रतिमाओं के सामने धरना देकर भजन गाएगी। कांग्रेस के संगठन प्रभारी संजय कामले ने बताया कि राहुल गांधी के इंदौर आगमन की तारीख एआईसीसी (ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी) की तरफ से तय हो गई है। विस्तृत कार्यक्रम बनाने पर अभी चर्चा चल रही है। कांग्रेस नेता ब्लॉक स्तर पर मनरेगा योजना का नाम बदलने के विरोध में केंद्र की मोदी सरकार पर हमला बोलेंगे। इसी दौरान इंदौर जल कांड पीड़ितों को ब्लॉक स्तर पर श्रद्धांजलि भी दी जाएगी। एमपी कांग्रेस राहुल गांधी के 17 जनवरी के दौरे और मनरेगा के नाम बदलने के विरोध प्रदर्शन का पूरा कार्यक्रम जल्द फाइनल करेगी

दूषित पानी से अब तक 23 की मौत

इंदौर में दूषित पानी के कारण अब तक 23 लोगों की मौत हो चुकी है। इस मामले को लेकर एमपी कांग्रेस ने 11 जनवरी को इंदौर में न्याय यात्रा का आयोजन किया था। यात्रा में इंदौर और आसपास के 200 किलोमीटर क्षेत्र से कांग्रेस के विधायक, पूर्व विधायक, प्रदेश पदाधिकारी और जिलाध्यक्ष शामिल हुए थे। इस यात्रा में जितेंद्र पटवारी, उमंग सिंघार, दिग्विजय सिंह सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

10 मरीज आईसीयू में, तीन वेंटिलेटर पर

दूषित पानी के मामले में मंगलवार को डायरिया के 5 और मरीज सामने आए हैं। हालांकि गंभीर नहीं होने से उन्हें सामान्य ट्रीटमेंट ही दिया गया। अस्पताल में एडमिट मरीज 39 से घटकर 33 हो गए हैं। इनमें से 10 आईसीयू में हैं। इनमें से तीन मरीज लंबे समय से वेंटिलेटर पर हैं और उनकी हालत में खास सुधार नहीं हुआ है। जो मरीज वेंटिलेटर पर हैं उनके नाम एकनाथ सूर्यवंशी, पार्वतीबाई और हीरालाल हैं। तीनों ही बुजुर्ग हैं। अन्य मरीजों की हालत में कुछ सुधार है। इस मामले में अब तक 436 मरीज एडमिट हुए। इनमें से 23 की मौत हो गई, जबकि 403 को डिस्चार्ज कर दिया गया है।

एडमिशन के 24 घंटे के भीतर पोर्टल पर देनी होगी पूरी जानकारी

-विदेशी छात्रों पर सरकार की पैनी नजर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने जारी किए निर्देश

भोपाल। भारत में विदेशी विद्यार्थियों को प्रवेश देने को लेकर विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों की जवाबदेही अब और अधिक बढ़ गई है। केंद्र सरकार द्वारा लागू इमीग्रेशन एवं विदेशी नागरिक अधिनियम, 2025 के अंतर्गत विदेशी विद्यार्थियों के पंजीयन और सूचनाओं के आदान-प्रदान को लेकर कड़े एवं स्पष्ट प्रावधान किए गए हैं। इस संबंध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने देश के सभी विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

इस बदलाव के अनुसार, यदि कोई विश्वविद्यालय, महाविद्यालय या उच्च शैक्षणिक संस्था विदेशी विद्यार्थी (जिसमें ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया कार्डधारक भी शामिल हैं) को प्रवेश देती है, तो उस विद्यार्थी की संपूर्ण जानकारी प्रवेश के 24 घंटे के भीतर संबंधित विदेशी क्षेत्रीय पंजीयन कार्यालय को उपलब्ध करानी होगी। यह जानकारी फार्म के माध्यम से शासन द्वारा निर्धारित ऑनलाइन पोर्टल अथवा मोबाइल एप पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपलोड की जाएगी।

प्रपत्र में देना होगा विस्तृत विवरण

पासपोर्ट एवं वीजा का विवरण, व्यक्तिगत जानकारी (नाम, जन्मतिथि, राष्ट्रीयता, संपर्क विवरण), भारत में निवास का पता, संस्था में प्रवेश की तिथि एवं प्रवेश क्रमांक, पाठ्यक्रम का नाम, अवधि और सेमेस्टर/गैर-सेमेस्टर प्रणाली, शुल्क संरचना, विदेशी क्षेत्रीय पंजीयन कार्यालय में पंजीयन का विवरण, उपस्थिति का विवरण (प्रत्येक छह माह में अपडेट), शैक्षणिक प्रगति एवं परीक्षा परिणाम, विद्यार्थी का सामान्य आचरण, पाठ्यक्रम पूर्ण होने, बीच में छोड़ने अथवा निष्कासन की स्थिति में निकास संबंधी विवरण।

छात्रावास में रहने वालों की अलग से जानकारी

यूजीसी ने स्पष्ट किया है कि छात्रावास में रहने वाले विदेशी विद्यार्थियों की सूचना देने के लिए अतिरिक्त प्रपत्र-दो भरना होगा। प्रपत्र केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह भारतीय इमीग्रेशन कानूनों के पालन एवं राष्ट्रीय सुरक्षा से सीधे जुड़ा विषय है। इसलिए सभी शिक्षण संस्थानों को निर्देश दिए गए हैं कि वे निर्धारित समय-सीमा में सूचनाएं दें। निर्देशों की अनदेखी करने या समय पर जानकारी उपलब्ध नहीं कराने वाले संस्थानों पर कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

4.65 लाख करोड़ से अधिक को होगा मप्र सरकार का बजट

आगामी बजट की तैयारियां शुरू, बजट से अधिक हुआ कर्ज, बढ़ी वित्तीय चिंता

भोपाल। मध्य प्रदेश में आगामी बजट की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस बार वित्त विभाग ने जीरो बेस्ड बजट तैयार करने का फैसला किया है। यानी विभागों को उतनी ही राशि दी जाएगी, जितनी खर्च करने की वास्तविक आवश्यकता होगी। अनुमानतः वित्तीय वर्ष 2026-2027 का बजट 4.65 लाख करोड़ से अधिक का हो सकता है। वित्त विभाग ने जीरो बेस्ड बजट तैयार करने का निर्णय लिया है। वहीं बेहतर वित्तीय प्रबंधन की आवश्यकता को देखते हुए राज्य सरकार ने पहली बार रोलिंग बजट तैयार करने का निर्णय लिया है। इसके तहत एक साथ तीन वर्षों की वित्तीय आवश्यकताओं का आकलन किया जा रहा है, ताकि वित्तीय वर्ष 2028-29 तक की स्पष्ट कार्ययोजना अभी से बनाई जा सके।

जानकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश का बजट मार्च के प्रथम सप्ताह में विधानसभा में प्रस्तुत किया जाएगा। राज्य की सकल घरेलू उत्पाद में औसत वार्षिक वृद्धि दर करीब 10 प्रतिशत बनी हुई है। इसके आधार पर वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए वार्षिक बजट का आकार 4.65 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहने का अनुमान लगाया जा रहा है। वहीं प्रदेश का कुल कर्ज बढ़ते-बढ़ते बजट के आकार से भी अधिक हो चुका है। इसके कारण मूलधन और ब्याज अदायगी का दबाव लगातार बढ़ रहा है। जीएसटी लागू होने के बाद राज्य सरकार के पास कर लगाने के विकल्प सीमित हो गए हैं, जिससे आमदनी बढ़ाना सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। गौरतलब है कि प्रदेश में सबसे अधिक खर्च वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान पर होता है। प्रदेश में वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान का व्यय भी तेजी से बढ़ा है। 2023-24 में वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान पर 97,141 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। वहीं 2024-25 में 1,13,328 करोड़ और 2025-26 में 1,28,340 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं।

पहली बार रोलिंग बजट तैयार करने का निर्णय

बेहतर वित्तीय प्रबंधन की आवश्यकता को देखते हुए राज्य सरकार ने पहली बार रोलिंग बजट तैयार करने का निर्णय लिया है। इसके तहत एक साथ तीन वर्षों की वित्तीय आवश्यकताओं का आकलन किया जा रहा है, ताकि वित्तीय वर्ष 2028-29 तक की स्पष्ट कार्ययोजना अभी से बनाई जा सके। राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 15 प्रतिशत वृद्धि के साथ 4,21,032 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत किया था। इसमें केंद्रीय करों में प्रदेश का हिस्सा 1,11,662 करोड़ रुपये और केंद्रीय सहायता अनुदान 48,661 करोड़ रुपये शामिल थे। वहीं, राज्य ने स्वयं के करों से सात प्रतिशत वृद्धि के साथ 1,09,157 करोड़ रुपये मिलने का अनुमान लगाया था।

अब मप्र में समय पर होंगी विकास योजनाएं

भोपाल। प्रो एक्टिव गवर्नेंस एंड टाईमली इंप्लीमेंट यानी प्रगति पोर्टल की तरह मध्य प्रदेश में भी विकास योजनाओं का समय पर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए सीएम प्रगति पोर्टल आरंभ किया जाएगा। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को सीएम आवास में आयोजित पत्रकारवार्ता में कही। सीएम मुख्यसचिव अनुराग जैन और प्रमुख सचिव राघवेंद्र सिंह, औद्योगिकनीति , निवेश और प्रोत्साहन विभाग के साथ प्रगति पोर्टल की 50 वीं बैठक पूरी होने के उपलक्ष्य में प्रदेश की बड़ी परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी दे रहे थे।

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाली प्रगति पोर्टल की अब तक 50 बैठकें हो चुकी हैं। इस पोर्टल से सभी राज्य के मुख्यसचिव और केंद्रीय सचिव जुड़े हुए हैं। इसी के तहत पीएम गतिशक्ति और सीपी ग्राम पोर्टल भी काम कर रहे हैं। इसमें हर महीने दो लाख पत्र लिखकर जन समस्याओं के निराकरण का प्रयास कर रहा है। जैन ने बताया कि प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में इसकी प्रति माह बैठक होती है, जिसमें सभी राज्यों की लम्बित परियोजनाओं की समीक्षा होती है। मध्य प्रदेश के 7.85 लाख करोड़ के 209 पीएमजी प्रोजेक्ट पोर्टल पर डाले गए हैं। इनमें में 97 पूरे हो गए हैं। पोर्टल के माध्यम से इसमें 322 समस्याएं चिन्हित की गई थीं, इनमें 312 का समाधान कर दिया गया है और 10 के निराकरण का प्रयास जारी है। सबसे अधिक सडक़ प्रोजेक्ट पर काम हुआ है । जबलपुर-गोंदिया ब्रॉडगेज का काम 2003 में शुरू हो चुका था, लेकिन गति बेहद धीमी थी। इस पोर्टल के कारण ब्राडगेज का काम पूरा हो पाया वरना जिस गति से चल रहा था, उस हिसाब से यह 2028 तक पूरा होता।

गुडगवर्नेंस का सबसे बड़ा उदाहरण

सीएम डॉ मोहन यादव ने कहा कि मुख्य सचिव अनुराग जी को भी बधाई। पीएम के साथ यह पोर्टल शुरू कर हमारे यहां अच्छी सेवाएं दे रहे हैं। प्रगति पोर्टल गुड गवर्नेंस का सबसे बड़ा उदाहरण है। बारीकी के साथ काम करना और जवाबदेही के साथ सरकार की छवि सुधारने का काम मोदी सरकार में हुआ है। पूर्वोत्तर राज्यों के विकास में मोदी सरकार कोई कसर नहीं छोड़ रही है। वहां निवेश पर बीस वर्ष तक जीएसटी माफ किया जा रहा है। इंदौर मनमाड़ योजना की प्रगति भी इस पोर्टल के माध्यम से हुई है। मत भिन्नता अपनी जगह है, लेकिन विकास के मामले में सभी राज्यों के साथ एक समान व्यवहार है। राज्यों के बीच बड़े मन से काम करना बड़ी बात है। केन बेतवा में लगभग पूरा पैसा केंद्र सरकार दे रही है। यह बदलता दौर है कार्यसंस्कृति में बदलाव आया है। 108 परियोजनाएं पूर्ण हो गई हैं। 97 प्रतिशत काम समय से पूरा हो गया है।

निलंबित कर्मचारियों से भी पूछताछ करेगी पुलिस

- नोटिस देकर तलब करने की तैयारी
- स्लॉस्टर हाउस के वान में गौमांस मिलने का मामला

भोपाल। स्लाटर के वाहन में गौमांस मिलने के मामले में पुलिस ने जॉच तेज कर दी है। सूत्रों के अनुसार पुलिस उन 11 कर्मचारियों से भी पूछताछ करेगी जिन्हें निलंबित किया गया है। गौरतलब है कि स्लाटर हाउस में गोकशी का मामला सामने आने के बाद शहर की राजनीति में उबाल आया हुआ है। हिंदू संगठनों के अलावा भाजपा और कांग्रेस नेता भी प्रदर्शन कर रहे हैं। राजधानी के जिंसी इलाके में स्थित स्लाटर हाउस में गोमांस के मिलने के मामले में नगर निगम प्रशासन पर सवाल उठ रहे हैं। लगातार विवादों और प्रदर्शन के बाद अब पुलिस की पड़ताल के एंगल भी बदले जाने की बात कही जा रही है। बीते दिन नगर निगम परिषद की बैठक के पहले संभागायुक्त संजीव सिंह ने नगर निगम प्रशासन के पशु चिकित्सक डॉ. बेनी प्रसाद गौर को निलंबित कर दिया है। साथ ही, परिषद बैठक में 11 कर्मचारियों को भी निलंबित कर दिया गया है, जो स्लाटर हाउस के कामकाज को देख रहे थे। अब पुलिस इन सभी से पूछताछ करेगी, ताकि जांच के एंगल में और सही जानकारी मिल सके। इस संबंध में पुलिस ने इस मामले से जुड़े सभी लोगों को तलब करके बयान देने के लिए नोटिस जारी कर तलब करने की तैयारी में है।

सांसद और जिलाध्यक्ष को साथ बैठकर दी समझाइश

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजनीति में छिंदवाड़ा से बड़ी खबर सामने आई है, जहां भाजपा में आंतरिक कलह चरम पर पहुंच गई है। लोकसभा सांसद विवेक 'बंटी' साहू और जिला अध्यक्ष शेषराव यादव के बीच चल रही खींचतान को लेकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने दोनों नेताओं को भोपाल स्थित पार्टी कार्यालय में तलब किया। दोनों को साथ बैठाकर बातचीत कराई गई और पार्टी की एकता बनाए रखने का सख्त अल्टीमेटम दिया गया।

छिंदवाड़ा जिले में भाजपा की जिला इकाई में लंबे समय से गुटबाजी चल रही है। सांसद बंटी साहू और जिलाध्यक्ष शेषराव यादव के बीच मतभेद खुलकर सामने आ चुके हैं। जिलाध्यक्ष की बैठकों में सांसद शामिल नहीं हो रहे थे, जबकि शेषराव यादव सांसद के खिलाफ बयानबाजी कर रहे। यह विवाद जिला कार्यकारिणी गठन, पदों के बंटवारे और संगठनात्मक फैसलों को लेकर गहरा गया था। भोपाल में हुई बैठक में प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने दोनों नेताओं से कहा कि लंबे संघर्ष के बाद पार्टी ने छिंदवाड़ा में सफलता हासिल की है, लेकिन वर्तमान स्थिति पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा रही है। दोनों को पार्टी हित में मतभेद भुलाकर एकजुट काम करने का निर्देश दिया गया। संगठन महामंत्री हितानंद ने मध्यस्थता की और खींचतान तुरंत खत्म करने की चेतावनी दी। भाजपा सूत्रों के अनुसार, बैठक सकारात्मक रही और दोनों नेताओं ने पार्टी निर्देश मानने का आश्वासन दिया है।

कल मंत्रालय का घेराव करेंगे कर्मचारी

भोपाल। भोपाल के कर्मचारी पांच सूत्रीय मांगों के समर्थन मे 16 जनवरी को दोपहर 2 बजे मंत्रालय का घेराव करेंगे तथा मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौपेंगे। यह निर्णय कर्मचारी मंच, मंत्रालय अधिकारी कर्मचारी संघ, तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ, वाहन चालक कर्मचारी संघर्ष मोर्चा, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी मोर्चा द्वारा संयुक्त रूप से लिया गया है। 16 जनवरी के आंदोलन का आह्वान इंजीनियर सुधीर नायक, विजय मिश्रा, डॉ. अनिल भार्गव, मयूर उपाध्याय, राजकुमार पटेल, सत्येंद्र पांडे, चांद सिंह, थावरिया भील, भानु प्रताप सिंह, हरि सिंह दरबार, प्रीतम सिंह मेहर, हरि सिंह, गुड्डू गुर्जर, लव प्रकाश पाराशर, नितिन गुप्ता, घनश्याम कटारे, सुनील पाठक, अभिमन्यु विश्वकर्मा आदि ने किया है। आंदोलन का समर्थन मप्र सर्वजन न्याय मंच, ग्रामीण डाक कर्मचारी संघर्ष मोर्चा, सवर्ण अधिकारी कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा आदि ने किया है। मप्र कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि राज्य सरकार लंबे समय से प्रदेश के कर्मचारियां की मांगों को संज्ञान में नहीं ले रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार के गठन हुए 2 वर्ष का समय बीत गया, लेकिन सरकार ने कर्मचारियों की एक भी मांग को मंजूर नहीं किया है, ना ही कर्मचारी संगठनों से संवाद किया है। सरकार न्यायालय के आदेशों का पालन करके कर्मचारियों को उसका लाभ नहीं दे रही है। पदोन्नति प्रक्रिया शुरू नहीं की जा रही है। कर्मचारियों को केंद्र के सामान डीए नहीं दिया गया है। कर्मचारियो की मांग है कि सरकार ने 22 दिसंबर 2025 को कर्मचारी विरोधी आदेश जारी किया है उसे निरस्त किया जाए। उच्च न्यायालय जबलपुर के आदेश दिनांक 6 जनवरी 2026 को लागू करके कर्मचारियों को उसका लाभ दिया जाए।

घटना स्थल पर ही मॉडर्न ट्रीटमेंट मिलने से बचेगी जान

एम्स भोपाल-आईआईटी इंदौर बना रहे दुनिया का पहला पोर्टेबल 3 डी एक्स-रे

भोपाल । भारत में सडक़ हादसों और ग्रामीण इलाकों में घायल मरीजों की मौत का सबसे बड़ा कारण समय पर मॉडर्न ट्रीटमेंट न मिल पाना है। सीटी स्कैन जैसी जरूरी जांचें सीमित सेंटर्स में ही उपलब्ध हैं, जिसके चलते मरीज इलाज से पहले ही गंभीर स्थिति में पहुंच जाते हैं। इसी समस्या का समाधान ढूंढने के लिए एम्स भोपाल और आईआईटी इंदौर ने मिलकर एक ऐसी डिवाइस बनानी शुरू की है, जो अस्पताल से बाहर ही सीटी स्कैन जैसी हाई-डेफिनेशन 3डी इमेज दे सकेगी। आईसीएमआर ने इस प्रोजेक्ट को मंजूरी देते हुए 8 करोड़ रुपए की फंडिंग स्वीकृत कर दी है। दावा है कि यह दुनिया की पहली एआई बेस्ड पोर्टेबल थ्री-डी एक्स-रे यूनिट होगी।

अकेले मध्यप्रदेश में हर साल डेढ़ लाख लोग सडक़ हादसों और घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। इनमें कई मरीज समय पर इलाज न मिलने के कारण जान गंवा देते हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के विश्लेषण में पाया गया कि ट्रॉमा मरीजों की मौत में सबसे बड़ा योगदान जांच तक की दूरी का है। शहरों से बाहर सीटी स्कैन जैसी तकनीक लगभग उपलब्ध नहीं होती। जब तक प्राथमिक केंद्र से रेफर होकर मरीज बड़े शहर पहुंचता है, तब तक उसकी हालत गंभीर हो चुकी होती है।

अभी टेक्नोलॉजी महंगी और गैर-पोर्टेबल

वर्तमान समय में उपलब्ध आधुनिक जांच तकनीक काफी महंगी है और उसे लगाने के लिए बड़े केंद्र, विशेषज्ञ टीम और भारी मशीनरी की जरूरत होती है। ट्रॉमा मरीजों की जांच के लिए सबसे जरूरी मानी जाने वाली सीटी स्कैन मशीनें केवल बड़े अस्पतालों में ही हैं। यह कमी मरीजों के सामने दो बड़ी रुकावटें पैदा करती है। सही जांच नहीं होने से इलाज सही दिशा में नहीं हो पाता है। दूसरी तरफ समय की कमी के कारण जान का खतरा बढ़ जाता है। नई पोर्टेबल यूनिट इन दोनों चुनौतियों का सीधा समाधान होगी।

ऐसे काम करेगी 3डीएआई-पोटेबल एक्स-रे यूनंट

एम्स भोपाल और आईआईटी इंदौर एक ऐसी यूनिट बना रहे हैं, जो बेहद कम रेडिएशन के साथ सीटी स्कैन जैसी थ्री-डी इमेज दे सके। यह यूनिट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एडवांस्ड कम्प्यूटेशनल प्रोसेसिंग पर आधारित होगी। इसमें एक्स-रे आधारित इमेज को मल्टी-एंगल तरीके से कैप्चर किया जाएगा। एआई ऐल्गोरिद्म इमेज को 3डी फॉर्म में कन्वर्ट करेगा। रेडिएशन सीटी स्कैन की तुलना में लगभग 500 गुना कम होगा और इमेज मोबाइल या स्क्रीन पर दिख जाएगी। इससे डॉक्टर बिना अस्पताल जाए चोट की वास्तविक स्थिति समझ पाएंगे।

इमरजेंसी के लिए किया डिंजाइन

एम्स भोपाल के मैक्सोफेशियल सर्जन डॉ. बी.एल. सोनी और डॉ. अंशुल राय इस प्रोजेक्ट के प्रमुख शोधकर्ता हैं। डॉ. राय ने बताया कि मशीन पूरी तरह पोर्टेबल होगी और इसे एंबुलेंस व आपदा स्थल पर भी चलाया जा सकेगा। इससे फायदा यह होगा कि सडक़ हादसों में मौके पर जांच हो सकेगी। गांवों में बिना रेफर किए मरीज का मूल्यांकन किया जा सकेगा। वहीं, गोल्डन आवर में ही सही इलाज शुरू किया जा सकेगा। यानी अस्पताल जाने से पहले ही बचाव संभव होगा।

न्यूजीलैंड का भारत में वनडे का सबसे सफल रन चेज, भारतीय गेंदबाजों पर भारी पड़ी मिचेल-यंग की साझेदारी

राजकोट । डेरिल मिचेल के नाबाद शतकीय पारी और विल यंग तथा ग्लेन फिलिप्स की शानदार पारियों से न्यूजीलैंड ने दूसरे वनडे में भारत को सात विकेट से हराया। भारत ने केएल राहुल के शतक की बदौलत 50 ओवर में सात विकेट पर 284 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड ने मिचेल के 117 गेंदों पर 11 चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 131 रन की पारी के सहारे 47.3 ओवर में तीन विकेट पर 286 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबरी पर आ गई। यह जीत न्यूजीलैंड के लिए कई मायनों में खास रही। यह 2023 के बाद भारत के खिलाफ वनडे में उनकी पहली जीत है, इससे पहले उन्हें लगातार आठ मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं भारत में भी न्यूजीलैंड ने 2017 के बाद पहली बार वनडे मुकाबले में भारत को हराया है, जहां उसे लगातार आठ मैचों में शिकस्त मिली थी।

न्यूजीलैंड का वनडे में सबसे सफल रन चेज

लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने दो विकेट जल्दी गंवा दिए थे, लेकिन इसके बाद डेरिल मिचेल और विल यंग ने तीसरे विकेट के लिए 162 रनों की अहम साझेदारी कर मैच का रुख पलट दिया। यंग शतक से चूक गए और 98 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 87 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद मिचेल ने ग्लेन फिलिप्स के साथ पारी को संभाला और टीम को जीत तक पहुंचाया। फिलिप्स ने 25 गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 32 रन बनाए। भारत की ओर से हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा और कुलदीप यादव को एक-एक विकेट मिला।

रिकॉर्ड्स की बात करें तो, यह भारत में वनडे क्रिकेट में न्यूजीलैंड द्वारा किया गया अब तक का सबसे बड़ा सफल रन चेज है। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ सफल लक्ष्य पीछा 2017 में मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में 281 रन का था। कुल मिलाकर भारत के खिलाफ वनडे में न्यूजीलैंड का यह पांचवां सबसे बड़ा सफल रन चेज रहा, जिसमें 2020 में हैमिल्टन में 348 रन का रिकॉर्ड शीर्ष पर है। इसके अलावा राजकोट में यह पांच मैचों में पहली बार हुआ जब लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को जीत मिली।

केएल राहुल ने जड़ा शतक

इससे पहले, केएल राहुल की नाबाद शतकीय पारी के दम पर भारत ने न्यूजीलैंड के सामने 285 रनों का लक्ष्य रखा। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। केएल राहुल ने 92 गेंदों पर 11 चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 112 रन बनाए जिसके दम पर भारत ने 50 ओवर में सात विकेट पर 284 रन बनाए। भारत के लिए राहुल के अलावा शुभमन गिल ने 56 रन बनाए, जबकि अन्य बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके।

सस्ते में आउट हुए रोहित-विराट

भारत के लिए राहुल और गिल के अलावा रवींद्र जडेजा ने 27, रोहित शर्मा ने 24, विराट कोहली ने 23, नीतीश कुमार रेड्डी ने 20, श्रेयस अय्यर ने आठ और हर्षित राणा ने दो रन बनाए। मोहम्मद सिराज दो रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड के लिए क्रिस्टन क्लार्क ने तीन विकेट झटके, जबकि काइल जैमिसन, जकारी फोक्स, जेडन लोनोक्स और माइकल ब्रेसवेल को एक-एक सफलता मिली।

पूर्व पाक क्रिकेटर अजमल ने आईसीसी पर निशाना साधा

बीसीसीआई के दबाव में फैसले लेने का आरोप लगाया

कराची। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर सईद अजमल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पर जमकर निशाना साधा है। अजमल ने कहा है कि अगर आईसीसी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के दबाव में फैसले लेती है तो उसका रहने का कोई मतलब नहीं है। अजमल ने कहा, 'अगर आईसीसी विश्व क्रिकेट के हित में निष्पक्ष तरीके से फैसला नहीं कर सकती है तो उसे अपना कामकाज बंद कर देना चाहिए। अजमल ने कहा कि आज अधिकतर टेस्ट खेलने वाले देशों का मानना है कि विश्व क्रिकेट में भारतीय बोर्ड का दबदबा है और आईसीसी भी उसकी बात नहीं टाल पाता पर कोई भी खुलकर ये बात नहीं कहता है। उन्होंने कहा कि भारत का आईसीसी प्रतियोगिताओं में भी पाकिस्तान में खेलने से इनकार करना साबित करता है कि उसपर विश्व संस्था का कोई दबाव नहीं चल पाता है। आईसीसी एक प्रकार से बीसीसीसीआई के आधीन नजर आता है। अजमल के अनुसा भारतीय टीम बिता किसी ठोस कारण के पाकिस्तान में खेलने से इंकार कर देती है और आईसीसी इसे मान लेती है। इसका एक कारण ये भी है कि अब इसमें आईसीसी चेयरमैन सहित अधिकतर भारतीय शामिल हैं। गौरतलब है कि भारतीय टीम सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान की यात्रा नहीं करती है। भारत सरकार का मानना है कि जब तक पाक आतंक वाद को समर्थन देता रहेगा उससे खेला नहीं जा सकता है। केवल आईसीसी टूर्नामेंटों में ही भारतीय टीम पाक से खेलती है। इससे पहले भी पाक के कई क्रिकेटरों ने भारतीय टीम के पाकिस्तान दौरे पर नहीं आने की आलोचना करते हुए कहा है कि खेल को राजनीति से अलग रखा जाना चाहिये।

पाक मूल के चार अमेरिकी खिलाड़ियों को अब तक नहीं मिला टी20 विश्वकप के लिए वीजा

मुम्बई । अमेरिकी क्रिकेट टीम में शामिल पाकिस्तानी मूल के चार खिलाड़ियों को अभी तक वीजा नहीं मिला है। ऐसे में इनके अगले माह भारत और श्रीलंका में संयुक्त रुप से होने वाले टी20 विश्वकप में खेलने पर संशय बना हुआ है। पाक मूल के अमेरिकी तेज गेंदबाज अली खान ने सोशल मीडिया में कहा है कि भारत ने उनका वीजा आवेदन खारिज कर दिया गया है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका के चार खिलाड़ियों के वीजा आवेदन अभी भी पूरे नहीं हुए हैं। इससे टूर्नामेंट की तैयारियों को लेकर अनिश्चितता और बढ़ गई है। इससे पहले भी टीमों की यात्रा और मेजबानी को लेकर परेशानियां आयीं थीं।

अमेरिका की टीम के चार खिलाड़ी अली खान, शयान जहांगीर, मोहम्मद मोहसिन और एहसान आदिल अभी तक वीजा मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। ये सभी खिलाड़ी पाक मूल के हैं। ये खिलाड़ी अभी विश्वकप की तैयारी के लिए अमेरिका टीम के साथ श्रीलंका दौरा पर हैं। इन खिलाड़ियों ने कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग में वीजा के लिए आवेदन किया पर अभी तक इन्हें वीजा नहीं मिला है। कहा जा रहा है कि इस आवेदन की अभी समीक्षा हो रही है। ।

वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के एक अधिकारी के अनुसार, खिलाड़ियों से पहले सभी जरूरी दस्तावेज जमा कर दिए थे। इस मामले में कुछ जरूरी सूचनाएं मिल चुकी हैं, जबकि कुछ जानकारी अभी भारत के विदेश मंत्रालय से आनी बाकी है। प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही खिलाड़ियों से आगे संपर्क किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ियों के वीजा आवेदन भारतीय सरकार के नियमों के तहत 'विशेष श्रेणी' में आते हैं। उन्होंने साफ किया कि यह अतिरिक्त जांच किसी खिलाड़ी, टीम या टूर्नामेंट के खिलाफ नहीं होती, बल्कि यह तय नियमों के अनुसार की जाती है। गौरतलब है कि पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ियों को भारत आने में वीजा देरी का सामना करना पड़ा है, चाहे वे किसी भी देश की टीम से खेलते हों।

विराट ने सचिन का रिकार्ड तोड़ा

राजकोट। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ राजकोट में दूसरे एउकदिवसीय मैच में चार रन बनाते ही अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली। इसी के साथ ही विराट न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय मैचों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम था। सचिन ने कीवी टीम के खिलाफ 42 एकदिवसीय मैचों में 1750 रन बनाए थे जबकि राजकोट वनडे में पहला रन बनाते ही कोहली के 34 एकदिवसीय मैचों में 1751 रन हो गये। वहीं पहले एकदिवसीय में विराट को सचिन की बराबरी करने के लिए 93 रन की जरूरत थी जो उन्होंने 93 रन बनाकर हासिल कर ली थी। उस मुकाबले के बाद विराट और सचिन, दोनों के ही न्यूजीलैंड के खिलाफ 1750-1750 रन हो गए थे और दोनों संयुक्त रूप से पहले स्थान पर थे पर राजकोट में पहला ही रन बनाते ही कोहली रनों के मामले में सचिन से आगे निकल गये।

वहीं विराट आई सीसीसी एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में एक बार फिर से नंबर एक पर पहुंच गये हैं। उन्होंने इस प्रारुप में लगातार पांच अर्धशतक लगाये हैं। वहीं रोहित शर्मा तीसरे नंबर पर खिसक गये हैं। विराट चार साल के बाद फिर शीर्ष पर पहुंचे हैं। कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में 93 रन बनाए थे जिससे सूची में वह दूसरे नंबर पर पहुंच गये थे।

एशियन गेम्स 2026 मुकाबले 19 सितंबर से शुरु होंगे

नई दिल्ली। जापान में होने वाले आइची-नागोया एशियन गेम्स क्रिकेट 2026 मुकाबलों का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। ये मुकाबले 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक चलेंगे हालांकि क्रिकेट सहित कई अन्य मुकाबले 17 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच खेले जाएंगे। इसमें क्रिकेट के मुकाबले टी20 प्रारुप में खेले जाएंगे। इसमें पुरुष और महिला दोनों ही टीमों के बीच मुकाबले होंगे। ये सभी मुकाबले आइची प्रीफेक्चर के कोरोजी एथलेटिक पार्क में आयोजित किये जाएंगे।

इसमें महिला वर्ग के मुकाबले 17 सितंबर से शुरू हो जाएंगे। इसके पदक मुकाबले 22 सितंबर से शुरू होंगे। इसमें क्वार्टर फाइनल से ही आठ टीमें सीधे ही नॉकआउट प्रारुप में उतरेंगी। इसमें भारतीय टीम मौजूदा चैंपियन होने के कारण अपने खिताब को बचाने उतरेगी। पुरुष टीम का क्रिकेट मुकाबला 24 सितंबर जबकि पदक मुकाबले 3 अक्टूबर से होंगे। इस टूर्नामेंट में कुल 10 टीमें शामिल होंगी। शीर्ष चार टीमें सीधे क्वार्टर

20th Asian Games
Aichi-Nagoya 2026

फाइनल में पहुंचेंगी जबकि शेष छह टीमें बाकी चार जगहों के लिए मुकाबले खेलेंगी। इस दौरान सभी मैच डबल-हेडर (एक ही दिन में दो मैच होंगे। ये मैच भारतीय समय के मुताबिक सुबह 5:30 बजे और सुबह 10:30 बजे शुरू होंगे।

महिला क्रिकेट टूर्नामेंट 17 सितंबर से शुरू होगा। इसमें 8 टीमें हिस्सा लेंगी और मुकाबले नॉकआउट प्रारुप में खेले जाएंगे। भारत इस प्रतियोगिता में मौजूदा चैम्पियन के तौर पर उतरेगा, उसने 2023 के फाइनल में श्रीलंका को हराकर स्वर्ण पदक जीता था।

महिला क्रिकेट कार्यक्रम -

17 सितंबर- क्वार्टरफाइनल 1 और 2

18 सितंबर- क्वार्टरफाइनल 3 और 4

20 सितंबर- सेमीफाइनल 1 और 2

22 सितंबर- कांस्य पदक मुकाबला और स्वर्ण पदक फाइनल

पुरुष क्रिकेट- 10 टीमों के बीच होगा मुकाबला

वहीं पुरुषों की क्रिकेट प्रतियोगिता 24 सितंबर से शुरू होगी, जिसमें 10 टीमें पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। टूर्नामेंट में पहले प्राथमिक दौर खेला जाएगा, ताकि निचली रैंक की टीमें नॉकआउट चरण में जगह बना सकें। पिछले संस्करण के अनुसार, शीर्ष-4 रैंकिंग वाली टीमें सीधे क्वार्टरफाइनल में प्रवेश करेंगी, जबकि शेष 6 टीमें बाकी चार स्थानों के लिए खेलेंगी।

रोहित ने एकदिवसीय में अपने 7,000 रन पूर किये

राजकोट । भारतीय क्रिकेट के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में अपनी 24 रनों की पारी के दौरान ही एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम किया। रोहित ने इस मैच में अपने 7000 रन पूरे कर लिए। रोहित ने इस मैच के साथ ही एशिया में 7,000 एकदिवसीय रन पूरे कर लिए। इसके साथ ही वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले सातवें बल्लेबाज़ बन गए। इस खास क्लब में पहले से सचिन तेंदुलकर, महेन्द्र सिंह धोनी, विराट कोहली और श्रीलंका के कुछ दिग्गज बल्लेबाज़ शामिल हैं। रोहित ने साल 2007 में आयरलैंड दौरे पर भारत के लिए अपना एकदिवसीय डेब्यू किया था। तब से लेकर अब तक वह 281 एकदिवसीय मैचों में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

ब्रैंडन किंग की कप्तानी में अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में उतरेगी वेस्टइंडीज

जमैका। वेस्टइंडीज ने अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए वाले ब्रैंडन किंग की कप्तानी में अपनी टीम घोषित कर दी है। इस टीम में युवा क्वेंटिन सैम्पसन को पहली बार शामिल किया गया है। ये सीरीज 9 से 22 जनवरी तक दुबई में खेली जाएगी। नियमित कप्तान शाई होप के नहीं होने से ब्रैंडन को कप्तानी मिली है। होप अभी एस20 में व्यसत हैं। होप के अलावा रोस्टन चेज, अकील हुसैन और शेरफेन रदरफोर्ड भी टीम में नहीं हैं। 25 वर्षीय गयाना अमेजन वॉरियर्स के बल्लेबाज सैम्पसन कैरेबियन प्रीमियर लीग 2025 के बेहतरीन खिलाडियों में से एक थे, उन्होंने नौ मैचों में 151.57 के स्ट्राइक रेट से 241 रन बनाए थे। शमर जोसेफ और एविन लुईस भी टीम में वापस आ गए हैं, पिछली सीरीज में लगी चोटों से उबरने के बाद उन्हें खेलने की मंजूरी मिल गई है। अल्जारी जोसेफ, जो पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण भारत में टेस्ट सीरीज से बाहर थे, उन्हें रिहैबिलिटेशन में प्रगति के बावजूद टीम में शामिल नहीं किया गया है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कहा कि यह फैसला मेडिकल जांच के बाद लिया गया है, तेज गेंदबाज को टी20 विश्व कप के लिए संभावित चयन से पहले निगरानी में रखा जाएगा। वहीं काम का बोझ कम करने के लिए वकर्लोड मैनेजमेंट के तहत रोवमैन पॉवेल को जेसन होल्डर और रोमारियो शेफर्ड के साथ सीरीज से आराम दिया गया है। मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा कि अफगानिस्तान सीरीज भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

टी20 सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम

ब्रैंडन किंग (कप्तान), एलिक अथानाज़े, केसी कार्टर, जॉनसन चार्ल्स, मैथ्यू फोर्डे, जस्टिन ग्रीव्स, शिमरोन हेटमायर, आमिर जांगू, शमर जोसेफ, एविन लुईस, गुडाकेश मोती, खैरी पियरे, क्वेंटिन सैम्पसन, जेडन सील्स, रेमन सिमंड्स, शमर स्प्रिंगर।

डब्ल्यूपीएल में हरमनप्रीत के अर्धशतक से मुम्बई ने गुजरात जायंट्स को हराया

नई दिल्ली। कप्तान हरमनप्रीत कौर के शानदार अर्धशतक से मुंबई इंडियंस ने यहां महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट (डब्ल्यूपीएल) के मैच में गुजरात जायंट्स को सात विकेट से हरा दिया। इस मैच में हरमनप्रीत ने 71 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी और वह अंत तक आउट नहीं। भारती फुलमाली 36 और जॉर्जिया वेयरहैम के 43 रनों की सहायता से गुजरात जाइंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 192 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य की शुरुआत करते हुए मुम्बई इंडियंस की ओर से हरमनप्रीत ने तेजी से खेलते हुए 33 गेंद में ही अपने 50 रन पूरे कर लिए। हरमनप्रीत ने इसी के साथ ही डब्ल्यूपीएल में अपना 10 वां शतक लगाया। वहीं हरमनप्रीत के इस लीग में एक हजार रन भी पूरे हो गये हैं। उन्होंने 43 गेंद में सात चौकों और दो छक्के लगाकर 71 रन भी बनाये। वहीं मुंबई के दो विकेट पावरप्ले में ही 37 रन पर गिर गए।

दोनों के बीच 43 गेंद में 84 रन की साझेदारी

भी हुई। मुंबई ने इस मैच में चार गेंद शेष रहते जीत दर्ज की। मुंबई के दो विकेट पावरप्ले के अंदर ही 37 रन पर गिर गए थे। इसके बाद हरमनप्रीत ने अमनजोत कौर के साथ 44 गेंद में 72 रन की साझेदारी कर टीम को आगे बढ़ाया। अमनजोत 40 रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद निकोल कैरी ने तेजी से छह चौके लगाकर 22 गेंद में नाबाद 37 रन बनाकर टीम को लक्ष्य की ओर बढ़ाया। निकोल और हरमनप्रीत के बीच 43 गेंद में 84 रन की साझेदारी हुई जिससे टीम ने आसानी से जीत हासिल कर ली।

जीत के बाद भी कमजोर गेंदबाजी से नाराज दिखीं हरमनप्रीत

नई दिल्ली। मुम्बई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर गुजरात जॉयंटस के खिलाफ जीत के बाद भी संतुष्ट नजर नहीं आयी। हरमनप्रीत का मानना था कि टीम के गेंदबाजों ने उम्मीद के अनुसार गेंदबाजी नहीं की और काफी रन दे दिये। ऐसे में आगे के मुकाबलों के लिए टीम को सतर्क रहना होगा। इस मैच में गुजरात जायंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 192 रन बनाए थे। वहीं इसके बाद जीत के लिए मिले 193 रनों के लक्ष्य को टीम ने हरमनप्रीत के 71 रनों की पारी से हासिल कर लिया था। मैच के बाद हरमनप्रीत ने कहा,' मुझे लगता है कि गेंदबाजी करते समय हमने बहुत अधिक रन दे दिए थे।

ऑस्ट्रेलिया के कॉककिनाकिस चोटिल होने के कारण एडिलेड इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हुए

एडिलेड । ऑस्ट्रेलिया के थानासी कोकिनाकिस कंधे में चोट के कारण एडिलेड इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट से बाहर बाहर हो गये हैं। इससे वैलेंटीन वैचेरोट वॉकओवर के साथ ही क्वार्टर-फाइनल में पहुंच गए हैं। अब यहां वैचेरोट का मुकाबला शीर्ष वरीयता प्राप्त एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना या रिंकी हिजिकाटा के बीच होने वाले मैच के विजेता खिलाड़ी से होगा।

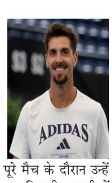

कोकिनाकिस ने सर्जरी के कारण लंबे समय के बाद एकल मुकाबलों में वापसी की थी पर बदकिस्मती से वह चोटिल होकर फिर बाहर हो गये। वह सर्जरी कारण करीब एक साल तक खेल से दूर रहे थे। इस खिलाड़ी ने कंधे में दर्द के बाद भी अपने पहले एकल मुकाबले में जीत हासिल की थी। उन्होंने फाइनल-सेट टाई-ब्रेक में सेबेस्टियन कोर्डा को हराया हालांकि पूरे मैच के दौरान उन्हें अपने दाहिने कंधे में दर्द हो रहा था।

पिछली फरवरी में, कोकिनाकिस के दाहिने पेक्टोरल मांसपेशी और कंधे की सर्जरी हुई थी। इसके बाद उन्होंने, पिछले सप्ताह ब्रिसबेन इंटरनेशनल में निक किर्गियोस के साथ युगल में वापसी की, लेकिन अपने गृहनगर में सेंटर कोर्ट पर कदम रखने पर एकलमें वापसी के दौरान उनकी चोट फिर से उभर आई ।वह हालांकि 18 जनवरी से ऑस्ट्रेलियन ओपन में खेल सकते हैं।

विराट, गंभीर और रोहित में मतभेद नहीं - कोटक

राजकोट । भारतीय क्रिकेट टीम में बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा है कि मुख्य कोच गौतम गंभीर और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के बीच किसी भी प्रकार के मतभेद नहीं है। कोटक ने कहा कि दोनो के बीच मतभेद को लेकर आ रही बातें निराधार हैं। ऐसा कुछ भी नहीं है। इससे पहले कहा जा रहा था कि विराट और गंभीर एक-दूसरे को बिलकुल भी पसंद नहीं करते और दोनों के रिश्तों में काफी दूरी आ गयी है। कोटक ने विराट के अलावा सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और मुख्य कोच गंभीर के बीच खराब संबंधों की अटकलों को भी सिरे से नकार दिया। कोटक के अनुसार ये दोनों अनुभवी खिलाड़ी टीम की योजनाओं में पूरी तरह से शामिल रहते हैं। साथ ही कहा कि ये दोनो ही अगले साल होने वाले विश्व कप की तैयारी को लेकर बनायी जा रही रणनीति का भी हिस्सा हैं। बल्लेबाजी

कोच ने कहा,

वे रणनीति बनाते हैं। अब जबकि दोनों एक ही प्रारुप खेल रहे हैं तो वे चाहते हैं कि भारत हर मैच जीते। दोनों के पास इतना अनुभव है कि वे बाकी खिलाड़ियों के साथ अपने विचार साझा करते हैं और चर्चा करते हैं। वे गंभीर के साथ ही एकदिवसीय प्रारुप पर भी बात करते हैं और दक्षिण अफ्रीका में होने वाले विश्व कप के लिए रणनीति पर भी बात करते है। कोटक ने ये भी कहा कि मार्च में टी-20 विश्व कप खत्म होने के बाद भारत को 34वें ओवर के बाद एक नई गेंद के नियम को ध्यान में रखते हुए अपनी बल्लेबाजी पर फिर से काम करना होगा।

सिंधु इंडिया ओपन के पहले ही दौर में हार के साथ बाहर हुई

नई दिल्ल। भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में हार के साथ ही बाहर हो गयी हैं। सिधु को महिला एकल के पहले दौर में ही वियतनाम की थुई लिन एनगुएन ने कड़े मुकाबले में 22-20, 12-21, 15-21 से हराया। सिंधु ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहला गेम जीता पर वह उसे बरकरार नहीं रख पायीं और एक घंटे से अधिक समय तक चले मैच में हार गयीं। वहीं दूसरे और तीसरे गेम में एनगुएन ने बेहतर फिटनेस और आक्रामक खेल का प्रदर्शन कर मैच पर कब्जा कर लिया। सिंधु इसी के साथ ही इस साल की शुरुआत के दूसरे मुकाबले से ही बाहर हो गयी हैं। वह पिछले सप्ताह मलेशिया ओपन सुपर 1000 में सेमीफाइनल तक में पहुंची थी पर वहां उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। संधु से प्रशंसकों को घरेलू कोर्ट पर उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की पर उनकी हार से सभी को निराशा हुई। वहीं इस जीत के साथ ही एनगुएन ने इस जीत के साथ ही टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया है।

अंबामांई मेले में उमड़ा आस्था का जन सैलाब

पद्मेश न्यूज। कटंगी। कटंगी तहसील मुख्यालय से करीब 08 दूर सिवनी रोड़ पर घने जंगल के बीच स्थित अंबामांई में बुधवार 14 जनवरी मकर संक्रांति के दिन से 05 दिवसीय मेले की शुरूआत हो गई। पहले ही दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने अंबा माई पहुंचकर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया। मकर संक्रांति को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। मंदिर प्रबंधन के अनुसार सुबह से ही भक्तों का मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना करने का सिलसिला शुरू हो गया था। दोपहर 03 बजे के बाद मंदिर परिसर में अचानक से भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। लगातार बढ़ रही भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट नजर आया। थाना प्रभारी धमेन्द्र कुसराम पुलिस जवानों के साथ मेला स्थल पर तैनात रहे। मेला क्षेत्र में बढ़ती भीड़ को देखते हुए वाहनों को मेला

स्थल से पहले ही पार्किंग की व्यवस्था बनाई गई है ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू बना रहे। धर्मप्रेमियों को किसी भी प्रकार की परेशानी ना हो।

गौरतलब हो कि अंबामांई केवल आस्था का केन्द्र ही नहीं बल्कि प्रकृति की गोद में नहलेसरा जलाशय के किनारे बसा एक खास पिकनिक स्पॉट है। यहां हर साल मकर संक्रांति में लगने वाला मेला भी खास होता है। यहीं कारण है कि अंबामाई में कटंगी-तिरोड़ी तहसील के अलावा बालाघाट की अन्य तहसीलों के अलावा सीमावर्ती सिवनी जिले के लोग भी आते है। मकर संक्राति पर अंबामांई मंदिर में सुबह से ही लोगों की आवाजाही शुरू हो गई थी, जो देर शाम तक जारी रहेगी। माता रानी के भक्तों ने आज मंदिर पहुंचकर माता को तिल-गुड़ का प्रसाद अर्पित किया। हर साल की तरह इस बार भी बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी, जिससे पूरा इलाका मेले की रौनक से गुलजार नजर आया। बच्चों और युवाओं में मेले को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। मेले में दैनिक उपयोग की वस्तुएं, घरेलू सामान, बच्चों के खिलौने और खाने-पीने की दुकानों पर लोगों की खासी भीड़ देखी गई। लोगों ने अपनी जरूरत के सामान की खरीदारी की और परिवार के साथ मनोरंजन का भरपूर आनंद लिया।

अंबामांई मेला समिति ने बताया कि मकर संक्रांति पर आयोजित यह मेला केवल खरीदारी का माध्यम नहीं रहा, बल्कि ग्रामीण संस्कृति, आपसी मेल-जोल और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक भी है। 05 दिनों तक अब अंबामांई में लोगों का सतत आना-जाना होता रहेगा। यह मेला हर साल मकर संक्रांति पर आयोजित होता है और क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान बन चुका है। लोग पूरे वर्ष इस मेले का बेसब्री से इंतजार करते हैं।

आरसीसी नाली का किया जा रहा घटिया निर्माण कार्य

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। जनपद पंचायत किरनापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत पाला के चौक मे आर सी सी नाली निर्माण कार्य का घटिया निर्माण कार्य किया जा रहा है। जिससे उक्त आर सी सी नाली की गुणवत्ता पर ग्रामीणों द्वारा अनेकों सवाल खड़े किए जा रहे। इस संबंध मे ग्रामीणों ने जानकारी मे बताया कि पंचायत के सरपंच सचिव द्वारा आर सी सी नाली निर्माण में लोहे की सलाखें कम मात्रा मे लगाई गई है। एक लाइन में सिर्फ एक एक रॉड लगाकर सिर्फ लीपापोती की जा रही हैं। वही घटिया गिट्टी, रेत का उपयोग किया गया है। जिससे कमजोर नाली का निर्माण किया गया है। इस विषय पर ग्रामीणों ने जनपद पंचायत के संबंधित उपयंत्री एवं अधिकारियों को नाली निर्माण कार्य की सूक्ष्मता से जांच किया जाना चाहिए जिससे शासन की राशि का बंदरबाट ना होने पाएं।

मुमुक्षुओं के सत्कार के लिए निकला वरघोड़ा

13 और 14 वर्ष के मुमुक्षुओं ने बताया क्यों चुना यह मार्ग

पद्मेश न्यूज। कटंगी। सांसारिक मोह-माया और भौतिक सुखों का त्याग कर, आत्मा की शुद्धि और मोक्ष प्राप्ति के लिए दीक्षा का मार्ग चुनने वाले रायपुर के प्रतिष्ठित परिवार से ताल्लुक रखने वाले मुमुक्षुओं का कटंगी नगर में जोरदार तरीके से स्वागत सत्कार किया गया। 14 जनवरी बुधवार की सुबह 09 बजे स्थानीय जैन मंदिर से बाजे-गाजे के साथ सभी मुमुक्षुओं को रथ पर सवार कर वरघोड़ा (शोभायात्रा) निकाला गया। जिसने पूरे शहर का भम्रण करने के बाद दोपहर 12 बजे यथास्थान पर विराम लिया। इस ऐतिहासिक वरघोड़ा में जैन धर्म की आस्था, श्रद्धा और उल्लास का अनुपम दृश्य देखने को मिला। बैंड-बाजे, के साथ निकले वरघोड़ा में महिला-पुरुष हाथों में धर्म ध्वजाएं लेकर जैन धर्म और जैनाचार्यों के जयघोष करते चल रहे थे। जिससे पूरा वातावरण धर्ममय और भाव-विभोर नजर आया। जैन समाज के अलावा सकल समाज के लोग भी इस शोभायात्रा में शामिल हुए। नगर में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर मुमुक्षुओं का स्वागत-सत्कार और अभिनंदन किया गया। शोभायात्रा के दौरान मुमुक्षुओं ने भी अपने पास की धन राशि न्यौछावर की। सांसारिक जीवन छोड़कर संयम का मार्ग अपनाने के लिए तैयार मुमुक्षुओं के भव्य स्वागत और सम्मान में दोपहर 01 बजे जैन कुशल भवन में अभिनंदन समारोह का आयोजन हुआ।

08 फरवरी को बोरीवली मुंबई में लेगें दीक्षा-

मुमुक्षु शैलेन्द्र सकलेचा, एकता सकलेचा, आशीष सुराना, रितु सुराना, आर्यन सुराना, आरूष सुराना और तनिष सोनीगरा का अभिनंदन किया गया। मुमुक्षु एकता सकलेचा कटंगी के प्रतिष्ठित संचेती परिवार की बेटी है। वह अपने पति के साथ दीक्षा ले रही है। जबकि इनकी पुत्री ने करीब वर्ष भर पूर्व ही दीक्षा ग्रहण की है। अभिनंदन समारोह के दौरान समता बहु मंडल ने गीत और तस्वीरों के जरिए एकता सकलेचा के अब तक जीवन वृतांत (यात्रा) को सभी के सामने बेहद ही खूबसूरत तरीके से रखा। निपुणा बहु मंडल ने जैन धर्म के महत्व को गीत के माध्यम से सकल समाज तक पहुंचाया। दीक्षा लेने से पूर्व कटंगी में जैन समाज ने सभी मुमुक्षुओं के स्वागत में समारोह का आयोजन करवाया। 08 फरवरी को मुंबई के बोरीवली में आचार्य भगवंत विजय योग तिलक सुरीश्वर जी करीब 65 लोगों को दीक्षा ग्रहण करवाएंगें।

13 वर्ष के आयुष और 14 वर्ष के तनिष्क भी लेंगे दीक्षा-

मोक्ष की इच्छा रखने वाले मुमुक्षु आयुष की उम्र महज 13 और तनिष्क की 14 वर्ष है। इन दोनों ही मुमुक्षुओं ने अभिनंदन समारोह के दौरान बताया कि आखिरकार उन्होंने यह मार्ग क्यों चुना। आयुष और तनिष्क बताते है रायपुर में गुरुदेव के सानिध्य में अठाई तपस्या की। जहां जाने पर गुरुदेव से वात्सल्य मिला। वैराग्य का पता चला और यह भी पता चला कि जीवन में अंत काल को सुधारा और बिगड़ा जा सकता है। जिसके बाद उपधान तप की आराधना से उनका मन विचलित हो उठा। गुरूदेव का सानिध्य मिला और उन्होंने इस मार्ग पर जाने का निर्णय लिया। आर्यन सुराना ने बताया कि चार्तुमास और उनके पिता के संस्कारों से उनका जीवन इस मार्ग की ओर बडा। वह बताते है कि उनका मन भी उन बच्चों के तरह की चंचल था जैसा आमतौर पर होता है। उन्हें भी खेलना-कूदना, मौज-मस्ती करना और बाहर का खाना, खाना अच्छा लगता था। पिता ने अठाई करने भेजे फिर विहार और गुरुकुल वास मिला। जहां गुरु के सानिध्य में रहकर केवल किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि नैतिक मूल्यों, आत्म-अनुशासन और आध्यात्मिक विकास की शिक्षा मिली।

कल्याण मित्र ने बदला जीवन-

किशोर संचेती परिवार के दामाद मुमुक्षु शैलेन्द्र सकलेचा ने अपने बचपन की बातों को याद करते हुए माता पिता से मिले संस्कारों और फिर विवाह उपरांत कटंगी में संचेती परिवार में दादा ससुर, दादी सास, सास-ससुर और पूरे परिवार से मिले स्नेह को साझा किया। उन्होंने कहा कि आज पैसा कमाने की दौड़ में सभी साथ देते है लेकिन धर्म में कोई साथ नहीं देता। वह सौभाग्यशाली है कि इस काम में उनके परिवार में शामिल सभी सदस्य माता-पिता, भाई, बेटा-बहू, सास-ससुर सभी ने सहयोग किया। धर्मपत्नी भी उनकी इस यात्रा में शामिल हो गई। उन्होंने अपने कल्याण मित्र की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हर कार्य के पीछे समझ सके ऐसा कारण होना ही चाहिए। पैसों की दौड़ में हम परिवार को ही भूल जाते है। शैलेन्द्र सकलेचा कुछ पलों का याद करते हुए भावुक भी हुए और फिर स्वयं को संभालते हुए भी नजर आए। अंत में संचेती परिवार ने सभी मुमुक्षुओं की संयम यात्रा निर्विघ्न रूप से संपन्न हो यह कामना की।

दक्षिण उकवा में बच्चों के लिए अनुभूति कार्यक्रम का आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दिनांक 13 जनवरी 2026 को मध्यप्रदेश वन विभाग, म.प्र. इको पर्यटन विकास बोर्ड, मध्यप्रदेश लघु वनोपज संघ एवं कैम्पा के संयुक्त तत्वावधान में वन परिक्षेत्र दक्षिण उकवा (सा.) अंतर्गत दक्षिण उकवा की किस नदी क्षेत्र में अनुभूति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को प्रकृति से जोड़ना तथा वनों के महत्व के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत में बच्चों को निर्धारित स्थल पर लाकर स्वल्पाहार कराया गया। इसके पश्चात उन्हें ट्रेल भ्रमण पर ले जाया गया, जहां बच्चों को पक्षी दर्शन, औषधीय पौधों की जानकारी, वानिकी कार्यों तथा वनों की उपयोगिता के बारे में विस्तार से बताया गया। मानव-वन्यप्राणी संघर्ष के विषय को रोचक बनाने के लिए भालू से संबंधित खेल के माध्यम से बच्चों को समझाया गया, जो उनके लिए ज्ञानवर्धक एवं रोमांचक अनुभव रहा।

भ्रमण के उपरांत बच्चों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई।

भोजन पश्चात बच्चों की रचनात्मकता एवं बौद्धिक क्षमता को प्रोत्साहित करने हेतु चित्रकला एवं क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि के रूप में अशोक मंडलेकर (जिला अध्यक्ष, लघु वनोपज संघ, बालाघाट) उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्रीमती मालती उइके (सरपंच ग्राम पंचायत बिठली), कमल सिंह धुर्वे (सरपंच ग्राम पंचायत सोनगुड्डा), प्रतापसिंह उइके (अध्यक्ष, ग्राम वन समिति सुंदरवाही) तथा मेहतलाल इनवाती (अध्यक्ष, ग्राम वन समिति दूल्हापुर) भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में बच्चों के मार्गदर्शन हेतु मास्टर ट्रेनर चार्ल्स सर का योगदान सराहनीय रहा। कार्यक्रम की सफलता में उपवनमंडलाधिकारी उकवा (सा.) श्री तरुण कुमार डहेरिया, परिक्षेत्र अधिकारी दक्षिण उकवा (सा.) आशुतोष सिंह, परिक्षेत्र अधिकारी उत्तर उकवा (सा.) सुश्री प्रियंका मरकाम सहित सभी परिक्षेत्र सहायकों, वन चौकी प्रभारियों, वनरक्षकों तथा वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मकर संक्रांति पर चाइनीज मांझे से 17 लोग घायल, गर्दन कटने से कई लोगों की हालत गंभीर

भोपाल। मध्य प्रदेश में मकर संक्रांति पर चाइनीज मांझे की चपेट में आने से 17 लोग घायल हो गए। इनमें कई की गर्दन कटने से उनकी दशा गंभीर बताई गई है। इंदौर सहित मालवा-निमाड़ में बुधवार को 15 लोग घायल हुए। इंदौर में चार की गर्दन कटी, उज्जैन में छह, महू में तीन जबकि शाजापुर और देवास में एक-एक व्यक्ति हादसे का शिकार हुए।

यह सब उस वक्त हुआ जब प्रशासन चाइनीज मांझे पर सख्ती के बड़े-बड़े दावे कर रहा था। पुलिस केवल आसमान में उड़ती पतंगों को निहारती रही। नर्मदापुरम में एक कर्मचारी घायल हुआ जबकि इटारसी में एक छात्र की गर्दन कट जाने से उसकी दशा गंभीर है।

इंदौर में भी लोग बने हैं शिकार

बता दें कि इंदौर में तीन दिन पहले ही टाइल्स कारोबारी रघुवीर धाकड़ की चाइनीज मांझे से गर्दन कटने से मौत हो गई थी। वहीं, पिछले साल नवंबर में ओमेक्स निवासी 12वीं के छात्र गुलशन जाटव की भी इसी तरह मौत हुई थी।

आज बैहर में जनजातीय कारीगर एम्पैनलमेंट मेले का आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ मर्यादित (ट्राइफेड), भारत सरकार द्वारा जनजातीय कारीगरों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 15 जनवरी 2026 को जनजातीय कारीगर एम्पैनलमेंट मेला आयोजित किया जा रहा है। यह मेला सीनियर बालक छात्रावास (नवीन भवन), रौंदाटोला, बैहर में संपन्न होगा।

मेले में जिले के विभिन्न विभागों के अंतर्गत जनजातीय कारीगरों एवं समूहों द्वारा तैयार किए गए हस्तशिल्प एवं अन्य उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने आयोजन को सफल बनाने हेतु संबंधित विभागों को अपने स्तर से समन्वय अधिकारी नियुक्त कर प्रदर्शनी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर ने बताया कि ट्राइफेड द्वारा आयोजित इस मेले में भाग लेने वाले जनजातीय कारीगरों एवं समूहों को आने-जाने का यात्रा भत्ता प्रदान किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य जनजातीय कारीगरों को विपणन से जोड़ना, उनके उत्पादों को व्यापक पहचान दिलाना तथा उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

जिला प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों से अपेक्षा की है कि वे सक्रिय सहभागिता करते हुए मेले को सफल बनाएं और अधिक से अधिक जनजातीय कारीगरों को इसका लाभ दिलाएं।

16वीं मध्य प्रदेश इंडियन कराटे चैंपियनशिप 17 और 18 जनवरी को होंगे

राज्यभर से 20 से अधिक जिलों की टीमें लेंगी हिस्सा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में 16वीं मध्य प्रदेश इंडियन कराटे चैंपियनशिप का आयोजन आगामी 17 एवं 18 जनवरी को किया जा रहा है। इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता को लेकर जिले में उत्साह का माहौल है और तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जिला कराटे संघ अध्यक्ष तपेश असाटी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए टूर्नामेंट कमेटी का गठन कर विभिन्न पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं।

आयोजन समिति में राजेश पाठक को अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि रमेश रंगलानी को मुख्य संरक्षक की भूमिका सौंपी गई है। वहीं महेंद्र सुराना, पासवेंद्र पारधी एवं देवेंद्र सिंह चंदेल को संरक्षक नियुक्त किया गया है। सत्यनारायण अग्रवाल को संयोजक बनाया गया है। उपाध्यक्ष पद पर आदित्य पंडित, संदीप सौगादे एवं विपिन अग्रवाल को जिम्मेदारी दी गई है। पुरुषोत्तम चावला को कोषाध्यक्ष तथा रूपेंद्र बनकर को सह-कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सचिव पद की जिम्मेदारी दिनेश कोरे को सौंपी गई है, जबकि रूपल गौतम, सुधीर तोमर एवं शैलेंद्र यादव सह-सचिव के रूप में आयोजन की व्यवस्थाएं संभालेंगे। चैंपियनशिप का आयोजन बालाघाट स्थित हरी मंगलम लॉन में किया जाएगा। बाहर से आने वाले खिलाड़ियों एवं टीम अधिकारियों के ठहरने एवं भोजन की समुचित व्यवस्था हरी मंगलम लॉन सहित स्थानीय होटलों में की गई है। आयोजन समिति द्वारा खिलाड़ियों की सुविधा, सुरक्षा एवं अनुशासन को लेकर

विशेष प्रबंध किए गए हैं। आयोजन समिति अध्यक्ष राजेश पाठक ने बताया कि बालाघाट के लिए यह गर्व का विषय है कि राज्य स्तर की प्रतिष्ठित कराटे प्रतियोगिता की मेजबानी जिले को मिली है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता की सभी तैयारियां समिति सदस्यों के साथ बैठक कर पूर्ण कर ली गई हैं। आने वाली टीमों के आवास, भोजन, परिवहन एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली गई हैं। उन्होंने सभी खेलप्रेमियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से न केवल खिलाड़ियों को मंच मिलता है, बल्कि जिले की पहचान भी प्रदेश स्तर पर सशक्त होती है। इस राज्य स्तरीय कराटे चैंपियनशिप में छिंदवाड़ा, बालाघाट, सिवनी, झाबुआ, इंदौर, नर्मदापुरम, भोपाल, उमरिया, शहडोल, डिंडोरी, बैतूल, मंडला, श्योपुर, छतरपुर, कटनी, रायसेन, नीमच, उज्जैन, सीहोर, पांढुरना एवं रतलाम सहित प्रदेश के अनेक जिलों की टीमों के भाग लेने की पुष्टि हो चुकी है। प्रतियोगिता के माध्यम से प्रदेशभर के प्रतिभाशाली कराटे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

किसानों को सोलर पंप योजना का लाभ दिलाने शिविर लगाने के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में आज 14 जनवरी 2026 को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में प्रधानमंत्री कुसुम बी योजना (प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना) के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी, अक्षय ऊर्जा विभाग, कृषि विभाग, बैंक तथा पंजीकृत सोलर पंप वेंडर्स के अधिकारियों ने सहभागिता की।

कलेक्टर श्री मीना ने कहा कि प्रधानमंत्री कुसुम बी योजना किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी है और जिले के अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ दिलाया जाना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 के अस्थायी बिजली कनेक्शन वाले किसानों को प्राथमिकता के आधार पर योजना से जोड़ा जाए। इसके लिए विकासखंड, तहसील एवं पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित कर आवेदक किसानों के प्रकरण तैयार किए जाएं।

बैठक में बताया गया कि शासन द्वारा जिले को 2584

सोलर पंप कनेक्शन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें से 1621 हितग्राहियों के कार्य आदेश जारी हो चुके हैं। इन हितग्राहियों के ष्ट्ढ्ढस्न एवं ढ्ढस्न की प्रक्रिया पूर्ण कराने हेतु शिविरों के आयोजन तथा शेष आवेदकों को शीघ्र सोलर पंप कनेक्शन उपलब्ध कराने की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिन किसानों के प्रकरण पूर्ण हो चुके हैं और सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं, उनके खेतों में वेंडर्स तत्परता के साथ सोलर पंप की स्थापना प्रारंभ करें। साथ ही विभागीय समन्वय सुनिश्चित करते हुए योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देने को कहा।

बैठक में विद्युत विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री रवि कुमार कुम्हरे (संभाग बालाघाट), लक्ष्मण सिंह (कार्यपालन अभियंता, बैहर), बाबूलाल बैना (वारासिवनी संभाग), अक्षय ऊर्जा विभाग बालाघाट के अधिकारी, सिंचाई विभाग के कार्यपालन अभियंता, अग्रणी बैंक प्रबंधक संजीव कुमार, उप संचालक कृषि फूलसिंह मालवीय तथा पंजीकृत सोलर वेंडरों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में शिविरों की रूपरेखा, तकनीकी व्यवस्थाओं, किसानों के पंजीयन एवं सौर ऊर्जा से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

अल्मॉन्ट किड सिरप में मिला जहरीला केमिकल

-ड्रग कंट्रोलर के निर्देश पर मप्र में सीज करने की कार्रवाई शुरू

भोपाल। बच्चों को एलर्जी में दिए जाने वाले अल्मॉन्ट किड सिरप में वही इंडस्ट्रियल केमिकल मिला जो कोल्ड्रिफ कफ सिरप में मौजूद था। यानी खराब एथलीन ग्लायकॉल, इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से गाडियों के कूलेंट में किया जाता है। यही केमिकल छिंदवाड़ा कफ सिरप कांड के पीछे की वजह था। जिसने मप्र के 25 से ज्यादा मासूमों की जान ले ली। मप्र ड्रग कंट्रोलर दिनेश श्रीवास्तव ने कहा कि यह तेलंगाना सरकार के बैन के बाद नोटिस सभी राज्यों के पास आ गया था। इसके बाद इसे आगे बढ़ाते हुए हमने राज्य के हर जिले में मौजूद ड्रग इंस्पेक्टर को जानकारी भेजी है। साथ ही संबंधित सिरप को सीज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पूरे राज्य में यह प्रक्रिया चल रही है।

मप्र सरकार ने अल्मॉन्ट किड सिरप को लेकर एडवाइजरी जारी करते हुए स्टॉक और बिक्री पर रोक लगा दी है। जबलपुर में भी ड्रग इंस्पेक्टर ने सभी मेडिकल शॉप संचालकों को निर्देश दिए हैं कि अगर कहीं पर इस सिरप को रखा है, तो उसे जमा कर दें। हालांकि ड्रग इंस्पेक्टर का कहना है कि अभी तक जिले में स्टाक होने की जानकारी नहीं मिली है। दरअसल, कुछ माह पहले छिंदवाड़ा में कोल्ड्रिफ कफ सिरप में केमिकल डायएथिलीन ग्लाइकॉल पाए जाने के बाद कई बच्चों की मौत हो गई थी। अब एक और दवा में खतरनाक केमिकल मिला है। तेलंगाना औषधि नियंत्रण प्रशासन ने बच्चों को दी जाने वाली अल्मॉन्ट-किड सिरप पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने के आदेश जारी किए हैं। विभाग ने इस संबंध में अर्जेंट एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि इस सिरप में इथाइलीन ग्लाइकॉल नामक अत्यंत जहरीला रसायन पाया गया है। यह कार्रवाई केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन से प्राप्त लैब रिपोर्ट के आधार पर की गई है।

न्यूज गैलरी

ट्रक की टक्कर से 2 वर्षीय मासूम घायल, चालक फरार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के रामपायली रोड पर मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जहां एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क पर खेल रही 2 वर्षीय मासूम बच्ची को टक्कर मार दी। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। सौभाग्यवश बच्ची को गंभीर चोट नहीं आई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल बच्ची का नाम दिया वैध 2 वर्ष है, जो रामपायली रोड, वारासिवनी की निवासी है। बच्ची के पिता कृष्णा वैध फल विक्रेता हैं और हाथ ठेले पर फल बेचकर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। घटना के समय वे अपने व्यवसाय पर गए हुए थे, जबकि घर पर उनकी पत्नी शारदा वैध घरेलू कार्यों में व्यस्त थीं।दोपहर लगभग 3 बजे बच्ची दिया घर के बाहर खेलते-खेलते सड़क पर आ गई। इसी दौरान दीनदयाल चौक की ओर से रामपायली रोड पर आ रहे एक ट्रक ने उसे टक्कर मार दी और बिना रुके फरार हो गया। ट्रक की टक्कर से बच्ची के सिर, हाथ और पैर में मामूली चोटें आईं।घटना की सूचना मिलते ही कृष्णा वैध मौके पर पहुंचे और अपनी पत्नी के साथ बच्ची को तत्काल सिविल अस्पताल वारासिवनी ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में पुलिस ने शारदा वैध का बयान दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई हेतु तहरीर पुलिस थाना वारासिवनी भेज दी है।

उधर, घटना की जानकारी मिलने पर रामपायली पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए खैरलांजी रोड पर संबंधित ट्रक को पकड़कर अभिरक्षा में ले लिया है और उसे थाने परिसर में खड़ा करवा दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा ट्रक चालक के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

डाइवर्ट रूट से परेशान हो रहे लोग ,अब गर्डर लांचिंग की नयी डेडलाइन जारी होगी

गर्रा आरओबी में गर्डर लॉन्चिंग कार्यः आज डेडलाइन खत्म

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

वारासिवनी रोड स्थित गर्रा रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण का कार्य काफी सुस्त गति से चल रहा है।शायद यही वजह है कि 26 जून 2025 में बनकर तैयार होने वाला यह रेलवे ओवरब्रिज वर्ष 2026 शुरू होने पर भी अब तक बनकर तैयार नहीं हो पाया है। जहां पुल बनकर तैयार होना तो दूर की बात 15 जनवरी गर्डर लांचिंग की डेडलाइन जारी होने के बावजूद भी अब तक इस रेलवे ओवरब्रिज में गर्डर लॉन्चिंग का कार्य नहीं किया गया है।तो वही अब जल्द ही एक बैठक का आयोजन कर गर्डर लॉन्चिंग के लिए अब नई डेट लाइन बनाने की बात कही जा रही है। सुस्त गति से चल रहे इस कार्य को देखकर इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि मार्च 2026 के बाद ही इस पुल का लाभ आम नागरिकों को मिल पाएगा। उसके पूर्व यह पुल बनना फिलहाल नामुमकिन लग रहा है।आपको बताए कि गर्डर लॉन्चिंग का कार्य रेलवे विभाग द्वारा किया जाना है, ऐसे में देरी को लेकर विभागीय समन्वय की कमी भी सामने आ रही है।

15 जनवरी तक गर्डर लॉन्चिंग के कलेक्टर ने दिए थे निर्देश

गर्रा रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) पर गर्डर लॉन्चिंग का कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरा नहीं हो सका है। कलेक्टर द्वारा दिसंबर माह में 15 जनवरी तक गर्डर लॉन्चिंग पूर्ण करने के निर्देश दिए गए थे। इसी को ध्यान में रखते हुए उक्त मार्ग पर चारपहिया वाहनों की आवाजाही पर भी रोक लगाई गई थी, ताकि कार्य जल्द से जल्द किया जा सके। इसके बावजूद कार्य की प्रगति धीमी बनी हुई है और 14 जनवरी तक गर्डर लॉन्चिंग नहीं हो पाई है।आपको बताए की 17 दिसंबर को कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से रेलवे अधिकारियों को चेताया था कि गर्रा रेलवे ओवरब्रिज में रेलवे लाईन पर गर्डर लांच का कार्य 15 फरवरी तक पूर्ण कर लिया जाए। रेलवे लाईन पर गर्डर लांच के लिए रेलवे ने गर्डर मंगवा लिए है,अधिकारियों की माने तो गर्डर लांच का काम जल्द ही प्रारंभ कर दिया जाएगा

688 मीटर लंबा और 12 मीटर चौड़ा है ओवर ब्रिज

बालाघाट जिले का गर्रा रेलवे ओवरब्रिज निर्माण अपनी निर्धारित समय सीमा में पूरा नहीं हो सका है। आधिकारिक तौर पर इस ओवरब्रिज का निर्माण कार्य 26 जून 2025 तक पूर्ण होना था, लेकिन वर्तमान स्थिति को देखते हुए अब इसके वर्ष 2026 में ही पूरा होने की संभावना जताई जा रही है।लगभग 21 करोड़ 67 लाख रुपए की लागत से बन रहा यह ओवरब्रिज 688 मीटर लंबा और 12 मीटर चौड़ा है। निर्माण एजेंसी सेतु संभाग ने कार्य में हो रही देरी के लिए रेलवे विभाग को जिम्मेदार ठहराया है, हालांकि सेतु संभाग का अपना कुछ कार्य भी अभी शेष है।

अब अगले सप्ताह बैठक कर नई तारीख निकाली जाएगी- सनोडिया

मामले को देकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान सेतु विभाग के प्रबंधक अर्जुन सिंह सनोडिया ने बताया कि गर्डर लॉन्चिंग को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं, लेकिन कलेक्टर द्वारा तय की गई समय-सीमा के अनुरूप कार्य नहीं हो सका है।इसकी जानकारी कलेक्टर साहब को दे दी गई है।उन्होंने आगे बताया कि अब अगले एक सप्ताह के भीतर रेलवे अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ एक बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें कार्य को गति देने और जल्द से जल्द गर्डर लॉन्चिंग पूर्ण कराने पर चर्चा की जाएगी।

जादू-टोना करने के शक में जान से मारने की धमकी दी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के किरनापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अकोला में जादू-टोना करने के संदेह को लेकर एक गंभीर मामला सामने आया है। गांव के ही एक व्यक्ति पर जादू-टोना करने का आरोप लगाते हुए बाप-बेटे ने उसके घर पहुंचकर न केवल अश्लील गालियां दीं, बल्कि पूरे परिवार को जान से खत्म कर देने की धमकी भी दी। पीड़ति प्रकाश पिता कोदुराम बल्ले 48 वर्ष की शिकायत पर किरनापुर पुलिस ने दोनों आरोपियों कृष्ण कुमार मिश्रा और उसके बेटे राहुल मिश्रा के विरुद्ध अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

खेती-किसानी करने वाले व्यक्ति पर लगाया जादू-टोने का आरोप

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम अकोला निवासी प्रकाश बल्ले अपने परिवार के साथ खेती-किसानी का कार्य करते हैं। गांव के ही निवासी कृष्ण कुमार मिश्रा द्वारा लंबे समय से प्रकाश बल्ले पर जादू-टोना करने का शक किया जा रहा था। कृष्ण कुमार मिश्रा का आरोप है कि प्रकाश बल्ले द्वारा किए जा रहे जादू-टोने के कारण उनके परिवार के सदस्य अक्सर बीमार रहते हैं।

रात में घर पहुंचकर किया हंगामा

घटना 13 जनवरी की रात्रि लगभग 8 बजे की है। उस समय प्रकाश बल्ले अपने परिवार के साथ घर में मौजूद थे। तभी कृष्ण कुमार मिश्रा का पुत्र राहुल मिश्रा अचानक प्रकाश बल्ले के घर पहुंचा और जोर-जोर से दरवाजा खटखटाते हुए बाहर आने के लिए चिल्लाने लगा। आवाज सुनकर प्रकाश बल्ले अपनी पत्नी के साथ घर से बाहर आंगन में आए।

प्रकाश बल्ले ने राहुल मिश्रा से दरवाजा खटखटाने और चिल्लाने का कारण पूछा, तभी राहुल मिश्रा के पिता कृष्ण कुमार मिश्रा भी वहां पहुंच गए। इसके बाद दोनों पिता-पुत्र ने प्रकाश बल्ले पर जादू-टोना करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उसकी वजह से उनके परिवार की तबीयत खराब रहती है और वे मानसिक रूप से परेशान हैं।

अश्लील गालियां और जान से मारने की धमकी

आरोप है कि इस दौरान राहुल मिश्रा और कृष्ण कुमार मिश्रा ने प्रकाश बल्ले को अश्लील गालियां देना शुरू कर दिया। प्रकाश बल्ले ने उन्हें समझाने का प्रयास करते हुए कहा कि उसने किसी प्रकार का जादू-टोना नहीं किया है और गाली-गलौज करने से मना किया। शोर-शराबा सुनकर मोहल्ले के अन्य लोग भी मौके पर एकत्र हो गए।इसके बावजूद दोनों पिता-पुत्र जाते-जाते प्रकाश बल्ले को धमकी देकर गए कि यदि उनके परिवार में किसी प्रकार की परेशानी हुई, तो वे उसके पूरे परिवार को जान से खत्म कर देंगे।

पुलिस ने दर्ज किया मामला

घटना से भयभीत होकर प्रकाश बल्ले ने किरनापुर थाना पहुंचकर पूरे मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर किरनापुर पुलिस ने राहुल मिश्रा और उसके पिता कृष्ण कुमार मिश्रा, दोनों निवासी ग्राम अकोला, के विरुद्ध अश्लील गालियां देने एवं जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

दुर्घटना : दाहिना पैर कटने से हालत नाज़ुक, हायर सेंटर रेफर

समनापुर स्टेशन पर चलती ट्रेन से उतरते समय छात्रा ट्रेन की चपेट में आई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जबलपुर रेलखंड पर स्थित समनापुर रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। चलती ट्रेन से उतरने के दौरान संतुलन बिगड़ने से एक छात्रा ट्रेन की चपेट में आ गई, जिससे उसका दाहिना पैर कट गया। गंभीर रूप से घायल छात्रा वंदना पिता झाडू लाल खैरवार 21 वर्ष छोटी पनबिरी थाना लालबर्रा निवासी है जिला अस्पताल बालाघाट में प्राथमिक उपचार के बाद इस छात्रा को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वंदना बी.ए. फाइनल वर्ष की छात्रा है और लालबर्रा कॉलेज में अध्ययनरत है। उसके माता-पिता खेती-किसानी करते हैं। परिवार में वह तीन बहनों और एक भाई है। बताया गया कि लगभग दो माह पूर्व वंदना अपने परिवार की ही युवती शानू खैरवार के साथ जबलपुर टू-व्हीलर प्रशिक्षण के लिए गई थी। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद दोनों 14 जनवरी को जबलपुर से बालाघाट की ओर ट्रेन से लौट रही थीं। समनापुर रेलवे स्टेशन पर दोनों को लेने उनके परिजन आने वाले थे।

दोपहर करीब 12 बजे जैसे ही ट्रेन समनापुर रेलवे स्टेशन पहुँची, उसी दौरान वंदना चलती ट्रेन से उतरने का प्रयास करने लगी। इसी बीच उसका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिर पड़ी। गिरते ही उसका दाहिना पैर ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे पैर गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया।

हादसे के बाद यात्रियों और रेलवे कर्मियों की मदद से घायल छात्रा को उसी ट्रेन से बालाघाट रेलवे स्टेशन लाया गया। वहां से 108 एंबुलेंस की सहायता से उसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया। सूचना मिलते ही परिजन भी अस्पताल पहुँच गए।

जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने छात्रा की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया।

इधर, घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे पुलिस जिला अस्पताल पहुँची और छात्रा के साथ मौजूद शानू खैरवार का बयान दर्ज किया। रेलवे पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।यह हादसा एक बार फिर चलती ट्रेन से उतरने के खतरे को उजागर करता है और यात्रियों को सतर्क रहने की आवश्यकता पर जोर देता है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

चंदन नदी से रेत का अवैध उत्खनन व परिवहन पुलिस ने रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त की, चालक गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के खैरलांजी थाना क्षेत्र अंतर्गत चंदन नदी से अवैध रूप से रेत का उत्खनन कर उसका परिवहन किए जाने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस टीम ने ग्राम फोगल टोला से चुटिया रोड पर रेत से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त कर चालक को गिरफ्तार किया है। आरोपी चालक विशाल सीहोरे, पिता राजेश सीहोरे, उम्र 20 वर्ष, निवासी ग्राम खैरलांजी जोबिना वैध अनुमति के चंदन नदी से रेत का उत्खनन कर चोरी-छिपे परिवहन कर रहा था।

खैरलांजी पुलिस के मुताबिक 14 जनवरी सुबह गश्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम चुटिया के समीप स्थित चंदन नदी से एक बिना नंबर का ट्रैक्टर अवैध रूप से रेत भरकर फोगल टोला की ओर आने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने फोगल टोलाङ्कचुटिया रोड पर घेराबंदी की।कुछ देर बाद चुटिया की ओर से नीले रंग का, सफेद पट्टी वाला स्वराज कंपनी का ट्रैक्टर आता दिखाई दिया। पुलिस ने ट्रैक्टर को रोककर जांच की तो ट्रॉली में रेत भरी हुई पाई गई। चालक विशाल सिहोरे से रेत परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

जांच में सामने आया कि आरोपी। विशाल सिहोरे चंदन नदी के चुटियाङ्कगुनई घाट से अवैध रूप से रेत का उत्खनन कर परिवहन कर रहा था। पुलिस ने मौके पर ट्रैक्टर-ट्रॉली को जप्त कर थाना परिसर में खड़ा करवा दिया है। जप्त रेत की अनुमानित कीमत 6 हजार रुपये बताई जा रही है।पुलिस ने आरोपी ट्रेक्टर चालक विशाल सिहोरे के विरुद्ध धारा 303(2), 317(5) भारतीय न्याय संहिता, धारा 4/21 खान एवं खनिज अधिनियम 1952 तथा धारा 53(1) मध्य प्रदेश गौण खनिज नियम 1996 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

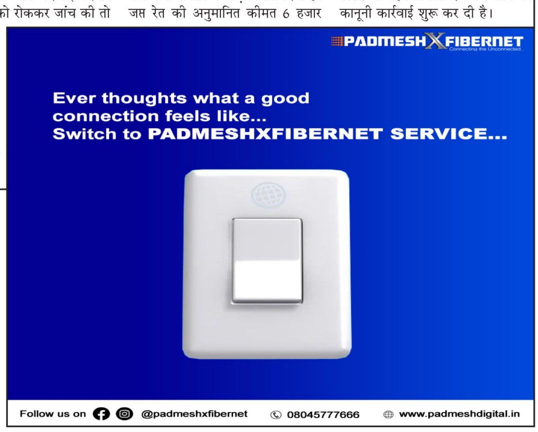

25-01-2026
9:00 AM
इंडिया का सबसे बड़ा जॉब फेयर
100 से अधिक कंपनियाँ
8,000 से अधिक रोजगार
Online Registration Web : jobsahi.com
JOB SAHI SATPUDA GROUP
Email: info@jobsahi.com Call: 6262604110
6 कंपनियों में आप अपनी पसंद (एजुकेशन) के आधार से जॉब सिलेक्ट कर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
B.Tech. Polytechnic
कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग ▸ माईनिंग इंजीनियरिंग ▸ सिविल इंजीनियरिंग ▸ मैकेनिकल इंजीनियरिंग ▸ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
कैम्पस स्थल : सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, मांझापुर (गर्रा), बालाघाट (म.प्र.)
मोबा. 9425836824, 6262604111

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट